21 सितंबर 2025

रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

सावधान : डुमरांव में सक्रिय है यूपीआई क्लोन ऐप से व्यवसायियों को लूटने वाला गिरोह 2

आपकी आवाज

नए जीएसटी सुधारों से बढ़ेगी आमदनी-खपत : वित्त मंत्री

- जनता तक पहुंचेंगे सीधे दो लाख करोड़ रुपये

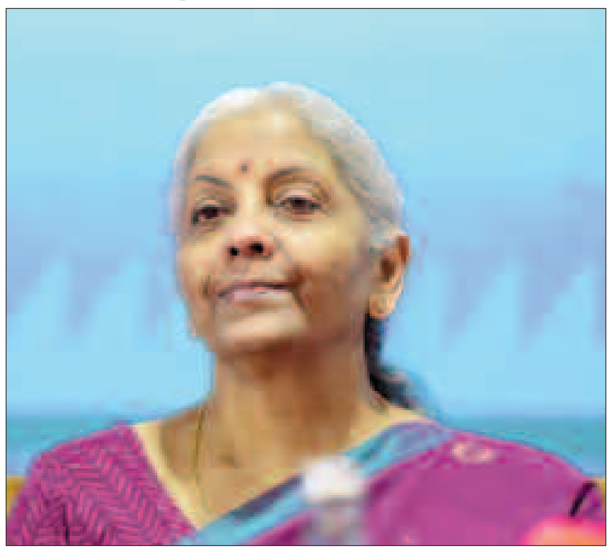

एजेंसी/चेन्नई

देशभर में नए जीएसटी दरों को लेकर चर्चा तेज है। 22 सितंबर से लागू होने वाले इन दरों को लेकर लोगों ने अपनी मिली जुली प्रतिक्रियाएं भी दी है। ऐसे में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार फिर इन नए दरों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से लागू होने वाले नए जीएसटी सुधारों के कारण देश के लोगों के हाथ में लगभग दो लाख करोड़ रुपये बचेंगे, जिससे घरेलू खर्च और खपत बढ़ेगी। तमिलनाडु फूडग्रेन मर्चेंट्स एसोसिएसन के 80वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि जीएसटी की दरों को चार स्लैब से घटाकर अब केवल दो स्लैब किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि इससे खासकर गरीब, मध्यम वर्गीय परिवार और छोटे-मध्यम उद्योग को फायदा मिले। सीतारमण ने कहा कि इस सुधार के बाद सामान की कीमतें कम होंगी, जिससे लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई साबुन ज्यादा मात्रा में खरीदता है, तो निमार्ता उत्पादन बढ़ाएगा, जिससे रोजगार बढ़ेंगे और सरकार को अधिक टैक्स मिलेगा। यह एक सकारात्मक चक्र है जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा होगा। इस दौरान वित्त मंत्री ने ये भी बताया कि जीएसटी लागू होने से पहले टैक्स देने वाले उद्यमियों की संख्या 65 लाख थी, जो अब बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहकर आलोचना करने की बात पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है, बल्कि इसने टैक्स आधार बढ़ाया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले आठ वर्षों में सरकार ने किसी उत्पाद पर ज्यादा टैक्स नहीं लगाया है और अब जो कटौती हो रही है वह सही और लोगों के हित में है। निर्मला सीतारमण का कहना है कि जीएसटी सुधारों से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और गरीब, मध्यम वर्ग व एमएसएमई को राहत मिलेगी। सरकार की जीएसटी 2.0 घोषणा से न केवल घरों का कर बोझ कम होगा बल्कि एमएसएमई को मजबूती मिलेगी और अर्थव्यवस्था में औपचारिककरण की रफ्तार भी बढ़ेगी। यह कदम भारत को एकल कर व्यवस्था के सपने के और करीब ले जाएगा। फिक्की की समिति कैस्केड (कैस्केड) की रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी ढांचे में सुधार से 5ः टैक्स स्लैब में आने वाली वस्तुओं की संख्या तीन गुना तक बढ़ जाएगी। अभी 54 उपभोग श्रेणियां इस दायरे में हैं, जिन्हें जीएसटी 2.0 के तहत बढ़ाकर 149 कर दिया जाएगा। 22 सितंबर से लागू होने वाले नए जीएसटी सुधारों से देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, इन सुधारों से करीब दो लाख करोड़ रुपये जनता के हाथों में बचेंगे, जिससे आमदनी और घरेलू खपत में बढ़ोतरी होगी।

माकपा कार्यालय पर चला बुलडोजर पार्टी ने भाजपा पर लगाया आरोप

एजेंसी/अगरतला

माकपा के त्रिपुरा के प्रतापगढ़ कार्यालय में बुलडोजर से तोड़फोड़ की गई। पार्टी ने भाजपा पर कार्यालय पर तोड़फोड़ कराने का आरोप लगाया है। विपक्ष के नेता जितेंद्र चैधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित लोग देर रात करीब डेढ़ बजे बुलडोजर लेकर माकपा स्थानीय समिति कार्यालय में आए और तोड़फोड़ की। हमारे पास भाजपा समर्थित उपद्रवियों द्वारा की गई तोड़फोड़ की वीडियो क्लिप हैं। सीपीआई (एम) के राज्य सचिव चैधरी ने कहा कि तोड़फोड़ भाजपा और आरएसएस के लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान को दशार्ती है। झूठे वादे करके सत्ता में आई भाजपा जनता का धन लूट रही है और राज्य के लोकतांत्रिक माहौल को नष्ट कर रही है। घटना को अंधेरे की आड़ में किया गया कायराना कृत्य बताते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस संबंध में दर्ज शिकायत पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। माकपा के जिला सचिव रतन दास ने कहा कि राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद यह सातवीं बार है जब पार्टी कार्यालय पर हमला हुआ है। उन्होंने कहा कि इस बार उन्होंने कार्यालय का मुख्य द्वार और दरवाजे तोड़ दिए हैं। यह एक पूर्व-नियोजित हमला था। पुलिस निष्क्रिय है और अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।पुलिस ने बताया कि उन्हें शिकायत मिली है। पूर्वी अगरतला पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) सुब्रत देबनाथ ने कहा कि हमले में इस्तेमाल की गई जेसीबी को जब्त कर लिया गया है और जांच जारी है। भाजपा जिला अध्यक्ष असीम भट्टाचार्य ने घटना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

पीएम ने किया 34,200 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

दुकानदार स्वदेशी खरीदें और बेचें : पीएम

एजेंसी/भावनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के भावनगर में भव्य रोड शो के साथ अपने दौरे की शुरूआत की। हजारों लोगों के स्वागत के बीच पीएम मोदी ने गांधी मैदान पहुंचें। जहां उन्होंने 34,200 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इनमें समुद्र से समृद्धि जैसी योजनाएं शामिल हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास को नई दिशा देंगी। पीएम नरेंद्र मोदी ने लोथल में निमार्णाधीन राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर की प्रगति की समीक्षा की। पीएम मोदी को एनएमएचसी की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिखाया गया। जिसका विकास 4,500 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि एनएमएचसी का विकास देश की समृद्ध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करने के लिए किया जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने ग्रीनफील्ड औद्योगिक केंद्र धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र का हवाई सर्वे किया। धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र अहमदाबाद से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण में और राज्य की राजधानी गांधीनगर से 134 किलोमीटर दूर है। डीएसआईआर राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) द्वारा पश्चिमी समर्पित मालवाहक गलियारे के प्रभाव क्षेत्र में औद्योगिक क्लस्टरों और नोड्स का एक रैखिक क्षेत्र बनाने के महत्वाकांक्षी कदम का हिस्सा है।

पीएम ने लोगों से किया स्वेदेशी अपनाने की अपील

पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए हमे सभी क्षेत्रों में एकसाथ काम करना होगा और अब हम जब जानते है कि विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भर भारत से होकर गुजरता है। इसलिए हमें याद रखना है कि हम जो भी खरीदे स्वदेशी खरीदे, हम जो भी बेचे वो स्वदेशी हो। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मैं सभी दुकानदारों से आग्रह करता हूं कि आप अपनी दुकानों पर एक पोस्टक लगाए, जिसमें लिखा हो कि गर्व से कहो ये स्वदेशी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब देश को अपने जहाज निर्माण (शिपबिल्डिंग) को मजबूत करना चाहिए था, तब कांग्रेस सरकारों ने विदेशी जहाज किराए पर लेना ज्यादा बेहतर समझा। पीएम मोदी ने कहा कि इसके कारण भारत का अपना शिपबिल्डिंग इकोसिस्टम लगभग खत्म हो गया और विदेशी जहाजों पर निर्भरता मजबूरी बन गई। उन्होंने कहा कि करीब 50 साल पहले भारत का लगभग 40ः व्यापार अपने ही जहाजों के जरिए होता था, लेकिन अब यह घटकर सिर्फ 5ः रह गया है। पीएम मोदी ने कहा कि इसका मतलब यह है कि आज भारत को अपने 95ः व्यापार के लिए विदेशी जहाजों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे देश को भारी आर्थिक नुकसान होता है। इस दौरान पीएम ने इसे आत्मनिर्भर भारत के रास्ते में बड़ी रुकावट बताया और देश को फिर से समुद्री शक्ति बनाने की दिशा में कदम उठाने पर जोर दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है, तो आत्मनिर्भरता ही एकमात्र रास्ता है।

आत्मनिर्भर भारत पर पीएम मोदी का जोर

पीएम नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता, उतनी ही ज्यादा देश की विफलता होती है। उन्होंने कहा कि शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश यानी भारत को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जब तक हम अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर रहेंगे, तब तक असली विकास संभव नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि 100 दुखों की एक ही दवाई आत्मनिर्भर भारत। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा और सामर्थ्य की कभी कोई कमी नहीं रही, लेकिन आजादी के बाद कांग्रेस सरकारों ने देश की क्षमताओं को नजरअंदाज किया। पीएम मोदी ने कहा कि देश आजादी के 6-7 दशक बाद भी वह सफलता हासिल नहीं कर पाया, जिसका वह हकदार था। इसके पीछे दो बड़े कारण रहे द कांग्रेस ने देश को लंबे समय तक लाइसेंस-कोटा राज में उलझाए रखा और भारत को दुनिया के बाजारों से दूर कर दिया।

भारत के पास एक कमजोर प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने मोदी को कमजोर प्रधानमंत्री बताया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तरफ से कांग्रेस नेता पर यह वार ऐसे समय किया गया है जब अमेरिका ने एच-1बी वीजा नियमों को सख्त कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एच-1बी वीजा प्रोग्राम में बड़े बदलाव करने के लिए एक घोषणा पत्र पर साइन किए हैं। इसके बाद अब प्रत्येक आवेदन के लिए प्रति वर्ष 1,00,000 डॉलर का शुल्क देना होगा। ऐसे में इसका असर अमेरिका में काम कर रहे भारतीय टेक्नोलॉजी पेशेवरों और बड़ी कंपनियों पर पड़ेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी की आलोचना की। राहुल गांधी ने लिखा, भारत के पास कमजोर प्रधानमंत्री है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एच-1बी वीजा पर बातचीत नहीं बनी है। दूसरी, खबर कश्मीर पर अमेरिकी रुख को लेकर है। जून 2017 की खबर के अनुसार भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के एडमिनिस्ट्रेडेट कश्मीर शब्द के प्रयोग को स्वीकार कर लिया है। राहुल गांधी इस तरह से केंद्र सरकार और पीएम मोदी को कमजोर करार देते हुए अमेरिका के सामने झुकने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी नरेंद्र मोदी को कमजोर पीएम बताया है। नेता प्रतिपक्ष ने अमेरिका की तरफ से एच1-बी वीजा शुल्क बढ़ाने जाने के फैसले के बाद यह आरोप लगाया है। इसके साथ ही राहुल ने एच1बी वीजा के साथ ही कश्मीर के मुद्दे पर भी केंद्र पर निशाना साधा है।

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल को मिलेगा भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान

एजेंसी/नई दिल्ली

मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार मोहनलाल को भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड 2023 दिया जाएगा। यह सम्मान उन्हें 23 सितंबर 2025 को आयोजित होने वाले 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में दिया जाएगा। भारत सरकार ने मोहनलाल को उनके लंबे और सफल फिल्मी करियर के लिए यह अवॉर्ड देने की घोषणा की है। चार दशक से अधिक समय से सक्रिय मोहनलाल ने यादगार किरदारों और बेहतरीन अभिनय से न केवल मलयालम सिनेमा में, बल्कि पूरे देश के दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा– मोहनलाल की अद्भुत सिनेमाई यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। उनके आइकॉनिक योगदान और निरंतर मेहनत ने भारतीय फिल्म इतिहास में उन्हें एक अलग पहचान दी है। यह अवॉर्ड हर साल ऐसे दिग्गजों को दिया जाता है जिन्होंने भारतीय सिनेमा के विकास और योगदान में विशेष भूमिका निभाई हो। मोहनलाल के काम को वर्षों से सराहा गया है और उनकी यात्रा युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी हुई है। अब उन्हें सिनेमा जगत का सबसे बड़ा सम्मान मिल रहा है।

अमेरिकी कंपनियों के साथ काम करने वाली अन्य कंपनियों पर होगा असर

एच–1 बी वीजा पाबंदियों का जल्द होगा समाधान

एजेंसी/नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के एच-1बी वीजा की पाबंदियों के सभी प्रभावों का अध्ययन चल रहा है। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि इससे कई परिवारों को व्यवधान हो सकता है। भारत और अमेरिका के उद्योग नवाचार और रचनात्मकता में जुड़े हैं और दोनों देश मिलकर सबसे उपयुक्त समाधान खोजेंगे। बता दें, अमेरिका ने वीजा शुल्क एक लाख डॉलर कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर लगाई गई हालिया पाबंदियों पर बयान जारी किया है। मंत्रालय ने बताया कि सभी संभावित प्रभावों का अध्ययन किया जा रहा है। साथ ही चेतावनी दी कि इस कदम के मानवीय परिणाम हो सकते हैं और यह कई परिवारों के जीवन में व्यवधान पैदा कर सकता है। विदेश मंत्रालय अपने बयान में यह स्पष्ट किया है कि इस मुद्दे पर गंभीर रूप से विचार किया जा रहा है और किसी भी निर्णय से पहले सभी हितधारकों की राय को शामिल किया जाएगा। यह नियम 21 सितंबर से लागू होगा और इसके लिए केवल एक दिन की समयसीमा दी गई है। भारतीय आईटी उद्योग संगठन नैसकॉम ने कहा कि इतनी कम समयसीमा कंपनियों, पेशेवरों और छात्रों के लिए भारी अनिश्चितता खड़ी कर रही है। ऑनशोर प्रोजेक्ट्स पर भी इसका असर दिखाई देगा। भारतीय आईटी कंपनियों पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। लंबे समय से अमेरिकी कंपनियों के साथ काम करने वाली कंपनियों की प्रतिस्पर्धा क्षमता प्रभावित होगी। नैसकॉम ने बताया कि हाल के वर्षों में कंपनियों ने एच-1बी पर निर्भरता कम कर स्थानीय भर्तियों को बढ़ावा दिया है।मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत और अमेरिका दोनों के उद्योग नवाचार और रचनात्मकता में जुड़े हैं और उन्हें उम्मीद है कि दोनों देश मिलकर इस मुद्दे पर सबसे उपयुक्त रास्ता खोजेंगे। मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारतीय उद्योग और अमेरिकी साझेदार इस पर परामर्श कर सकते हैं ताकि पेशेवरों और परिवारों पर न्यूनतम असर पड़े। सकॉम के मुताबिक आईटी सेक्टर पर दोहरा दबाव है।

द्वारा एच-1बी वीजा पर लगाई गई हालिया पाबंदियों पर बयान जारी किया है। मंत्रालय ने बताया कि सभी

विद्यालय प्रबंधन समिति की संयुक्त बैठक में विकास प्रस्तावों पर लगी मुहर

- शिक्षा सुधार पर फोकस, विधायक ने दिया संदेश

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड के रघुवंशी कुंवरी प्लस टू उच्च विद्यालय, तियरा में शनिवार को विद्यालय प्रबंधन समिति की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। इस बैठक की विशेषता यह रही कि इसमें केवल विद्यालय की मरम्मत या चाहरदीवारी जैसे भौतिक विकास कार्यों पर चर्चा नहीं हुई, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधार पर भी गंभीर विमर्श हुआ। बैठक की अध्यक्षता स्थानीय विधायक विश्वनाथ राम ने की, जिन्होंने शिक्षकों और उपस्थित प्रतिनिधियों को स्पष्ट संदेश दिया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही असली विकास है। बैठक की शुरूआत गत बैठक की पुष्टि और अतिथियों के सम्मान के साथ हुई। प्रधानाध्यापक ब्रजेश राय ने सभी आगंतुकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इसके बाद कार्यवाही आगे बढ़ी और विद्यालय विकास कोष से भवन मरम्मति, चाहरदिवारी निर्माण तथा आवश्यक शैक्षिक उपकरणों की खरीद को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। विधायक विश्वनाथ राम ने कहा कि अनुशासन और पढ़ाई दोनों पर समान रूप से ध्यान देना होगा। जिन विद्यालयों में शौचालय और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी है, वहां प्राथमिकता के आधार पर निर्माण और सुधार कराया जाएगा।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि विधायक निधि से सभी उच्च विद्यालयों को पुस्तकालय के लिए पाँच अलमीरा उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने शिक्षकों से अपेक्षा जताई कि छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय का अधिकतम लाभ मिलना चाहिए ताकि उनमें अध्ययन की आदत विकसित हो। डीपीओ (माध्यमिक शिक्षा) नाजिस अली ने भी शिक्षकों को संबोधित किया और कहा कि शिक्षा व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर विद्यालय में यह सुनिश्चित होना चाहिए कि बच्चों को न केवल बेहतर पढ़ाई मिले, बल्कि एक स्वस्थ और अनुशासित वातावरण भी उपलब्ध हो। बैठक में प्रतिनिधि सुदर्शन सिंह, लाल साहब सिंह, कमलेश सिंह, राजू यादव, प्रधानाध्यापक अशोक पांडेय, जितेंद्र ज्वाला, सुनील सिंह, अरुण सिंह, भुवाली सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। यह बैठक केवल औपचारिकता भर नहीं रही, बल्कि इसने स्पष्ट किया कि शिक्षा सुधार और विद्यालय विकास अब एक समानांतर एजेंडा बन चुके हैं। विधायक और शिक्षा विभाग की साझा प्राथमिकता यही है कि राजपुर प्रखंड के सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। गौरतलब हो कि हाल के दिनों में विद्यालयों में बुनियादी सुविधा मुहैया कराने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए है। वहीं, शिक्षको की कमी को पूरा करने के लिए बीपीएससी से परीक्षा लेकर शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।

दुर्गा पूजा में शांति व्यवस्था को लेकर थाना परिसर में बैठक, डीजे और अश्लील गीतों पर सख्त पाबंदी

राजपुर। राजपुर थाना परिसर में शनिवार को दुर्गा पूजा को लेकर थाना अध्यक्ष निवास कुमार की अध्यक्षता में पूजा समितियों एवं जनप्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में थानाध्यक्ष ने साफ कहा कि पर्व शांतिपूर्ण माहौल में ही संपन्न होना चाहिए। समितियां आपसी सामंजस्य से अपनी विधि-व्यवस्था संभालें और बिजली विभाग से संपर्क कर पंडालों के पास जर्जर तार दुरुस्त कराएं। मूर्ति विसर्जन के लिए समितियों को स्थल का ब्यौरा देना होगा तथा पानी भरे तालाबों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। सभी पंडालों के पास पर्याप्त रोशनी और अलग बिजली कनेक्शन होना अनिवार्य किया गया। पूजा समितियों को लाइसेंस निर्गत कराना होगा और कोर्ट के निर्देश के आलोक में किसी भी पंडाल में डीजे बजाने पर पूर्ण पाबंदी रहेगी। साथ ही अश्लील गीतों पर भी रोक लगाई जाएगी। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु अलग से लाइसेंस लेना होगा। समितियों को अपने अध्यक्ष, सचिव व सदस्यों की फोटो थाना में जमा करनी होगी, ताकि वही लोग पंडालों में शांति व्यवस्था बनाए रखें। पुलिस अधिकारी समय-समय पर पंडालों की निगरानी करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग समाज में अशांति फैलाने या शराब पीकर उपद्रव करने की कोशिश करेंगे, उन्हें सीधे हवालात भेजा जाएगा।

सावधान : डुमरांव में सक्रिय है यूपीआई क्लोन ऐप से व्यवसायियों को लूटने वाला गिरोह

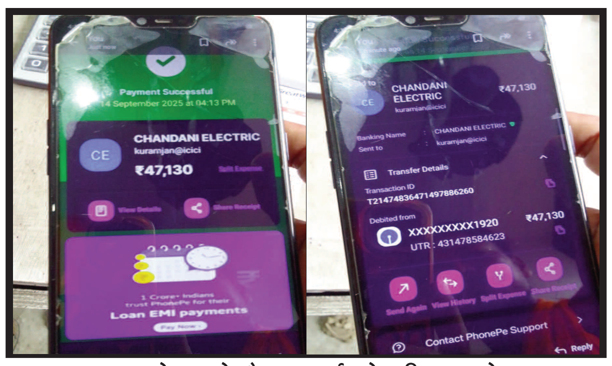

- अबतक सामने आ चुके है आधा दर्जन से अधिक मामले,
- क्लोन ऐप के जरिए व्यवसायियों की गाढ़ी कमाई लूटने वालों के गिरेबां तक नहीं पहुंच रहे है पुलिस के हाथ

केटी न्यूज/डुमरांव

यदि आप व्यवसायी है तथा यूपीआई से पैसे का लेन देन करते है तो सावधान हो जाइए। डुमरांव में एक ऐसा गिरोह सक्रिय है जो यूपीआई के क्लोन ऐप के जरिए पलक झपकते ही आपकों झांसे में ले हजारों रूपए के सामान ले उड़ सकता है। पिछले कुछ महीनों में इसमें तेजी आई है तथा अकेले डुमरांव तथा आस पास के क्षेत्रों में अबतक आधा दर्जन मामले सामने आ चुके है। पीड़ित दुकानदारों का कहना है कि क्लोन ऐप के जरिए चूना लगाने वाला गिरोह दुकानदारों को बिल्कुल समय नहीं देते है तथा पलक झपकते ही उनके सामान ले तथा फोन पे के क्लोन ऐप से पैसा डालने का झांसा दे तेजी से भाग निकलते है। इधर जब घंटो बाद भी दुकानदार के खाते में पैसा नहीं आता है तो उन्हें ठगी की बात समझ में आती है। इसके बाद दुकानदार पुलिस तक पहुंचते है, लेकिन स्थानीय पुलिस अभी तक एक भी मामले की उद्भेदन नहीं कर सकी है।

शातिर तरीके से काम करता है गिरोह

पीड़ित दुकानदारों का कहना है कि क्लोन ऐप के जरिए धोखाधड़ी कर पैसा हड़पने वाला गिरोह काफी शातिर तरीके से काम करता है। दुकानदारों का कहना है कि गिरोह के दो या तीन सदस्य एक ही बाइक से दुकान पर आते है तथा हजारों रूपए का सामान लेते है। इस दौरान इनका एक साथी बाइक पर बैठा रहता है। जैसे ही सामान पैक होता है तो वह बाइक स्टार्ट कर देता है जबकि एक हाथ में सामान लिए दूसरा ठग अपने मोबाईल से दुकान के स्कैनर को स्कैन कर पेमेंट करने का झांसा देता है तथा बड़ी चालाकी से क्लोन ऐप के जरिए पेमेंट सक्सेजफूल का मैसेज भी दिखा देता है और पलक झपकते ही बाइक पर बैठ फरार हो जाते है।

साफ्ट टॉरगेट बने है इलेक्ट्रिक दुकान

दुकानदारों का कहना है कि यूपीआई के क्लोन ऐप के जरिए गाढ़ी कमाई लूटने वाले गिरोह के साफ्ट टॉरगेट इलेक्ट्रॉनिक पाट्‌र्स विक्रेता बन रहे है। अबतक अधिकतर घटनाएं उन्हीं दुकानों पर हुई है जहां बिजली के तार, पंखा, कूलर आदि की बिक्री होती है। ऐसा करने वाले साइबर फ्राड हजारों रूपए का तार खरीद दुकानदार को क्लोन ऐप के जरिए चुना लगाते है। दुकनदारों का कहना है कि इस मामले में पुलिस एफआईआर दर्ज करने के अलावे कोई सफलता हासिल नहीं कर सकी है। अबतक कई ऐसे मामलों में पीड़ित दुकानदारों ने शिकायत दर्ज कराई है, बावजूद पुलिस अबतक किसी भी मामले का उद्भेदन नहीं कर सकी है। वहीं, दुकानदारों का कहना है कि हाल ही में भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाने की पुलिस ने इस गिरोह के दो सदस्यों को पकड़ा था, बावजूद पूरा गिरोह पकड़ में नहीं आ सका है।

केस स्टडी 1 : डुमरांव थाना के सामने नया तालाब रोड में थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित रवि इलेक्ट्रिक के प्रोपराइटर रवि कुमार ने बताया कि 11 मार्च 2025 को शाम में उसके दुकान पर एक बाइक से दो युवक आए तथा 35 हजार रूपए मूल्य का तार खरीदे, इस दौरान एक युवक बाइक पर बैठा था जबकि दूसरा तेजी से सामान ले स्कैनर को अपने मोबाइल से स्कैन कर पेमेंट करने का झांसा दिया तथा क्लोन ऐप के झूठे मैसेज को दिखा तेजी से चंपत हो गए। जबतक मैं कुछ समझ पाता तबतक दोनों फरार हो गए।

केस स्टडी 2 : नया भोजपुर के विद्या इलेक्ट्रिक पर फरवरी 2025 में ही दो युवक बाइक से आए तथा 47 हजार रूपए का तार खरीद क्लोन ऐप का मैसेज दिखा पेमेंट करने का झांसा दे तेजी से गायब हो गए। दुकानदार को जबतक समझ आता कि वह साइबर ठगो का शिकार बन चुका है, तबतक दोनों काफी दूर निकल गए थे।

केस स्टडी 3 : थाना से महज 100 मीटर दूर बीडी मार्केट के बगल में स्थित डुमरांव इलेक्ट्रिक के प्रोपराइटर मधुभूषण पाठक का कहना है कि 14 सितंबर की शाम करीब तीन बजे उसके दुकान पर दो युवक बाइक से आए तथा 47.130 रूपए का तार खरीद क्लोन ऐप के जरिए पेंमेंट का झांसा दे फरार हो गए। पीड़ित ने इसकी शिकायत भी थाने में करवाई है। बावजूद घटना के एक सप्ताह बाद भी आरोपित पकड़े नहीं गए है।

कई अन्य घटनाएं भी शामिल

इसके अलावे भी डुमरांव में कई ऐसी घटनाएं हो चुकी है, जिसमें क्लोन ऐप के जरिए दुकानदारों का हजारों का चुना लगाया जा चुका है। थाना के पास ही स्थित राज इलेक्ट्रिक से 27 हजार रूपए के तार, राजगोला स्थित आर्टिफिशियली फूल-माला व विवाह सामग्री बेचने वाले अंकित केशरी से 11 हजार रूपए की ठगी इस क्लोन ऐप के जरिए हो चुकी है।

> गिरोह को चिन्हित कर लिया गया है। पुलिस की उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर बनी हुई है। शीघ्र ही पूरा गिरोह पुलिस गिरफ्त में होगा।
> – संजय कुमार सिन्हा, थानाध्यक्ष, डुमरांव

बासुदेवा थाना में विनष्ट किया गया 51 लीटर शराब

नावानगर। शनिवार को बासुदेवा थाना परिसर में पुलिस द्वारा जब्त किए गए 51 लीटर अवैध शराब का विनष्टीकरण किया गया। जब्त शराब को थाना परिसर में अधिकारियों की मौजूदगी में नालियों में बहाकर नष्ट किया गया। विनष्टीकरण प्रक्रिया के दौरान दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त राजस्व कर्मचारी बीरेंद्र प्रसाद मौजूद रहे। वहीं, पुलिस पदाधिकारी विकास चंद्र, सतेन्द्र कुमार पाण्डेय एवं पुलिस बल के साथ चौकीदार मौके पर उपस्थित थे। थानाध्यक्ष अनिल कुमार पासवान ने जानकारी देते हुए बताया कि जब्त की गई शराब अलग-अलग तीन कंडों में पकड़ी गई थी, जिसे कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद नष्ट कर दिया गया।

शिक्षकों की बैठक में डीईओ के कार्यों की सराहना

डुमरांव। डुमरांव के राजगढ़ परिसर में वर्तमान एवं रिटायर्ड सम्मानित शिक्षकों की एक बैठक शनिवार को संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य राम एकबाल सिंह ने की। बैठक में शिक्षकों ने वर्तमान जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि विभागीय अधिकारी शिक्षक हित में बेहतर व पारदर्शी तरीके से कार्य कर रहे है। इनके प्रयासों से ही शिक्षकों को 13 वर्षों के संघर्ष का फल प्राप्त हुआ है। स्नातक कला, विज्ञान में प्रोन्नति एवं प्रधानाध्यापक में प्रोन्नति संपन्न हुई है। बैठक में श्याम नारायण राय, राधेश्याम राय समेत कई अन्य शिक्षक मौजूद थे।

राजस्व महाअभियान के अंतिम दिन उमड़ी रैयतों की भीड़, लो सर्वर ने फेरा पानी

केटी न्यूज/चौसा

शनिवार को राजस्व महाअभियान के अंतिम दिन चौसा अंचल के तीन पंचायतों और अंचल मुख्यालय पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में रैयतों और किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग सुबह से ही पर्चा नामांतरण और बटवारा व विभिन्न प्रकार के राजस्व संबंधी कार्यों के लिए कतार में लगे रहे। हालांकि अंतिम दिन सर्वर की धीमी गति ने रैयतों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। आवेदन एंट्री की रफ्तार बेहद धीमी रही, जिसके चलते बहुत कम संख्या में ही कार्य संपन्न हो सके। जानकारी के अनुसार दिनभर में महज 15 से 20 आवेदन ही ऑपरेटरों द्वारा ऑनलाइन दर्ज किए जा सके। सर्वर डाउन होने से लोगों को आवेदन जमा करने में भारी परेशानी झेलनी पड़ी और कई लोग निराश होकर लौट गए। इस संबंध में अंचल अधिकारी (सीओ) उद्धव मिश्रा ने बताया कि राजस्व महाअभियान के तहत अंतिम दिन शिविर का आयोजन आदेशानुसार किया गया। सीओ ने आगे कहा कि अभियान अब समाप्त हो गया है, लेकिन कल से पूर्ववत तरीके से किसान या रैयत अपने आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। आगे के कार्य उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार किए जाएंगे।

मेहंदी के रंगों में गूंजा लोकतंत्र का संदेश...

- आंगनबाड़ी केंद्रों पर महिलाओं की सशक्त भागीदारी, मतदान प्रतिशत बढ़ाने का लिया संकल्प

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर बक्सर जिला प्रशासन मतदाताओं को जागरूक करने के लिए नित नए प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को जिले के सभी प्रखंडों के आंगनबाड़ी केंद्रों पर अनूठे अंदाज में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और युवतियों ने भाग लेकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। आम तौर पर श्रृंगार और उत्सव का हिस्सा मानी जाने वाली मेहंदी इस बार मतदाता जागरूकता का प्रतीक बनी। प्रतिभागियों ने अपनी हथेलियों पर मतदान, लोकतंत्र और जागरूकता से जुड़े संदेशों को डिजाइन में उतारकर एक अनोखी मिशाल पेश की। किसी ने मेरा वोट-मेरी ताकत लिखा तो किसी ने मतदान तिथि की आकृति बनाई। महिलाओं ने मेहंदी के जरिए यह संदेश दिया कि मतदान सिर्फ अधिकार ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी के अनुसार, बक्सर जिले का लक्ष्य आगामी विधानसभा चुनाव में 70 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करना है। इसके लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को अहम माना गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की ऊर्जा और सामूहिकता से न केवल मतदान प्रतिशत बढ़ेगा बल्कि समाज में जागरूकता का संदेश भी गहराई तक पहुंचेगा।

आंगनबाड़ी केंद्र बने अभियान का आधार

यह प्रतियोगिता जिलाधिकारी महोदय के निदेर्शानुसार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (आईसीडीएस) एवं स्वीप कोषांग बक्सर द्वारा आयोजित की गई। इसमें आंगनबाड़ी सेविकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उप विकास आयुक्त के मार्गदर्शन में आंगनबाड़ी केंद्र अभियान के केंद्र बिंदु बने, जहां ग्रामीण स्तर पर महिला मतदाताओं तक जागरूकता का संदेश पहुंचाया गया।

उत्साह से सराबोर रहीं महिलाएं

जिले के हर प्रखंड में आयोजित इस प्रतियोगिता में महिलाओं और युवतियों ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतिभागियों की भीड़ से माहौल उत्सव जैसा हो गया। कई स्थानों पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक पदाधिकारियों ने भी उपस्थिति दर्ज कराई और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

मतदाता सूची व मतदान प्रक्रिया की दी गई जानकारी

कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने महिलाओं को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, मतदान की प्रक्रिया और तिथि से संबंधित जानकारी दी। इससे ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को जागरूक होने और अपने अधिकार का सही उपयोग करने में मदद मिलेगी। मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली महिलाओं ने संकल्प लिया कि वे स्वयं मतदान करेंगी और अपने परिवार व समाज की अन्य महिलाओं को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगी। यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि लोकतंत्र के महापर्व को उत्सव की तरह मनाने की तैयारी का हिस्सा साबित हुआ।

रामानंद मध्य विद्यालय में गुरु सम्मान से जुड़ा पौधरोपण अभियान

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

गुरु के प्रति सम्मान और धरती के प्रति जिम्मेदारी, इन दोनों मूल्यों का संगम शनिवार को ब्रह्मपुर प्रखंड के रघुनाथपुर स्थित रामानंद मध्य विद्यालय में देखने को मिला। यहां सेवानिवृत्त शिक्षक रामलाल सिंह को सम्मानित करने के अवसर पर विद्यालय परिवार और आगंतुक अतिथियों ने सिर्फ शब्दों में ही नहीं, बल्कि प्रकृति की छांव में भी उन्हें यादगार तोहफा दिया।

कार्यक्रम की खास पहल रही ह्लएक पेड़ मां के नामह्व। इस अनोखी मुहिम के तहत अशोक, चंपा, कनेर और ऑक्सीजन प्लांट समेत ग्यारह पौधे लगाए गए। प्रधानाध्यापिका शाहनाज बेगम के नेतृत्व में किए गए इस पौधरोपण ने कार्यक्रम को एक नई दिशा दी। अतिथियों का मानना था कि जब कोई पौधा किसी खास अवसर से जुड़ा होता है, तो लोग उससे भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं और उसकी देखभाल भी अधिक करते हैं। शैलेश ओझा, जो पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, दक्षिण बिहार प्रांत से जुड़े हैं, ने अपील की कि हर व्यक्ति को अपने जीवन के खास क्षणों को हरियाली से जोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी न किसी बहाने पौधा लगाना जरूरी है, तभी धरती हरी-भरी बनी रहेगी और आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित रहेंगी।

विद्यालय के शिक्षकों और गणमान्य लोगों ने भी पौधरोपण को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। वक्ताओं का कहना था कि यदि आज वृक्षों की कमी पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाली पीढ़ियां गंभीर संकट झेलेंगी। इसलिए छात्रों और युवाओं को इस जिम्मेदारी को सबसे पहले निभाना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिदर्शन वर्मा ने और संचालन नौशाद अली ने किया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक-अभिभावक, सैकड़ों छात्र और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। शिक्षक सम्मान का यह आयोजन न केवल स्मरणीय बन गया, बल्कि आने वाले वर्षों में हरे-भरे परिसर के रूप में विद्यालय के वातावरण को भी जीवंत बनाएगा।

स्वच्छोत्सव थीम पर शपथ, हस्ताक्षर अभियान और जनभागीदारी का संकल्प

स्वच्छता ही सेवा 2025 का जिला स्तरीय भव्य शुभारंभ

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में शनिवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में ह्लस्वच्छता ही सेवा 2025ह्व अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त (डीडीसी) आकाश चौधरी उपस्थित रहे।

अभियान का शुभारंभ डीडीसी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान भर नहीं है, बल्कि यह हमारी जीवनशैली और सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा बननी चाहिए। स्वच्छ वातावरण से ही स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम का थीम ह्लस्वच्छोत्सवह्व रखा गया है, जिसके तहत जिले के प्रत्येक गांव, पंचायत और प्रखंड स्तर पर स्वच्छता गतिविधियों को जनआंदोलन का रूप देने का लक्ष्य तय किया गया है।

डीआरडीए निदेशक ने प्रस्तुत की रूपरेखा

शुभारंभ अवसर पर जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) के निदेशक ने अभियान की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में जिले भर में सफाई अभियान, जनजागरूकता रैली, पोस्टर-नारा प्रतियोगिता, स्कूल- कॉलेजों में स्वच्छता संवाद तथा सामुदायिक स्थलों पर श्रमदान जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

शपथ और हस्ताक्षर अभियान

समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मियों और सहभागियों ने स्वच्छता शपथ ली। शपथ के दौरान सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं भी स्वच्छता का पालन करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम का समापन हस्ताक्षर अभियान के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित लोगों ने स्वच्छ भारत निर्माण के लिए अपना समर्थन दर्ज कराया।

व्यापक सहभागिता

कार्यक्रम में जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, जीविका समूह की महिलाएं तथा सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने सामूहिक रूप से अभियान को जनआंदोलन का रूप देने और अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

अभियान को मिलेगी नई ऊर्जा

डीडीसी आकाश चौधरी ने कहा कि ह्लस्वच्छता ही सेवाह्व जैसे कार्यक्रम केवल सरकारी स्तर पर नहीं, बल्कि आमजन की सक्रिय भागीदारी से ही सफल हो सकते हैं। जब हर नागरिक इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएगा, तभी स्वच्छता का यह उत्सव वास्तविक मायनों में सार्थक होगा। इस कार्यक्रम ने बक्सर जिले में स्वच्छता के लिए नई ऊर्जा और सकारात्मक माहौल का संचार किया। आने वाले दिनों में गांव से लेकर शहर तक यह अभियान लोगों की भागीदारी से एक बड़े उत्सव का रूप लेगा।

दुर्गापूजा को लेकर सोनवर्षा थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित

केटी न्यूज/नावानगर

आगामी दुर्गापूजा पर्व को लेकर शनिवार को सोनवर्षा थाना परिसर में शनिवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने की। बैठक में थाना क्षेत्र के पूजा समिति सदस्य, समाजसेवी, शांति समिति सदस्य व गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में दुर्गापूजा सम्पन्न कराने को लेकर कई दिशा-निर्देश दिए गए। थानाध्यक्ष ने कहा कि पंडालों में नियुक्त वोलेंटियरों की पूरी जानकारी थाना को देनी होगी। प्रत्येक वोलंटियर का आधार कार्ड और मोबाइल नंबर देना अनिवार्य रहेगा, ताकि किसी भी परिस्थिति में उनसे संपर्क किया जा सके। उन्होंने साफ निर्देश दिया कि पूजा पंडाल में किसी भी जनप्रतिनिधि का पोस्टर या फोटो नहीं होना चाहिए। यह धार्मिक

आयोजन है, इसमें राजनीति का कोई स्थान नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस बार डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। डीजे से ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है और शांति व्यवस्था प्रभावित होती है। पर्व के दौरान केवल लाउडस्पीकर बजाने की अनुमति होगी, जिससे माहौल भक्तिमय बना रहे। वहीं, डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। थानाध्यक्ष ने आयोजकों से पंडालों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और अग्निशमन की तैयारी सुनिश्चित करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी विवाद या समस्या की सूचना तुरंत थाना प्रशासन को दी जाए, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों और पूजा समिति के सदस्यों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे सभी दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे और भाईचारे व शांति के साथ दुर्गापूजा का आयोजन करेंगे।

बैठक में पूजा समिति सदस्य के अलावा पूर्व प्रखंड उपप्रमुख दिनेश सिंह, रामाकांत सिंह उर्फ बबुआजी, कलामुद्दीन, रवि पाण्डेय, धर्मेन्द्र कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

केसठ में राजद कार्यकताओं की बैठक तेजस्वी को सीएम बनाने का लिया संकल्प

केटी न्यूज/केसठ

केसठ बस पड़ाव पर शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ कार्यकताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आयोजित इस बैठक में क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष गुड्डु कुमार ने की, जबकि मुख्य अतिथि डुमरांव विधानसभा के पूर्व राजद प्रत्याशी सुनील कुमार सिंह उर्फ पप्पू यादव थे। बैठक में कार्यकताओं ने सर्वसम्मति से कहा कि बिहार में बदलाव की जरूरत है और इसके लिए तेजस्वी प्रसाद यादव को मुख्यमंत्री बनाना अनिवार्य है। वक्ताओं ने कहा कि राज्य को ऐसी सरकार चाहिए जो दवाई, करवाई, सिंचाई, पढ़ाई और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर काम करे।पप्पू यादव

ने कहा कि डबल इंजन सरकार के लम्बे शासन में जनता को सिर्फ. भ्रष्टाचार और निराशा मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज थाने से लेकर अंचल कार्यालय तक हर जगह रिश्वत का बोलबाला है। यहां तक कि मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में भी पैसे देने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और एसआईआर के नाम पर वोट काटने की साजिश लोकतंत्र पर हमला है।पप्पू यादव ने आह्वान किया कि हर बूथ पर राजद की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई जाए और जनता को बताया जाए कि एक वोट से बड़ा बदलाव संभव है। बैठक में भिखारी यादव, मुखिया अरविंद यादव उर्फ गामा पहलवान, सलामुद्दीन, संतोष मुखिया, संजय सिंह, विनोद सिंह, अजीत, सीताराम, रमेश, अनूप यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

मरीजों के लिए उम्मीद का सहारा बने डॉ. बिरेन्द्र राम

- **बरसात और बदहाल सड़कों के बीच भी उमड़ी भीड़, इलाज के साथ व्यवहार ने जीता मरीजों का दिल**

केटी न्यूज/डुमरांव

शनिवार का दिन डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के लिए किसी खास अवसर से कम नहीं रहा। लगातार झमाझम बारिश और शहर की जर्जर सड़कों के बावजूद बड़ी संख्या में मरीज अस्पताल पहुंचे। वजह थे हड्डी और नस रोग विशेषज्ञ डॉ. बिरेन्द्र राम, जो अपने कुशल इलाज और आत्मीय व्यवहार से मरीजों के लिए उम्मीद का सहारा बने हुए हैं।

अस्पताल का नजारा शनिवार को बदला-बदला था। एक ओर विशेषज्ञ सर्जन डॉ. लोकेश कुमार अपनी ड्यूटी पर मुस्तैदी से जुटे थे, वहीं दूसरी ओर मरीजों के चहेते डॉक्टर बिरेन्द्र राम, हड्डी और नस से जुड़ी बीमारियों का इलाज कर रहे थे। सुबह से ही उनकी ओपीडी के बाहर मरीजों की कतार लगी रही।

इलाज से ज्यादा भरोसे की दवा

डॉ. बिरेन्द्र राम का मानना है कि मरीज को दवा से ज्यादा भरोसे और जीवनशैली सुधार की जरूरत होती है। यही वजह है कि वे रोगियों को केवल दवा लिखकर मुक्त नहीं करते, बल्कि नियमित व्यायाम और संतुलित खानपान की नसीहत जरूर देते हैं। उनके मरीज बताते हैं कि डॉ. राम का यही अंदाज उन्हें सबसे अलग बनाता है और इसका असर उनकी सेहत में भी झलकता है।

संतुष्टि ही सबसे बड़ी सफलता

खुद डॉ. राम कहते हैं कि मरीजों का दर्द कम होते देख जो संतुष्टि मिलती है, वही असली सफलता है। मेरा प्रयास रहता है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक बेहतर चिकित्सा मिल सके। यही कारण है कि उनके पास आने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बारिश और रास्तों की बदहाली के बावजूद शनिवार को जुटी भारी भीड़ उनकी लोकप्रियता का प्रमाण रही।

मरीजों का भरोसा, अस्पताल की पहचान

अस्पताल में आने वाले कई मरीजों का कहना था कि डॉ. राम न सिर्फ रोग का इलाज करते हैं बल्कि मरीजों का आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। एक मरीज ने कहा कि डॉक्टर साहब दवा तो देते ही हैं, लेकिन उनके समझाने का तरीका सबसे अलग है। हम लोग दवा के साथ उनकी सलाह मानते हैं तो जल्दी फायदा महसूस होता है। बता दें कि डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में हर शनिवार का यह नजारा अब आम हो चला है। जब भी डॉ. बिरेन्द्र राम ड्यूटी पर होते हैं, अस्पताल की रौनक बढ़ जाती है और मरीजों के चेहरों पर उम्मीद की चमक लौट आती है।

एक नजर

हरियाली के संग बच्चों की रचनात्मकता ने जीता दिल

चौसा। चौसा उच्च विद्यालय शनिवार को प्रखंडस्तरीय वन महोत्सव का आयोजन किया गया, जहां पौधों की हरियाली और बच्चों की रचनात्मकता ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और एक पेड़ मां के नाम अभियान से हुई। अधिकारियों और शिक्षकों ने परिसर में पौधे लगाकर यह संदेश दिया कि पर्यावरण बचाना केवल जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता है। पौधों की हरियाली के बीच जब बच्चों की पेंटिंग्स और क्विज मुकाबले की झलकियां सामने आईं तो माहौल और भी रंगीन हो उठा। पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगों से पर्यावरण का दर्द और उम्मीद दोनों को उकेरा। वहीं क्विज में पर्यावरण से जुड़े सवालों पर बच्चों की तत्परता ने यह साबित किया कि नई पीढ़ी न केवल जागरूक है, बल्कि समाधान की दिशा में भी सोचती है। विजेता बच्चों को मंच से सम्मानित किया गया, जिससे उनके चेहरे गर्व से खिल उठे। वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी सुरेश प्रसाद ने कहा कि जलवायु संकट से निपटने का सबसे बड़ा हथियार वृक्षारोपण है। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान को भावनाओं और जिम्मेदारी से जोड़ते हुए समाज को प्रेरित किया। वहीं बीईओ हृषिकेश कुमार सिंह ने बच्चों को संदेश दिया कि शिक्षा तभी सार्थक है जब वह हमें प्रकृति की रक्षा करना सिखाए। बीडीओ अशोक कुमार ने पेड़ों को धरती का असली धन बताते हुए हर व्यक्ति से पौधारोपण की अपील की। महोत्सव में प्रधानाध्यापक, शिक्षक, वनकर्मी और छात्र-छात्राओं ने एकजुट होकर पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया। अंत में पूरा विद्यालय परिसर बच्चों की तालियों और पौधों की हरियाली से गूंज उठा। यह वन महोत्सव केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि यह भविष्य को हरियाली की सौगात देने का संकल्प बन गया।

डुमरांव के वार्ड 22 के हरिजी के हाता की नारकीय स्थिति

सड़कों पर भरा रहता है नाली का गंदा पानी, लोगों में गहराने लगा आक्रोश

डुमरांव । हरिजी के हाता, वार्ड संख्या 22 में थाना के पीछे वाली गली, जिसे डुमरांव के लाइफ लाइन मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। हालत दिन पर दिन दयनीय होती जा रही है। थोड़ी भी वर्षा हो जाए तो सड़क तालाब बन जाता है। सूत्रों ने बताया कि छोटी-छोटी गलियां तो पट गईं किंतु मुख्य सड़क की नाली का सारा कीचड़ व पानी थाना के पीछे वाली सड़क की नाली में गिर कर जाम की स्थिति बना देता है। एक प्रकार से कहा कहा जाए तो हरि जी के हाता में मुख्य सड़क के दोनों ओर का पानी निकासी इसी गली से होकर थाना के बगल वाले नाले में जाता है। लोगों का कहना है। मुख्य नाला में गाद जमा होने अथवा उसकी गहराई कम होने की वजह से गली के पानी का ठीक तरह से निकास नहीं हो पाता। इसके साथ ही लोगों ने टूटी नाली की मरम्मत कर उसे स्लैब द्वारा पाटने की भी बात रखी. किंतु आज तक इस पर ध्यान नहीं दिया गया। ज्ञातव्य है। कि इस संबंध में नगर परिषद को भी इमेल के द्वारा सूचित किया जा चुका है। किंतु स्वच्छता के नाम पर इसे लगातार नजर अंदाज किया जा रहा है। इस मार्ग से गुजरने वाले सैकडों राहगीरों एवं छात्र-छात्राओं को भारी कष्ट का सामना करना पड़ता ह। इस पर जनप्रतिनिधि एवं नगर परिषद दोनों मौन है। यह बात नगरवासियों को कांटे की तरह खटकती है। जलजमाव और उससे निकलने वाली बदबू के चलते मच्छरों की भरमार हो गई है। जिससे कई प्रकार की बीमारियों के फैलने का खतरा मंडरा रहा है। मुहल्लावासियों ने गुहार लगाई है कि नगर परिषद अविलंब इसका संज्ञान ले ताकि स्वच्छता का नारा एक माखौल न बना कर न रह जाए इसी प्रकार स्ट्रीट लाइट की समस्या भी अलग से है। लोग स्वयं का बल्व न जलाएं तो पूरा हरि जी का हाता अंधेरे में डूबा रहता है। मालूम पड़ता है वीआइपी मुहल्ला नाम भर का रह गया है। हालांकि विकास के नाम पर पैसे बहुत खर्च किए गए है। बगल में सीपीएस स्कूल के पास गगनचुम्बी वेपर लाइट लगा है। जो रात दिन बराबर जलता रहता है। दिन में उस बुझाने की जरूरत नहीं समझी जाती। लगभग एक दर्जन स्टील का चमचमाता कूडेद्रान खेल के मैदान में ही लगा दिया गया है। कुछ तो पिचक गए है। किसी में कभी भी किसी के द्वारा कूडा. नहीं डाला जाता यह विकास के राशि के दुरूपयोग का साक्षात प्रदर्शन है। हरिजी के हाता की उखडी. हुई मुख्य सड़क पर भी संज्ञान लेने वाला कोई नहीं है। इससे खराब रास्ता पूरे डुमरांव में नहीं है। चुनाव का मौसम आ गया है। फिर भी जनप्रतिनिधि का इस पर ध्यान नहीं है।

गंगा स्वच्छता अभियान में बच्चों ने बढ़ाया कदम, लिया प्रदूषण मुक्त रखने का संकल्प

बक्सर। गंगा सिर्फ एक नदी नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की जीवन रेखा है। आस्था और आजीविका की धारा मानी जाने वाली गंगा के संरक्षण को लेकर शनिवार को बक्सर में एक विशेष पहल की गई। एम.पी. हाई स्कूल और केंद्रीय विद्यालय परिसर में जिला गंगा समिति के तत्वावधान में ह्लस्वच्छता ही सेवाह्व कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय ने गंगा की स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बच्चों ने निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से गंगा संरक्षण का संदेश दिया। चित्रों और शब्दों के जरिए बच्चों ने यह स्पष्ट किया कि गंगा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि पर्यावरण और मानव सभ्यता की जीवनदायिनी धारा है, जिसे स्वच्छ रखना सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों और शिक्षकों ने सामूहिक शपथ ली कि वे गंगा को प्रदूषण से बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे और अपने आसपास के पर्यावरण को स्वच्छ रखने में योगदान देंगे। इस शपथ ने उपस्थित सभी लोगों को यह एहसास कराया कि गंगा संरक्षण कोई सरकारी पहल मात्र नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अंतर्गत इस तरह के जन-जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। बक्सर का यह आयोजन इसी दिशा में एक सार्थक कदम साबित हुआ, जिसमें बच्चों ने गंगा की निर्मल धारा को बनाए रखने का संदेश पूरे समाज तक पहुंचाया।

कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया

अखिल भारतीय हलुवाई अधिकार सम्मेलन का आयोजन

केटी न्यूज/रोहतास

शनिवार को अखिल भारतीय कानू हलुवाई अधिकार सम्मेलन का आयोजन सासाराम की बैजला में किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया तथा आए हुए सभी अतिथियों का सम्मान फूल माला एवं अंग वस्त्र से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता एवं संचालन शिक्षक महेश कर्ण ने की। अधिकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए जिला परिषद महावीर साह ने अपनी एक जुटता हर हाल में बनाए रखने का आवाहन किया। जिला परिषद सदस्य डोमा साह ने संगठन के लिए अनेक प्रकार के मंत्र बताएं। भारतीय जनता पार्टी

की जिला प्रवक्ता नवीन चंद्र साह सत्ता में भागीदारी हेतु राजनीतिक जागरूकता पर प्रकाश डालते हुए अपने समाज की गौरवपूर्ण इतिहास को बताया। इस महती सभा को संबोधित करने वालों में संजीव कुमार, आरती गुप्ता, मदन गुप्ता ,जगनारायण शाह, अजय महाजन , राजगिरी प्रसाद गुप्ता, कोषाध्यक्ष काजू गुप्ता ,ठाकुर प्रसाद गुप्ता इस कार्यक्रम को शुभ अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था जिसमें गायक मौसम राजा तथा गायिका सीमा गुप्ता ने समाज से संबंधित अनेक गीतों से सबका मन मोह लिया। समाज के सभी त्रिस्तरीय पंचायत के जनप्रतिनिधि उपस्थित थे उनमें राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, सुनील गुप्ता, वरिष्ठ अभिभावक राजकुमार गुप्ता, राजगिरी प्रसाद गुप्ता ,चंद्रिका प्रसाद, गोपाल साह ,सिद्धनाथ प्रसाद गुप्ता, अध्यक्ष गुप्तेश्वर गुप्ता, अनिल गुप्ता, भरत साह इत्यादि। आज ही के दिन एनडीए गठबंधन का विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन होना था जिसके कारण मुख्य अतिथि उपस्थित नहीं हो सकें अन्यथा कार्यक्रम में चार चांद लग जाता । कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीयता से उत्प्रोत कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। भारत माता की जय वन्देमातरम के जय घोष के साथ कार्यक्रम की समाप्ति किया गया ।

बैठक में जिला पदाधिकारी ने उक्त त्योहारों के अवसर पर शांति व्यवस्था बनाये रखने का दिया निर्देश

शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाये रखने हेतु जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक की गई आयोजित

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास समाहरणालय में जिला पदाधिकारी, उदिता सिंह एवं पुलिस अधीक्षक, रौशन कुमार की अध्यक्षता में दुर्गा पूजा 2025 के अवसर पर शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाये रखने हेतु जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम अपर समाहर्ता-सह-अपर समाहर्ता, जिला दण्डाधिकारी, रोहतास के द्वारा बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं शांति समिति के सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया गया कि आगामी त्योहारों यथा-दुर्गा पुजा (दशहरा), दीपावली, एवं छठपूजा मनाये जाने के अवसर पर विधि-व्यवस्था बनाये रखते हुए निष्पक्ष एवं शांति पूर्ण सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से आज की बैठक आहूत की गयी है।

बैठक में जिला पदाधिकारी महोदया के द्वारा बताया गया कि उक्त त्योहारों के अवसर पर शांति व्यवस्था बनाये रखते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने हेतु बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों से बारी-बारी से सुझाव प्राप्त किया गया, जो निम्नवत है । बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम के द्वारा अनुमंडल स्तर पर की गयी तैयारियों के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी दी गयी। तत्पश्चात नगर पूजा समिति, सासाराम, डिहरी एवं बिक्रमगंज के द्वारा अपने-अपने अनुमंडलों के बारे में की गयी तैयारियों एवं पुजा पंडालों के रखने आदि के संबंध में तथा अभी तक की गयी तैयारियों के बारे में अद्यतन जानकारी दी गयी। सासाराम अनुमंडल के नगर पूजा समिति, सासाराम के अध्यक्ष के द्वारा बताया गया कि विगत दिनों पत्रांक 10/25 दिनांक 26.08.2025 को एक पत्र सभी को दिया गया है, जिसमें शहर एवं दुगार्पूजा के अवसर पर कराये जाने वाले कार्यों एवं तैयारियों के बारे में सबंधित विभागों से ससमय कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया है। इसके अतिरिक्त उनके द्वारा बताया गया कि दुगार्पूजा त्योहार दिनांक 22.09.2025 से कलश स्थापना के साथ प्रारम्भ होकर दिनांक 03.10.2025 तक मनाया जायेगा तथा दिनांक 02.10.2025 को संध्या 06 बजे से रावण वद्य कार्यक्रम होगा। उक्त त्योहार के अवसर पर माँ ताराचण्डी धाम पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, जिसमें श्रद्धालुओं का काफी भीड़ होने की सम्भावना बनी रहती है इस लिए उक्त अवसर पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति धाम की साफ-सफाई, रोड की मरम्मती, पेयजलापूर्ति आदि की व्यवस्था कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया। इसके अतिरिक्त पत्र मे अंकित कार्यो को दुगार्पूजा के पहले कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया। इसके अतिरिक्त दिनांक 03.10.2025 को दुगार्कुण्ड फजलगंज में मूर्ति विसर्जन होने की बात बताते हुए वहां भी लाईट एवं कुण्ड की साफ-सफाई कराये जाने का सुझाव दिया गया। साथ मूर्ति विसर्जन मार्ग की मरम्मती कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य सभी सदस्यों के द्वारा शहर में हाईमास्क लाईट तथा पोल पर लगे लाईटों की मरम्मती कराये जाने, शहर में बुडकों के द्वारा तोड़े गये सड़कों की मरम्मती कराये जाने, शहर की साफ-सफाई आदि कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया। नगर पूजा समिति सासाराम के महामंत्री के द्वारा बताया गया कि शहर के विभिन्न मार्गों जो सासाराम से ताराचण्डी धाम को जाता है यथा एसपी जैन रोड, ताराचंडी मार्ग जगदेव पथ, बौलिया पथ, छह कोनवा पथ (जो कादिरगंज, सागर रोड, बौलिया रोड वह जगह-जगह पर टूट गये हैं, उसकी मरम्मती कराया जाय। डिहरी अनुमंडल के शांति समिति सदस्यों के द्वारा बताया गया कि डिहरी शहर के अलावे रोहतास अंचल के बकनौरा पंचायत में मूर्ति रखी जाती है, इसके साथ अकबरपुर में और ग्रामीण क्षेत्रों से भी मूर्तियाँ आती है।

व्यापार मंडल अध्यक्ष ने अपने पूर्वजों के पितृ पक्ष पर कराया भंडारे का आयोजन

केटी न्यूज/रोहतास

शनिवार को व्यापार मंडल अध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह और काराकाट भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने अपने पूर्वज वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर और वीर कुंवर सिंह राजबहादुर कॉलेज के संस्थापक स्व. राज बहादुर एवं स्व.पार्वती देवी के दिवंगत आत्मा के याद में पितृ पक्ष पर विशाल भंडारे का आयोजन कराया। अवसर पर मुख्य अतिथि रालोमा अध्यक्ष सह पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा और काराकाट लोकसभा पूर्व सांसद सह पूर्व बिहार सरकार मंत्री महाबली सिंह सहित रालोमा नेता आलोक सिंह ने व्यापार मंडल अध्यक्ष और भाजपा नेता डॉ. मनीष के स्व.पूर्वजो को याद करते हुए उनके पैतृक आवास बिक्रमगंज नगर परिषद के धारूपुर गांव स्थित उनके तैलचित्र को नमन कर पुष्प अर्पित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में एनडीए कार्यकताओं सहित आमजनों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। शनिवार के दोपहर में भंडारे का

शुभारंभ हुआ। जिसके तहत प्रसाद का वितरण किया। उक्त मौके पर श्रंद्धाजलि अर्पित कर बिक्रमगंज के व्यापार मंडल अध्यक्ष सह पूर्व चेयरमैन जवाहर सिंह उर्फ सिद्धनाथ सिंह ने अपने पूर्वजों को याद करते हुए बताया कि पितृपक्ष एक ऐसा कार्य होता है,जिसमें पूर्वज किसी न किसी रूप में आकर परिजनों को आशीर्वाद देते हैं। परिवार में कोई न कोई तर्पण कर उन्हें तृप्त करते हैं। जिस पितृपक्ष भंडारे के साथ प्रसाद ग्रहण करने पर दिल आत्मा को शांति मिलती है। पूर्वजों को याद करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। जबकि भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने भंडारे का मुख्य उद्देश्य होता हैं कर्म पितृपक्ष में पितरों की आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए विशिष्ट कर्म किए जाते हैं, जिसे 'श्राद्ध' कहते हैं। श्राद्ध असल में पितरों को आहार पहुंचाने का माध्यम माना जाता है। मृत व्यक्ति की आत्मा की शांति के लिए जब श्रद्धायुक्त होकर तर्पण, पिंड और दाना आदि किया जाता है, तो उसे 'श्राद्ध' कहा जाता है। पितृपक्ष की 15 दिनों की अवधि पूर्वजों के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करने का समय होता है। इससे पितृ प्रसन्न होते हैं और अपने परिवार को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

नागेंद्र झा महाविद्यालय के सामुदायिक सभा में छात्राओं ने लिया भाग

केटी न्यूज/रोहतास

शहर के डॉ नागेंद्र झा महिला महाविद्यालय, बिक्रमगंज में पैरवी के बैनर तले एक सामुदायिक सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को अजीम प्रेम जी फाउंडेशन गर्ल्स स्कॉलरशिप के बारे में जागरूक करना और उन्हें आवेदन हेतु प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अमरेंद्र मिश्रा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि अजीम प्रेम जी फाउंडेशन द्वारा दी जाने वाली यह छात्रवृत्ति ग्रामीण और पिछड़े वर्ग की छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे समय पर इस योजना का लाभ उठाएं और आगे की पढ़ाई में आर्थिक रुकावट न आने दें । डॉ मिश्रा ने विस्तार से छात्रवृत्ति के बारे में बताते हुए कहा कि यह छात्रवृत्ति विशेष रूप से सरकारी विद्यालय से 10 वीं और 12 वीं पास करने

वाली छात्राओं के लिए है । जो छात्राएं इस वर्ष स्नातक या डिप्लोमा पाठ्यक्रम में नामांकित हुई हैं,वहीं इसमें आवेदन कर सकती हैं ।चयनित छात्राओं को 30 हजार रुपये प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी । यह सहायता स्नातक के लिए तीन वर्ष तथा डिप्लोमा के लिए पांच वर्ष तक दी जाएगी। कहा कि आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2025 निर्धारित की गई है। मानव अधिकार कार्यकर्ता संतोष उपाध्याय ने कहा कि इस छात्रवृत्ति के अलावा छात्राओं को विधिक जागरूक होना भी जरूरी है। पैरवी संस्था लगातार विधिक जोखिम में फंसे बच्चों और विचाराधीन कैदियों के लिए निःशुल्क जमानत की व्यवस्था कर रही है ताकि न्याय से कोई भी वंचित न रह जाए। सभा में बड़ी संख्या में छात्राएं एवं स्थानीय समुदाय की महिलाएं मौजूद थीं । सभी ने छात्रवृत्ति एवं विधिक अधिकारों से संबंधित इस पहल की सराहना की और इसका लाभ उठाने का संकल्प लिया।

एक नजर

शराबी को पुलिस ने भेजा जेल

राजपुर। राजपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बघेला थाना के ग्राम बघेला निवासी ददन पांडेय (40 वर्ष) को पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा करने के आरोप में गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार केसरी पांडेय के पुत्र ददन पांडेय अपने ही घर में शराब के नशे में हो- हल्ला कर रहे थे । प्राप्त सूचना पर बघेला थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें हिरासत में ले लिया ।थानाध्यक्ष करण कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज कर लिया गया है । जांच के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।

विद्युत चोरी में आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज

संझौली। संझौली थाना क्षेत्र में बिलिंग गुणवत्ता व स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के परिसर की जांच कनीय विद्युत अभियंता संझौली के नेतृत्व में किया गया। जांच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर से पहले सर्विस तार में कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी की जा रही थी। जिसको लेकर करमैनी पंचायत के आमाडाढ़ निवासी बबन पासवान पर 10 हजार 261, वकील पासवान 36 हजार 878, मदन पासवान 28 हजार 581,महेंद्र पासवान 47 हजार 381,बबन सिंह 27 हजार 327 व धनराज प्रसाद 15 हजार 857 रुपये दंडित राशि लगाई गई है। उक्त उपभोक्ताओं द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी।

कनीय विद्युत अभियंता संझौली प्रमुदित रक्त पटेल द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके परिसर में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा हुआ है तथा बकाया रहने के कारण विद्युत कनेक्शन डिसकनेक्ट प्रदर्शित हो रहा है। वह रिचार्ज कराने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं। वह दुरुस्त कर लें एवं जो व्यक्ति घरेलु,व्यवसायिक, ई- रिक्शा चार्ज,कृषि या औद्योगिक कार्य आदि हेतु बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं। वह कनेक्शन ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता जागरूकता साईकिल रैली का बीडीओ ने किया शुभारंभ

काराकाट। प्रखंड काराकाट में बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 तहत मतदाता जागरूकता साईकिल रैली प्रखंड मुख्यालय से जमुआ तक निकाली गई ।जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी राज कुमार एवं प्रोजेक्ट बालिका विद्यालय काराकाट गोड़ारी की छात्रा प्रिया,सुजाता,अदिती,सलोनी, प्रीति, खुशबू, संजनी सहित अन्य छात्राओं ने साइकिल रैली में भाग लिए और मतदाता को जागरूक किया। रिश्ते नाते सब निभाओ पर पहले मतदान करें। बहकावे में कभी नहीं आना है, सोच समझकर बटन दबाना है। जो बांटे दारू,साड़ी,नोट, उसको कभी न देंगे वोट। जो विकास का काम करेंगे,वोट उसी के नाम करेंगे। सत्य और ईमान से सरकार बने मतदान से इत्यादि नारा को लगाया गया। मौके पर रंजीत कुमार प्रधानाध्यापक प्रोजेक्ट बालिका विद्यालय, प्रखंड नाजिर दिनेश कुमार, शिक्षक अनिल कुमार पासवान , राजकपुर आजाद, श्याम बिहारी, कमलेश कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आरा जंक्शन समेत बक्सर और दानापुर के प्लेटफॉर्म होंगे गिट्टी-रहित, रेलवे लाएगा नया सिग्नलिंग सिस्टम

आरा। पूर्व मध्य रेल ने आरा जंक्शन को 292 करोड़ का योजना स्वकृति किया गया है। अब आरा जंक्शन के ट्रैक पर गंदगी नहीं दिखेगी। इसके लिए पहले आरा स्टेशन का दो व तीन प्लेटफॉर्म को बनाया जाएगा। डीडीयू से पटना

होकर बख्तियारपुर तक के 255 किलोमीटर लंबे व्यस्त रेलखंड पर ट्रेनों की समय पालन क्षमता सुधारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इस खंड पर अब ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली स्थापित की जाएगी। इसके लिए रेलवे ने 292 करोड़ रुपये की लागत वाली निविदा जारी कर दी है। आने वाले इस वितीय वर्षों में यह काम पूरा कर लिया जाएगा।यह प्रणाली अप और डाउन दोनों मुख्य लाइनों पर लागू होगी। इसके लिए आरा जंक्शन पर पहले दो व तीन नंबर प्लेटफॉर्म को कंक्रीट ढलाई के साथ प्लेटफार्म को बनाने की प्रक्रिया अपना ली गई है। फिलहाल इस रेलखंड पर एब्सोल्यूट ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली लागू है। इस सिस्टम के तहत एक ट्रेन को तभी आगे बढ़ने की अनुमति मिलती है, जब दूसरी ट्रेन अगले स्टेशन को पूरी तरह पार कर जाती है। यही वजह है कि अक्सर ट्रेनों को बीच-बीच में रुकना पड़ता है और देरी होती है। अब ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग लगने के बाद हर 500 मीटर से 1 किलोमीटर की दूरी पर सिग्नल लगाए जाएंगे। इसका फायदा यह होगा कि जैसे ही कोई ट्रेन स्टेशन यार्ड को पार करेगी, उसी ब्लॉक सेक्शन में दूसरी ट्रेन को भी चलाया जा सकेगा। खासकर पैसेंजर ट्रेनों को अब घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा और एक्सप्रेस गाड़ियां भी समय पर अपने गंतव्य तक पहुँच सकेंगी। दानापुर मंडल के एडीआरएम (ऑपरेशन) आधार राज ने बताया कि एबीएस प्रणाली से न केवल मौजूदा ट्रेनों की समयपालन क्षमता बेहतर होगी, बल्कि इस खंड पर नई ट्रेनों के परिचालन की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी।

दुर्गा पूजा को लेकर सूर्यपुरा और दावथ पुलिस ने की शांति समिति की बैठक

दावथ (रोहतास) सूर्यपुरा और दावथ थाना परिसर में शनिवार को दुगार्पूजा (दशहरा पर्व) को लेकर हुआ शांति समिति सदस्यों की बैठक। सूर्यपुरा थाना परिसर में पुलिस अंचल निरीक्षक शेर सिंह यादव की अध्यक्षता में शांति समिति सदस्यों की हुई बैठकव। पुलिस निरीक्षक ने बताया कि दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण और आपसी भाईचारे के साथ सम्पन्न कराने के लिए उच्चाधिकारियों से प्राप्त हुए गाईड लाइन में शामिल है, डीजे बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध है, अश्लील और भड़काऊ गाना नहीं बजेगा,सभी पूजा समितियों को भवन निर्माण विभाग,विद्युत विभाग और अग्निशमन विभाग से एनओसी लेना अनिवार्य है। साथ ही सभी पूजा

समितियों को पूजा पंडाल के आस पास सी सी टीवी कैमरा लगाना और पार्किंग स्थल बनाना अनिवार्य होगा । किसी भी पूजा पंडाल के पास किसी भी राजनीतिक पार्टी का बैनर या पोस्टर नहीं लगाना है,जबकि नव पदस्थापित थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में कुल 10 जगहों पर मां दुगार्पूजा अर्चना के लिए पंडाल निमार्ण कराया जाएगा । सभी पूजा समितियों को लाइसेंस बनाना अनिवार्य होगा,मूर्ति विसर्जन निर्धारित तिथि पर सूर्यास्त से पूर्व कर लेना होगा,पूजा और विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार की उदंडता गैरकानूनी कार्य करने वालों के विरूद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई किया जाएगा । बैठक में विजय गुप्ता,सुदामा पांडेय, मुखिया प्रमोद कुमार चंद्रवंशी,सरपंच शिव यश भगत,मो शमीम,पैक्स अध्यक्ष पप्पू सिंह,अरविंद दुबे, बीडीसी अंजू देवी,अजय गांधी,बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप कुशवाहा, उपाध्यक्ष मुन्नू चंद्रवंशी,डॉ एस आलम, जावेद अख्तर,धनेश्वर प्रसाद,अशोक यादव,अभय लाल,मनोज वर्मा, लक्ष्मण प्रसाद,पारस नाथ सिंह,संतोष खरवार,शशि रंजन यादव सहित अन्य समाजसेवी और मां दुर्गा पूजा समिति के सदस्य थे। जबकि दावथ थाना परिसर में थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में शांति समिति सदस्यों की बैठक आयोजित हुआ। बैठक में एसआई अजीत सिंह,प्रफुल्ल झा सहित कई दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सचिव और सदस्य उपस्थित थे।

पत्रकार के आकस्मिक निधन पर शोक की लहर

दिनारा (रोहतास) दिनारा के वरिष्ठ पत्रकार सतीश चंद्र चतुर्वेदी की असामयिक निधन पर बिक्रमगंज,काराकाट,दावथ एवं सूर्यपुरा प्रखंड के पत्रकार संघ तथा समाजसेवियों ने शोक सभा कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया। प्रखंड मुख्यालय स्थित समाजसे वी मनोज वर्मा के प्रतिष्ठान के पास समाजसेवी सुदामा पांडेय के नेतृत्व में दावथ एवं सूर्यपुरा प्रखंड के पत्रकारों ने दिनारा थाना क्षेत्र के बसडीहा गांव निवासी दैनिक जागरण अखबार के वरिष्ठ पत्रकार सतीश चंद्र चतुर्वेदी की शनिवार को हुई असामयिक निधन पर उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा । वहीं पत्रकार मनोज सिंह ने कहा कि स्मृति शेष गुड्डू बाबा का असमय निधन से बिक्रमगंज, काराकाट, दिनारा,दावथ

एवं सूर्यपुरा प्रखंड के सभी पत्रकार काफी मर्माहत हैं । उनसे सीखने के लिए हम सबों को बहुत कुछ मिला । मुकेश सिंह ने कहा कि गुड्डू चौबे बहुत ही मिलनसार एवं मृदुल स्वभाव के धनी व्यक्ति थे । उनका इस तरह से असमय निधन होना बहुत ही असहनीय है । शोक व्यक्त करने वालों में समाजसेवी विजय कुमार गुप्ता, शिवेश कुमार, बीरेंद्र शर्मा,ललित मोहन गिरी, राजू पाठक, पीके मिश्रा, चारोधाम मिश्रा, राजू रंजन दुबे, कौशलेश पांडेय, पार्थ सारथी पांडेय , संजय पांडेय, अशोक कुमार,रजनी कांत पांडेय, अमित कुमार,जयराम सावंत, शीलू पांडेय, बाला पांडेय, सुरेश वर्मा सहित कई लोग शामिल थे ।

908 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के अंतर्गत राजधानी पटना में अत्याधुनिक वाटर मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी

पटना में जल्द शुरू होगी वाटर मेट्रो सेवा, बिहार सरकार और आईडब्ल्यूएआई के बीच हुआ करार

एजेंसी। पटना

बिहार के पर्यटन विभाग और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के बीच पटना में शहरी जल परिवहन प्रणाली को विकसित करने के उद्देश्य से 19 सितंबर 2025 को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता गुजरात के भावनगर में एक भव्य समारोह के दौरान किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री सवार्नंद सोनोवाल और मनसुख मांडवीय भी मौजूद रहे। 908 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के अंतर्गत राजधानी पटना में अत्याधुनिक वाटर मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी। इस सेवा के तहत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक कैटामरान जलयान 'टश निशादराज' का संचालन किया जाएगा, जो बैटरी और हाइब्रिड मोड दोनों में चलने में सक्षम है। यह जलयान पूरी तरह वातानुकूलित होगा, जिसमें करीब 100 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी, जिनमें दो व्हीलचेयर उपयोगकताओं के लिए भी विशेष स्थान होगा। क्हअक के चेयरमैन सुनील कुमार सिंह और बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंद किशोर ने इस टङ्कव पर हस्ताक्षर किए। बिहार के पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह ने कहा कि यह परियोजना पटना में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन प्रणाली का मार्ग प्रशस्त करेगी। पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने जानकारी दी कि वाटर मेट्रो सेवा दीघा घाट से शुरू होकर ठक्ळ घाट, गायघाट होते हुए कंगन घाट तक चलाई जाएगी।

लगभग 100 यात्रियों की होगी क्षमता

पर्यटन विभाग के एक बयान में अनुसार, केंद्रीय मंत्री सवार्नंद सोनोवाल और मनसुख मांडविया की मौजूदगी में 908 करोड़ रुपए की लागत से शहरी जल मेट्रो परियोजना के विकास को लेकर यह समझौता हुआ। इसमें कहा गया कि इस समझौता पत्र पर आईडब्ल्यूएआई के चेयरमैन सुनील कुमार सिंह और बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंद किशोर ने हस्ताक्षर किए। परियोजना के तहत अत्याधुनिक हाइब्रिड इलेक्ट्रिक कैटामारन जलयान ह्यएमवी निशादराज' संचालित किया जाएगा जो बैटरी और ईंधन दोनों तरीके में चलने में सक्षम होगा। लगभग 100 यात्रियों की क्षमता वाला यह जलयान पूरी तरह वातानुकूलित होगा।

संचालन दीघा घाट से कंगन घाट तक होगा संचालन

बिहार के पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह ने बताया कि यह परियोजना पटना में पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी और शहरी परिवहन क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी। पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि जल मेट्रो का संचालन दीघा घाट से कंगन घाट तक किया जाएगा, जिसमें दीघा पर्यटन घाट, एनआईटी घाट और गायघाट जैसे प्रमुख ठिकानों पर ठहराव होगा। उन्होंने बताया कि पटना से इस सेवा का शीघ्र परीक्षण किया जाएगा और भविष्य में 10 और स्थानों को इससे जोड़े जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल पर्यटन को नई दिशा मिलेगी बल्कि शहर के प्रदूषण और यात्रा समय में भी कमी आएगी। पटना देश के उन 18 शहरों में शामिल है, जहां दक्ष और आधुनिक शहरी जल परिवहन प्रणाली विकसित की जा रही है।

यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी!

पटना से उड़ानों की संख्या बढ़ी, रात की फ्लाइट सेवा भी शुरू

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विमानों की आवाजाही में जल्द ही उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिलेगी। एयरपोर्ट प्रबंधन ने देश की सभी प्रमुख विमानन कंपनियों को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि वे पटना से अधिक संख्या में उड़ानें संचालित करें। प्रबंधन का दावा है कि आगामी समय में पटना एयरपोर्ट से प्रतिदिन 100 उड़ानों का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा, जो वर्तमान में लगभग 80 उड़ानों से हो रहा है। एयरपोर्ट पर लगभग 1,200 करोड़ की लागत से नया टर्मिनल भवन बनकर लगभग तैयार हो चुका है। इस नए भवन के चालू होने के बाद हवाई अड्डे की संचालन क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। अब पटना एयरपोर्ट पर एक साथ 11 विमानों की पार्किंग संभव हो सकेगी, जबकि पहले यह संख्या सीमित थी। साथ ही, यात्री सुविधाओं जैसे चेक-इन, सुरक्षा जांच, लाउंज और बैगेज सिस्टम को अत्याधुनिक बनाया गया है। प्रबंधन ने एयरलाइंस कंपनियों से आग्रह किया है कि वे रात्रि उड़ानें शुरू करें, क्योंकि अब पटना एयरपोर्ट पर वह सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं जो 24 घंटे संचालन के लिए जरूरी होती हैं। फिलहाल यहां रात 11 बजे के बाद से सुबह 6 बजे तक कोई उड़ान नहीं होती, जिससे एयरपोर्ट संसाधनों का पूरा उपयोग नहीं हो पाता।

इंजीनियरिंग के टॉपर्स को भी किया सम्मानित

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्चुअल रियलिटी थियेटर का किया शुभारंभ

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज तारामंडल, पटना में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में विज्ञान प्रदर्शनी बस को हरी झंडी दिखाकर राज्यव्यापी भ्रमणशील विज्ञान बस सेवा का शुभारंभ किया। यह बस बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर छात्र-छात्राओं को विज्ञान के प्रति जागरूक करेगी तथा उन्हें वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराएगी। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। इस क्रम में तारामंडल, पटना में एस्ट्रो पार्क के निर्माण कार्य की शुरूआत एवं स्मारिका बिक्री केंद्र का उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री ने शिलापट्ट का अनावरण कर वर्चुअल रियलिटी थियेटर का उद्घाटन किया। तारामंडल के मुख्य भवन में 5.6 करोड़ की लागत से निर्मित इस थियेटर में विज्ञान और तकनीक से संबंधित अद्भुत अनुभव की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने थियेटर की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली और स्वयं वहां बैठकर इसका अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के पासआउट इंजीनियरिंग छात्र-छात्राओं को डिग्रियां दीं। उन्होंने विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले सुमन कुमार (मैकेनिकल इंजीनियरिंग, मोतिहारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग) को 50,001 का चेक, स्वर्ण पदक, लैपटॉप, प्रशस्ति पत्र एवं बी.टेक. की उपाधि देकर सम्मानित किया।

सीएम के हाथों से सम्मान पाले वाले

- सिविल इंजीनियरिंग: वैष्णवी प्रिया (बी.सी.ई., भागलपुर)
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग: सलोनी कुमारी (जी.ई.सी., नवादा)
- इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग: रितिक राज (बी.सी.ई., भागलपुर)
- कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग: प्रमित कुमार (बी.सी.ई., भागलपुर)
- इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी: रानी कुमारी (एम.आई.टी., मुजफ्फरपुर)इंटर्नशिप पोर्टल का भी उद्घाटन किया गया

इंटर्नशिप पोर्टल का भी उद्घाटन किया गया

मुख्यमंत्री ने बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पटना एवं बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय, पटना के संयुक्त तत्वावधान में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत एम.टेक. (जियोइन्फॉर्मेटिक्स) पाठ्यक्रम का बिहार रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर, पटना में शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान तारामंडल, पटना में टेलीस्कोप सहित एक ऑब्जर्वेटरी डोम के निर्माण हेतु बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद के बीच एक समझौता ज्ञापन (टङ्कव) पर हस्ताक्षर किए गए।

तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत, सीएम नीतीश ने जताया शोक और घोषित किया लाखों का मुआवजा

एजेंसी। दरभंगा

दरभंगा जिले के जाले प्रखंड अंतर्गत मुरेठा गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां तालाब में डूबने से तीन मासूम बच्चियों की मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस हृदयविदारक घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है।मृत बच्चियों की पहचान वार्ड नंबर 5 की रहने वाली अमृता कुमारी (12), संगीता कुमारी (13) और शालिनी कुमारी (14) के रूप में की गई है। तीनों आपस में चचेरी बहनें थीं। मिली जानकारी के अनुसार, बच्चियां दुर्गा पूजा में संध्या आरती के लिए दीपक बनाने हेतु तालाब किनारे मिट्टी लाने गई थीं। इसी दौरान अचानक बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण मिट्टी गीली हो गई और फिसलन बढ़ गई। इसी बीच अमृता फिसलकर तालाब में गिर गई। उसे बचाने के प्रयास में संगीता और शालिनी भी तालाब में फिसल गईं और तीनों पानी में डूब गईं। तालाब के पास बकरियां चरा रहे एक बच्चे की नजर इस दर्दनाक घटना पर पड़ी। उसने भागकर गांव पहुंचकर परिजनों को जानकारी दी। खबर मिलते ही गांव के लोग और बच्चियों के परिवारजन मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से तीनों बच्चियों को तालाब से बाहर निकाला गया। इसी बीच घटना की जानकारी मिलते ही जाले थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बच्चियों को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और बाद में परिजनों को सौंप दिया। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया है। दुर्गा पूजा की तैयारियों के बीच आई इस त्रासदी ने ग्रामीणों को झकझोर कर रख दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सरकार इस कठिन घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ है और उन्हें हरसंभव मदद दी जाएगी।

अरवल पुलिस की बड़ी सफलता : हथियार और कारतूस के साथ 2 धंधेबाज गिरफ्तार, 5.84 लाख कैश भी बरामद

अरवल। अरवल पुलिस ने एसटीएफ की मदद से अवैध हथियार कारोबार का पदार्फाश किया है। संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अरेंज कुमार उर्फ टुनटुन शर्मा (पिता महेंद्र शर्मा, ग्रामझबिथरा, थानाझमानिकपुर, जिलाझअरवल) हथियार और कारतूस की खरीद-बिक्री करता है। मिली सूचना के आधार पर जब पुलिस ने उसे थाने पर लाकर पूछताछ की। तब अरेंज कुमार ने बताया कि वह औरंगाबाद के पौथू थाना क्षेत्र के लत्ता गांव के रहने वाले नागेन्द्र शर्मा के बेटे रविरंजन कुमार को कारतूस देने वाला था। उसने यह भी बताया कि अवैध कारोबार से अर्जित रकम उसके घर के ट्रंक में रखा हुआ है। डीएसपी कृति कमल ने जानकारी दी कि आरोपी की निशानदेही पर छापेमारी की गई। जांच में अरेंज कुमार के घर से 5,84,500 रुपये नकद (500 रुपये के 1067 नोट, 200 रुपये के 244 नोट, और 100 रुपये के 22 नोट), एक हॉकी बंदूक का बट और बॉडी, 7.65 मिमी के 99 जिंदा कारतूस, दो मोबाइल फोन, एक मेमोरी कार्ड और दो मोटरसाइकिल जब्त की गई।

बिहार में जनगणना 2027 की तैयारी शुरू, पहली बार होगी पूरी तरह डिजिटल

एजेंसी। पटना

देश में होने वाली जनगणना 2027 को लेकर बिहार सरकार ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति (रछउउउ) की बैठक हुई। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए, जिनमें जनगणना कार्यों का स्वरूप, चरणवार कार्यक्रम, डिजिटल मोड में संचालन और पूर्व परीक्षण की प्रक्रिया शामिल है। दो चरणों में होगी जनगणना। जिसमें बैठक में तय किया गया कि जनगणना 2027 का संचालन दो चरणों में होगा। पहला चरण (हाउस लिस्टिंग व मकानों की गणना): अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच 30 दिनों में पूरा किया जाएगा। दूसरा चरण (वास्तविक जनगणना): 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक चलेगा। मुख्य सचिव ने साफ किया कि जनगणना एक समयबद्ध कार्यक्रम है। इसलिए पूर्व परीक्षण, राजपत्र अधिसूचना और दिशा-निर्देशों का पालन तय समय पर करना सभी विभागों की जिम्मेदारी होगी। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि राज्य की 534 ग्रामीण और 263 शहरी प्रशासनिक इकाइयों के क्षेत्राधिकार पर चर्चा के बाद निर्णय लिया गया है कि अधिसूचना के अनुसार 31 दिसम्बर 2025 से 31 मार्च 2027 तक प्रशासनिक सीमाओं में कोई परिवर्तन नहीं होगा। इसका मतलब यह हुआ कि जनगणना अवधि में बिहार की प्रशासनिक इकाइयों की स्थिति यथावत रहेगी। पहली बार डिजिटल मोड में जनगणना।

बिहार के 26 सवात बॉक्सर नेशनल चैंपियनशिप के लिए चयनित

पटना। आगामी 5 से 8 अक्टूबर 2025 तक चंडीगढ़ में आयोजित होने वाली 8वीं नेशनल सवात चैंपियनशिप-2025 में भाग लेने के लिए बिहार टीम का चयन कर लिया गया है। इसके लिए शनिवार को मालीघाट स्थित रास-रास वर्ल्ड मार्शल आर्ट क्लब में राज्य सवात संघ, बिहार के तत्वावधान में फ्रेंच बॉक्सिंग चयन ट्रायल आयोजित किया गया। इस चयन ट्रायल में बिहार के विभिन्न जिलों से 100 से अधिक फ्रेंच बॉक्सर शामिल हुए। इनमें से मुजफ्फरपुर, सारण, पश्चिमी चंपारण, दरभंगा और सीतामढ़ी जिलों से कुल 26 खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों को राज्य सवात संघ, बिहार के सचिव शिहान ई. राहुल श्रीवास्तव ने चयन पत्र प्रदान किया। चयन प्रक्रिया राज्य संघ के पदाधिकारी सेंडाई शिल्पी सोनम, सेंडाई सूरज पंडित, सेंडाई सुनील कुमार और सेंसाई आशिफ अनवर की देखरेख में संपन्न हुई।

बिहार सरकार ने कई बड़े संस्थानों से किया समझौता

सशक्त होगी बिहार की शिक्षा प्रणाली

एजेंसी। पटना

बिहार में स्कूली शिक्षा को और सशक्त बनाने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। बिहार के शिक्षा विभाग ने स्कूली शिक्षा में नवाचार और साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए कई प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया है। दरअसल, बिहार सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा शनिवार को पटना स्थित ललित नारायण मिश्रा प्रबंधन संस्थान में एक विशेष टङ्कव हस्ताक्षर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के विद्यालयों में समावेशी, गुणवत्तापूर्ण और सशक्त शिक्षा प्रणाली को विकसित करने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों के साथ सहयोग स्थापित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेन्दर ने सभी भागीदार संस्थाओं का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग का लक्ष्य केवल विद्यालय में उपस्थिति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि हर बच्चा सशक्त, सक्षम और आत्मनिर्भर बन सके। इन साझेदारियों से छात्रों को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, बल्कि उन्हें जीवन और करियर के लिए तैयार करने में भी सहायता मिलेगी। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। हमारे कुल बजट का 20% से अधिक शिक्षा पर व्यय इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आज किए गए ये समझौते प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक के विभिन्न आयामों को छूते हैं, जिनसे राज्य के लाखों विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। निदेशक प्राथमिक, साहिला ने उपस्थित संस्थाओं और पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज का यह कदम बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक नई शुरूआत है।

सुभाषितम्

किसी भी मनुष्य की इच्छाशक्ति अगर उसके साथ हो तो वह कोई भी काम बड़े आसानी से कर सकता है।- महर्षि वाल्मीकि

गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं ट्रंप

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप अपने अप्रत्याशित और विवादित फैसलों के लिए अब दुनियाभर में जाने जा रहे हैं। वे कभी दोस्ताना हाथ बढ़ाते हैं तो कभी अचानक कठोर नीतियां थोपकर वैश्विक समुदाय को चौंका देते हैं। इस बार उनकी नजर अमेरिका के सबसे लोकप्रिय और संवेदनशील वीजा प्रोग्राम एच-1बी वीजा पर पड़ी है। ट्रंप प्रशासन ने इसकी फीस 10 गुना से भी अधिक बढ़ाकर करीब 1 लाख डॉलर (88 लाख रुपये) कर दी है। यह कदम न केवल अमेरिकी कंपनियों और विदेशी प्रोफेशनल्स, बल्कि विशेष रूप से भारत के लिए गहरी चिंता का विषय है। यह पहली बार नहीं है जबकि ट्रंप ने यूटर्न लेकर सभी को चौंकाया हो, बल्कि इससे पहले भी उन्होंने टैरिफ को लेकर दुनियां का ध्यान खींच लिया था। इससे ट्रंप की कथनी और करनी से लोगों का भरोसा उठता चला जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह ट्रंप न सिर्फ बार-बार बयान बदल रहे हैं, बल्कि नीतियों में भी लगातार फेरबदल कर रंग बदलने जैसा काम कर रहे हैं। जहां तक एच-1बी वीजा से जुड़ा मामला है तो यह उन प्रोफेशनल्स के लिए लाइफलाइन माना जाता है, जो विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं। खासतौर पर भारत के लाखों युवाओं का सपना इसी वीजा के जरिए अमेरिका जाकर अपने करियर को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना रहा है। अभी तक आवेदन पर 1 से 8 लाख रुपये तक का खर्च आता था, लेकिन ट्रंप की नई नीति ने इस ह्यअमेरिकन ड्रीमह्न को आम मध्यमवर्गीय भारतीय परिवार की पहुँच से बाहर कर दिया है। अब कंपनियों को भी विदेशी टैलेंट लाने से पहले कई बार सोचना पड़ेगा। इसमें शक नहीं कि भारत एच-1बी वीजा का सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 71 प्रतिशत एच-1बी वीजा भारतीयों के हिस्से में आते हैं। अब ट्रंप का फैसला परोक्ष रूप से भारत के लाखों तकनीकी पेशेवरों की संभावनाओं को सीमित करेगा। इस तरह ट्रंप द्वारा लिए जाने वाले ये फैसले चौंकाते इसलिए भी हैं क्योंकि वे कभी अमेरिका में टॉप टैलेंट को लाने की बात करते हैं और कभी उन्हीं दरवाजों को बंद कर देते हैं जिनसे यह टैलेंट आता है। एक तरफ तो वे कहते हैं कि हमें बेहतरीन कामगार चाहिए, वहीं दूसरी ओर फीस इतनी बढ़ा देते हैं कि औसत प्रोफेशनल का वहां पहुँचना नामुमकिन हो जाए। वैसे तो इसे चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जाता है, क्योंकि ट्रंप बार-बार यह दोहराते आए हैं कि विदेशी अमेरिकी नौकरियां छीन रहे हैं। यह बयानबाजी स्थानीय कुछ मतदाताओं को भले लुभाए, लेकिन दीर्घकाल में अमेरिका की तकनीकी क्षमता और नवाचार पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। यही नहीं ट्रंप ने हाल ही में ह्यगोल्ड कार्डह्न नामक नया कार्यक्रम भी शुरू किया है, जिसके तहत 10 से 20 लाख डॉलर की भारी-भरकम फीस देकर अमेरिका में स्थायी निवास का विकल्प मिलेगा। जाहिर है, यह नीति केवल अमीर और अत्याधिक संसाधन वाले लोगों के लिए है। जबकि ग्रीन कार्ड जैसे रोजगार-आधारित प्रोग्राम को वे लगभग अप्रासंगिक बता चुके हैं। इससे स्पष्ट हो जाता है कि ट्रंप की नीति आम मेहनती प्रवासियों के बजाय केवल सुपर-रिच वर्ग को आकर्षित करने पर केंद्रित है। भारतीय युवाओं के सामने अब दोहरी चुनौती खड़ी हो गई है। पहला, वीजा फीस का बोझ, और दूसरा, अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्रक्रिया की लंबी प्रतीक्षा अवधि। ऐसे में उन्हें बार-बार महंगी फीस चुकाकर वीजा नवीनीकरण करना पड़ेगा। यह न सिर्फ उनकी जेब पर भारी पड़ेगा, बल्कि उनके करियर की स्थिरता को भी प्रभावित करेगा। कुल मिलाकर ट्रंप की नीतियां गिरगिट की तरह रंग बदलती नजर आती हैं, कभी वे विदेशियों को अवसर देने की बात करते हैं, तो कभी उन्हीं के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं। एक तरफ भारत को करीबी दोस्त कहते हैं तो दूसरी तरफ उसी के लिए मुसीबतें खड़ी करते दिखते हैं। एच-1बी वीजा फीस में अचानक बढ़ोतरी इसी अस्थिर नीति का हिस्सा है। भारत जैसे देशों के लिए यह निश्चित ही बड़ा झटका है, क्योंकि आईटी सेक्टर में करोड़ों नौकरियां परोक्ष रूप से अमेरिका की मांग पर निर्भर करती हैं। हालांकि, यह भी सच है कि वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है।

चिंतन-मनन

पाप कर्म का फल हानिकारक है

कहहिं कबीर यह कलि है खोटी। जो रहे करवा सो निकरै टोटी।। एक छोटा सा पहाड़ी गांव था। ग्राम के सभी लोग शराब व मांस का सेवन करते थे। जो शराब नहीं पीता था, जो मांस नहीं खाता था उसे ग्राम सजा के रूप में ग्राम बाहर कर देते थे। उसी ग्राम का एक आदमी अपने संबंधी के गांव गया। ग्राम में संतजन आए हुए थे। अत? अपने समधी के साथ सत्संग में चला गया। उपदेश का जादू ऐसा कर गया कि वह तत्काल प्रभाव से शराब व मांस सेवन छोड़ दिया। गांव वापस आने पर पूरा परिवार इस दुर्व्यसन को छोड़ दिए। यह तथ्य ग्राम में फैल गई। बैठक हुई और उसे गांव बहिरा की सजा दे दी गई गांव वाले उस परिवार से कटने लगे। नाई, धोबी, नौकर आदि सब ने उसके यहां काम करना बंद कर दिया। कुछ दिन उसे जीवनयापन में अड़चन हुई परंतु धीरे-धीरे सब सामान्य हो गया। गांव के और लोग उनसे प्रभावित होकर शराब मांस छोड़ दिए। साहेब कहते हैं कि, हे अभागा मनुष्य! तुम्हें बुरे कार्य करने के लिए किसने सम्मानित किया है जो रात दिन चोरी, झूठ, नशापान, मांस खाने में आनंद मानते हो और विषयों में सुख का भ्रम पाल रहे हो आज कल में तेरा अंत हो जाएगा। जीवन भर अशुभ कार्य करते हुए इस उत्तम मानव शरीर का दुरुपयोग ही किए हो अत? मृत्यु पश्चात तुम्हारा कहां निवास होगा इसका तुम्हें होश नहीं है। राम न रमसि कौन डंड लागा। राम भजन है शुभ कार्य। शुभ कार्य छोड़कर अशुभ काम में लिप्त रहने तुम्हें किसने दंडित या गांव बहिरा किया है? साहेब कहते हैं, पाप कर्म बहुत बुरी बात है। पाप कर्म का फल हानिकारक है, पाप कर्म काटने के लिए तीर्थ जाते हो। पूजा पाठ करते हो। केश-मुंडन कराते हो। तंत्र-मंत्र तथा पाखंड युक्त कर्म करके मुक्त होना चाहते हो। ये सब तुम्हारा भ्रम है अपने अंदर की पशुत्व को मिटाना छोड़ पशुबलि पर मुक्ति पाने का भ्रम पालते हो। साहेब कहते हैं, जीवन में जिसकी कमाई होगी उसी का फल मिलेगा। मनुष्य जो कुछ जीवन भर करता है उन्हीं सबका संस्कार मन में इकट्ठे होकर भीतर जमा होते हैं।

युद्ध-आतंक के दौर में शांति के लिए भारत की पुकार

- ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस, जिसे प्रतिवर्ष 21 सितंबर को मनाया जाता है, आज के समय की सबसे बड़ी मानवीय आवश्यकता की याद दिलाता है। जब पूरी दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, जलवायु संकट और असमानताओं के दौर से गुजर रही हो, तब शांति का महत्व केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार बन जाता है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने मानव सभ्यता को केवल विनाश ही दिया है। दो विश्वयुद्धों में करोड़ों लोगों की जान गई, असंख्य परिवार उजड़ गए, और सभ्यता के सपनों पर गहरी चोट लगी। आज भी यूक्रेन से लेकर सीरिया, अफगानिस्तान और अफ्रीका तक की धरती पर संघर्ष और आतंकवाद की आग धधक रही है। निर्दोष नागरिक, महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक पीड़ा झेल रहे हैं। शरणार्थियों की भीड़, विस्थापितों के आँसू और टूटे हुए घर-परिवार इस बात का सबूत हैं कि युद्ध और आतंकवाद किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि और बड़ी समस्या पैदा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना ही इसी उद्देश्य से हुई थी कि विश्व में शांति और सहयोग कायम हो। इसी क्रम में 1981 में महासभा ने 21 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस घोषित किया, ताकि पूरी दुनिया को यह याद दिलाया जा सके कि युद्धविराम, संवाद और अहिंसा ही मानव सभ्यता की रक्षा कर सकते हैं। इस दिन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में शांति की घंटी बजाई जाती है, जो यह प्रतीक है कि जब तक धरती पर शांति नहीं होगी, तब तक जीवन सुरक्षित नहीं हो सकता। आज विज्ञान और तकनीक ने मानव को अभूतपूर्व शक्ति और संसाधन दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही भय, हिंसा, तनाव और असुरक्षा भी बढ़ी है। परमाणु हथियारों की दौड़ ने धरती को विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। आर्थिक असमानताएँ और संसाधनों की होड़ युद्धों और संघर्षों को जन्म दे रही हैं। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट नए विवादों एवं संकटों को जन्म दे रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि एक चेतावनी और आह्वान है। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम हिंसा और युद्ध की संस्कृति से ऊपर उठकर शांति, संवाद और सहयोग की संस्कृति को स्थापित कर सकते हैं, क्या हम धर्म, जाति और राजनीति की संकीर्णताओं से निकलकर एक वैश्विक परिवार के रूप में जी सकते हैं, क्या हम शिक्षा, करुणा और अहिंसा को अपने जीवन और समाज का आधार बना सकते हैं। विश्व शांति की दिशा में भारत का योगदान हमेशा से उल्लेखनीय रहा है और वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार ह्यवसुधैव कुटुंबकमह्न और ह्यएक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्यह्न का संदेश देकर मानवता को एक साझा परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी है। संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे वैश्विक मंचों पर मोदी ने संवाद, कूटनीति, अहिंसा और सहअस्तित्व को संघर्ष और युद्ध से बेहतर विकल्प बताया है। भारत के नेतृत्व में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान शांति और सतत विकास के एजेंडे को प्राथमिकता दी गई। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग, योग को विश्व स्तर पर शांति और मानसिक संतुलन का साधन बनाना, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के लिए ह्यअंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधनह्न दुनियाभर विश्व अहिंसा दिवस मनाने जैसे प्रयास भी विश्व शांति को दीर्घकालिक आधार प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह मानना है कि ह्यशांति केवल संघर्षों की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सहयोग की उपस्थिति हैह्न उनके नेतृत्व में भारत विश्व को न केवल आर्थिक और राजनीतिक सहयोग दे रहा है, बल्कि नैतिकता, अहिंसा, योग और सांस्कृतिक रूप से भी शांति की राह दिखा रहा है।

महात्मा गांधी ने कहा था-ह्यशांति का कोई रास्ता नहीं, शांति ही रास्ता हैह्न गांधी का यह विचार आज और भी प्रासंगिक प्रतीत होता है। नेल्सन मंडेला ने भी कहा था-ह्यशांति का निर्माण हथियारों से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और मेल-जोल से होता हैह्न संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस बार-बार यह चेतावनी देते रहे हैं कि ह्यदुनिया को हथियारों की नहीं, बल्कि कूटनीति और संवाद की आवश्यकता है। शांति केवल एक आदर्श नहीं, यह सभी के जीवन और विकास का अधिकार हैह्न महात्मा गांधी ने जिस अहिंसा और सत्याग्रह का मार्ग दिखाया, वह आज भी वैश्विक शांति की सबसे बड़ी आशा है। स्वामी विवेकानंद ने भी विश्व धर्म महासभा में यह संदेश दिया था कि समस्त धर्म मानवता को जोड़ने के लिए हैं, बाँटने के लिए नहीं। आज संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में भारत की भूमिका सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण है, भारतीय सैनिक और अधिकारी अनेक देशों में जाकर शांति स्थापना के मिशनों में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। भारत ने न केवल सिद्धांतों से बल्कि व्यवहार में भी यह दिखाया है कि शांति उसका मूल आदर्श है। इन विचारों और योगदानों की गूंज आज के समय में हमें सचेत करती है। अगर मानवता को बचाना है तो युद्ध, आतंकवाद और हिंसा को छोड़कर केवल शांति को अपनाना होगा। जब व्यक्ति, समाज और राष्ट्र स्तर पर शांति की चेतना जागेगी तभी सभ्यता का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम सहअस्तित्व, करुणा और संवाद की राह पर चलें और पूरी दुनिया को भय और हिंसा से मुक्त कर-के एक शांति और समरसता से भरा वैश्विक परिवार बनाएं।

संघर्ष की अग्रिम पंक्तियों पर तैनात शांति सैनिकों से लेकर समुदाय के सदस्यों और दुनिया भर के कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्रों तक, हर किसी की शांतिपूर्ण विश्व संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका है। हमें हिंसा, नफरत, भेदभाव और असमानता के खिलाफ आवाज उठानी होगी; सह-अस्तित्व का अभ्यास करना होगा; और अपनी दुनिया की विविधता को अपनाना होगा। शांति-स्थापना की कार्रवाई करने के कई तरीके हैं। समझदारी, अहिंसा और निरस्त्रीकरण की तत्काल आवश्यकता के बारे में बातचीत शुरू करें। अपने समुदाय में स्वयंसेवा करें, अपनी आवाज से अलग आवाजों को सुनें, अपने कार्यस्थल पर भेदभावपूर्ण भाषा एवं व्यवहार को चुनौती दें, ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों तरह से अशांति फैलाने वालों की रिपोर्ट करें, और सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले तथ्यों की पुष्टि जरूर करें। आप अपनी पसंद के बारे में भी बता सकते हैं, सामाजिक रूप से जागरूक ब्रांडों से सामान खरीदने का विकल्प चुन सकते हैं, या स्थिरता और मानव अधिकारों को बढ़ावा देने वाले संगठनों को दान दे सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकारों को आगे बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से लड़ने, तथा संघर्ष को रोकने और उसका जवाब देने के लिए वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व करता है। वह शांति निर्माण आयोग के माध्यम से, जो 2025 में अपनी बीसवीं वर्षगांठ मना रहा है, गरीबी, असमानता, भेदभाव और अन्याय- हिंसा के सभी संभावित कारणों को दूर करने के लिए कार्य करता है। अपने 17 सतत विकास लक्ष्यों के माध्यम से , संयुक्त राष्ट्र समृद्धि बढ़ाने, स्वास्थ्य और जीवन स्तर को बेहतर बनाने, और सभी प्रकार के भेदभाव और अन्याय को समाप्त करने के देशों के प्रयासों का समर्थन करता है।

राजनीति में वक्त का महत्व बढ़ जाता है क्योंकि सत्ता जनमत समय की धाराओं पर ही टिका रहता है

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर मानव इतिहास गवाह है कि वक्त कभी किसी का स्थायी साथी नहीं रहा।वक्त हमेशा से मनुष्य की समझ और नियंत्रण से परे रहा है। यह किसी का सगा नहीं होता, यह न रुकता है और न ही किसी के लिए ठहरता है। राजनीति में वक्त का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि सत्ता,नेतृत्व और जनमत समय की धाराओं पर ही टिका रहता है।आज जब हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय राजनीति के हालात देखते हैं, तो साफ प्रतीत होता है कि वक्त ने कई बड़े नेताओं, दलों और विचारधाराओं को शिखर तक पहुँचाया और फिर उसी वक्त ने उन्हें जमीन पर ला दिया। यही कारण है कि वक्त का पहिया हमेशा करवट बदलता रहता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ने अपने जीवन में देखा हूं कि जो साम्राज्य कभी अजेय माने जाते थे, वे धराशायी हो गए। जो नेता कभी अमर समझे जाते थे, वे इतिहास के पन्नों में फीके पड़ गए। राजनीति और सत्ता का हर खेल वक्त की ही मेहरबानी या बेरुखी पर आधारित है। वर्तमान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में यह कहावत और भी सटीक बैठती है कि ह्यवक्त कभी किसी का सगा नहीं होता, यह करवट बदलते ही शिखर को जमीन और जमीन को शिखर बना देता हैह्न साथियों बात अगर हम वक्त कभी किसी का सगा नहीं किस पर अनुभव का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का विश्लेषण करें तो (1)भारतीय राजनीति का दृष्टिकोण -भारतीय राजनीति इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। आजादी के बाद कांग्रेस का वर्चस्व इतना मजबूत था कि उसे ह्यनेचुरल पार्टी ऑफ गवर्नेंसह्न कहा जाने लगा। जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी तक, कांग्रेस ने दशकों तक सत्ता पर एकछत्र शासन किया। परंतु वक्त ने करवट ली और 2014 के बाद कांग्रेस सत्ता से दूर होती चली गई।आज वही भारतीय जनता पार्टी,जो 1980-90 के दशक में सीमित सीटों तक सिमटी थी, राष्ट्रीय राजनीति की धुरी बन चुकी है। नरेंद्र मोदी का नेतृत्व आज भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन यह भी सच है कि वक्त कभी किसी का सगा नहीं होता। जिस तरह कांग्रेस सत्ता से गिर गई,उसी तरह भविष्य में भाजपा को भी यही चुनौती झेलनी पड़ सकती है। (2) अंतरराष्ट्रीय राजनीति-अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का उदाहरण बेहद प्रासंगिक है। 2016 में उन्होंने सबको चौंकाते हुए राष्ट्रपति पद जीता और खुद को अमेरिका का ह्यपरम नेताह्न मान बैठे। लेकिन 2020 में वे हार गए और उन्हें सत्ता छोड़नी पड़ी। यही नहीं,6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर उनके समर्थकों की हिंसा ने उनकी छवि को और धूमिल कर दिया।लेकिन आज 2025 में ट्रंप फिर से वापसी कर रहे हैं। यही वक्त की असली तस्वीर है -यह न तो स्थायी हार देता है और न स्थायी जीत। (3) रूस-यूक्रेन युद्ध भी इस कथन को चरितार्थ करता है। व्लादिमीर पुतिन ने 2022 में युद्ध छेड़ा था, उम्मीद थी कि कुछ ही दिनों में यूक्रेन रूस के सामने घुटने टेक देगा। लेकिन वक्त ने करवट ली और वही युद्ध रूस के लिए दलदल बन गया। रूस की अर्थव्यवस्था को प्रतिबंधों ने कमजोर किया और पुतिन की छवि पर भी गहरा असर पड़ा।(4) मध्य-पूर्व का परिप्रेक्ष्य-इजराइल-फि लिस्तीन संघर्ष भी दिखाता है कि वक्त कभी किसी का नहीं होता। कभी इजराइल को अजेय माना जाता था,लेकिन 2023-24 के गाजा संघर्ष ने उसकी छवि को धक्का पहुँचाया। वहीं फि लिस्तीनी मुद्दा जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दब चुका था,आज फिर से प्रमुख हो गया।

साथियों बात कर हम वक्त का पहिया हमेशा एक जैसा नहीं रहता राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेताओं से विश्लेषण अनुभव के आधार पर करें तो(1)भारत के नेताओं का उत्थान-पतन-भारत में लाल बहादुर शास्त्री का अचानक प्रधानमंत्री बनना और ह्यजय जवान जय किसानह्न के नारे से अमर हो जाना दर्शाता है कि वक्त का पहिया कब किसे उठाए, कहा नहीं जा सकता। वहीं इंदिरा गांधी का ह्यआयरन लेडीह्न बनना और फिर आपातकाल में गिरती लोकप्रियता दिखाती है कि सत्ता का समय सदा समान नहीं रहता।नरेंद्र मोदी का वर्तमान वक्त सुनहरा है। वे न केवल भारत बल्कि दुनियाँ के सबसे लोकप्रिय नेताओं में शुमार हैं।अभी उनका हाल ही में 17 सितंबर 2025 को 75वें जन्मदिवस पर दुनिया भर से शुभकामनाएं आईं. आम जनता से लेकर अंतरराष्ट्रीय नेताओं और आध्यात्मिक गुरुओं तक, सभी ने प्रधानमंत्री को दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की है।लेकिन राजनीति में यह स्थायी नहीं। विपक्ष का उभार, जनमत का बदलाव और वैश्विकपरिस्थितियाँ भविष्य में उनकी चुनौती बन सकती हैं।(2)अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उदाहरण-बराक ओबामा का दौर ह्ययेस वी कैनह्न और उम्मीद का प्रतीक था। परंतु उसी अमेरिका ने 2016 में ट्रंप को चुना, जिन्होंने बिल्कुल उलटी नीतियाँ अपनाईं। यह वक्त के पहिए का सटीक उदाहरण है।ब्रिटेन में बोरिस जॉनसन कभी ब्रेक्ज़िट के नायक माने गए, लेकिन कोविड-19 कीअव्यवस्था और पार्टीगेट स्कैंडल ने उनका राजनीतिक करियर खत्म कर दिया।जर्मनी में एंजेला मर्केल का 16 साल का लंबा शासन खत्म हुआ और एक नए युग की शुरूआत हुई। यह दर्शाता है कि सत्ता कितनी भी मजबूत क्यों न लगे, वक्त का पहिया उसे बदल ही देता है।

मृत्युतिथि-पुण्यतिथि तथा पितृपक्ष में श्राद्ध अवश्य करें

- डॉ.नरेन्द्रकुमार मेहता

आज बदलते समय में जीवन भागमभाग का हो गया है। विशेष रूप से नई पीढ़ी श्राद्ध को ढकोसला समझकर उसे करना व्यर्थ समझते हैं। प्रायः जो लोग श्राद्ध करते हैं वे यथाविधि-विधान, श्रद्धा व भक्ति के साथ अपने परिवार के मृत सदस्यों का श्राद्ध अपना पितृऋण-पितृ कर्तव्य समझ कर करते हैं। एक बड़ी संख्या उन लोगों की भी है जो सिर्फ रस्म-रिवाज और खाना पूर्ति एवं समाज के भय-प्रतिष्ठा के कारण श्राद्ध कर अपना भार उतारते हैं। अतः श्रद्धा-भक्ति-प्रेम-पारिवारिक कर्तव्य नई पीढ़ी को देना चाहते हैं तो उन्हें श्राद्धकर्म को पूर्ण आस्था, भक्ति एवं शास्त्रोक्त विधि से करना चाहिये। ऐसे किये गये श्राद्ध से परिवार में सुख, शांति, कल्याण प्राप्ति के साथ-साथ नई पीढ़ी को यह कार्य संस्कार के रूप में प्राप्त होता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को बड़े ही प्रेम, श्रद्धापूर्वक, शास्त्रोक्त विधि से श्राद्धों को करना चाहिये। इस व्यस्ततापूर्ण जीवन में यदि शास्त्र सम्मत श्राद्धों को न कर सकें तो उन्हें कम-से-कम क्षयाह-वार्षिक मृत्यु तिथि पर अथवा आश्विन मास के पितृपक्ष में तो अवश्य ही अपने स्वर्गवासी पितृगण का श्राद्ध करना चाहिये। पितृपक्ष में पितरों का विशेष सम्बन्ध होता है। इस दिन धूप देने तथा तर्पण करने का विधान है। भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से पितरों का दिन प्रारम्भ हो जाता है, जो अमावस्या तक रहता है। मनुस्मृति में वर्णन है कि-मनुष्यों के एक मास के बराबर पितरों का एक अहोरात्र (दिन-रात) होता है। मास में दो पक्ष होते हैं। मनुष्यों का कृष्णपक्ष पितरों के कर्म का दिन और शुक्ल पक्ष पितरों के सोने के लिए रात होती है- **पित्र्ये रात्र्यहनी मासः प्रविभागस्तुः पक्षयोः। कर्मचेष्टास्वहः कृष्ण शुक्लः स्वप्नाय शर्वरी।।** एक मात्र यही कारण है कि अश्विन मास के कृष्णपक्ष-पितृपक्ष में पितृश्राद्ध करने का विधान है। ऐसा करने से पितरों को प्रतिदिन भोजन मिल जाता है। कर्म करने वाले में पूर्ण श्रद्धा होने पर ही श्राद्ध पूर्ण माना गया है। इसलिये श्राद्ध को संक्षिप्त में इस प्रकार बताया जा सकता है-ह्यह्यअपने स्वर्गवासी पितृगणों के हितार्थ श्रद्धापूर्वक किये जाने वाला कर्म ही श्राद्ध है। हमारी प्राचीन संस्कृति में धार्मिक ग्रंथों में पितृयज्ञ भी बताया गया है।

प्रश्न यह है कि परिवार के माता-पिता, भाई आदि स्वर्गवासी हो गये अब श्राद्ध का क्या औचित्य है? इसका बड़ा ही सरल उ×र है। श्राद्ध से पितृगण के अतिरिक्त दिव्य पितृगण, विश्वदेवा, अग्निवात, अर्यम्मा आदि पितृ भी प्रसन्न होते हैं, जो कि देवतुल्य है। राष्ट्र में समय-समय पर राष्ट्र हेतु बलिदान एवं देश सेवा करने वाले महापुरूषों की पुण्यतिथि पूरे राष्ट्र में बड़े जोश से मनाई जाती है, जैसे गांधी पुण्यतिथि, लोकमान्य तिलक पुण्यतिथि एवं पं. जवाहरलाल नेहरू पुण्यतिथि आदि। हम इन महापुरूषों की पुण्यतिथि मनाकर उनके राष्ट्रप्रेम, बलिदान, त्याग आदि का सम्मान करते हैं। यदि हम अपने ही घर परिवार में अपने माता-पिता, जिन्होंने हमारा लालन-पालन, पोषण किया उनका वर्ष में दो बार (मृत्यु दिवस एवं श्राद्ध तिथि) पर श्राद्धरूपी सम्मान नहीं करते हैं तो पितृ ऋण से हम मुक्त नहीं होंगे तथा हम हमारी नई पीढ़ी को भी गलत सन्देश दे रहें हैं। इससे वे हमारे जाने के बाद हमारा भी श्राद्ध क्या करेंगे? हमारे परिवार के वयोवृद्ध हमसे आशा करते हैं कि उनकी रुग्णावस्था में हम उनकी सेवा करें तथा मृत्यु पश्चात शास्त्रसम्मत औध्र्वदैहिक कर्म पूरी निष्ठा से करें।

आज का राशिफल

मेष नई जगह पर निवेश करने का विचार बना रहे हैं, तो सोच-समझकर फैसला लेना लाभकारी सिद्ध होगा।

तुला अगर आप कुछ धन निवेश करते हैं, तो इससे स्थितियां बेहतर हो सकती हैं।

वृषभ दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

वृश्चिक आपके द्वारा पहले लिए गए निर्णय अब लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं।

मिथुन लंबे समय से किसी समस्या का सामना कर रहे थे तो अब आपको समाधान मिल सकता है।

धनु मांगलिक कार्य आयोजित होने के चलते कार्यक्षेत्र में अपने कामकाज पर कम ध्यान दे पाएंगे।

कर्क परिस्थितियां बदलती हुई नजर आ सकती हैं। ऐसे में आपके लिए लाभ की स्थितियां बन सकती हैं।

मकर लंबे समय से समस्या का सामना कर रहे थे, तो उससे छुटकारा मिल सकता है।

सिंह आपका दिन मेहनत भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में कुछ देरी हो सकती है।

कुंभ विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा वे आपके कार्यों में बाधा डाल सकते हैं।

कन्या समय की कमी है तो आप अपने अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने के बारे में विचार कर सकते हैं।

मीन स्वास्थ्य में गिरावट देखने को मिल सकती है, जिसके चलते कामकाज में भी कम रुचि रहेगी।

विशेष

पवित्र धर्मस्थली मे मेगा रिसोर्ट

मिश्र का सीनाई पर्वत जहां उगते सूरज को देखने के लिए लाखों पर्यटक हर साल जुटते हैं। यह सबसे पवित्र स्थल है। ईसाई यहूदी और इस्लाम धर्म के लोगों की विशेष आस्था है। तीनों धर्म के मानने वाले यहां पर पहुंचते हैं। स्थानीय लोग इसे मूसा के नाम से जानते हैं। मूसा में इन तीनों धर्म का जन्म हुआ है। यह वही जगह है जहां से बाइबल और कुरान के अनुसार जलती हुई झाड़ी से पैगंबर ने बात की थी। ईसाइयों का मठ भी यहीं स्थित है। यूनेस्को की वैश्विक धरोहर में शामिल है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस स्थल को आलीशान होटल विला और शॉपिंग मॉल के रूप में विकसित करने जा रहे हैं। जहां मौज मस्ती के सारे साधन होंगे। इसको लेकर सारी दुनिया में तीनों धर्म के लोगों में प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। अब खुदा-गॉड या मनुष्य में से कौन पावरफुल होगा। इसका पता तो कुछ समय के बाद ही लगेगा।

सूर्पनखा का जलेगा पुतला

मध्य प्रदेश के इंदौर में पुरुषों की एक संस्था ने सूर्पनखा का पुतला जलाने का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। रावण के स्थान पर सूर्पनखा के 11 सिरों वाला पुतला जलाया जाएगा। पिछले कुछ महीनो में 11 महिलाओं द्वारा अपने पति की हत्या की गई है। उसके विरोध में 11 हत्यारी पत्नियों के चेहरे लगाकर पुतला जलाया जाएगा। सामाजिक बुराई मानकर जिस तरह से रावण की पुतले का दहन किया जाता है। उसी तरह अब शूर्पणखा के पुतले का दहन किया जाएगा।

कार्टून कोना

जैश कमांडर ने कहा–पाक आर्मी चीफ ने ही ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों के जनाजे में सैनिकों को भेजा था

आज का इतिहास

1529: तुर्की के सुलेमान प्रथम ने विएना की नाकेबंदी की. 1790: जनरल मीडोज के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों ने पालघाट पर कब्जा किया. 1802: फ्रांस के नेपोलियन बोनापार्ट पाइमों पर अधिकार कर लिया. 1857: दिल्ली के शासक बहादुरशाह द्वितीय ने अंग्रेजों के आगे समर्पण किया. 1866: अंग्रेजी भाषा के लेखक एच. जी. वेल्स का जन्म. 1933: श्रीमती एनी बेसेन्ट का निधन. 1949: पश्चिम जर्मनी अस्तित्व में आया. 1949: चीन जनवादी गणराज्य बना. 1964:: माल्टा स्वतंत्र हुआ. 1966: मिहिर सेन ने बास्पोरस चैनल तैर कर पार किया. 1970: फलीस्तीनी छापामारों ने जार्डन के दूसरे सबसे बड़े शहर इर्बिड पर कब्जा कर लिया. 1985: मैक्सिकों के चार राज्यों में भूकंप से दो हजार से अधिक लोग मारे गए. 1988: बर्मा में जनरल मांग प्रधानमंत्री बने.

दैनिक पंचांग

21 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

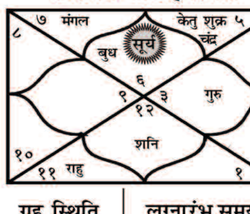

ग्रह स्थिति	
सूर्य	कन्या में
चंद्र	सिंह में
मंगल	तुला में
बुध	कन्या में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	सिंह में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	05.30 बजे से
तुला	07.45 बजे से
वृश्चिक	10.00 ब.से
धनु	12.16 बजे से
मकर	14.21 बजे से
कुंभ	16.07 बजे से
मीन	17.40 बजे से
मेष	19.11 बजे से
वृष	20.51 बजे से
मिथुन	22.49 बजे से
कर्क	01.02 बजे से
सिंह	03.19 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 264 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 01.24 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 09.32 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 19.53 बजे को समाप्त। **करण** चतुष्पद 12.47 बजे तदनन्तर नाग 01.24 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 00° 41' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872474 **जूलियन दिन** 2460939.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 28 **विशेष** आश्विन अमावस्या, सर्व पितृ अमावस्या, सूर्य ग्रहण।

दिन का चौघड़िया				
उद्वेग	05.56	से	07.23	बजे तक
चर	07.23	से	08.51	बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18	बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.14	बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41	बजे तक
रोग	02.41	से	04.09	बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36	बजे तक

रात का चौघड़िया				
शुभ	05.36	से	07.09	बजे तक
अमृत	07.09	से	08.41	बजे तक
चर	08.41	से	10.14	बजे तक
रोग	10.14	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.19	बजे तक
लाभ	01.19	से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.51	से	04.24	बजे तक
शुभ	04.24	से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

वारंगक्षिति की खोज कर लाको बोदरा ने समाज को नयी दिशा दी

खरसावां, एजेंसी। खरसावां स्थित आदिवासी हो समाज महासभा भवन में लाको बोदरा की जयंती पर शुक्रवार को विधायक दशरथ गागराई ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। विधायक ने ओत गुरु कोल लाको बोदरा को महान विभूति बताते हुए कहा कि वे सदैव समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। कहा कि लाको बोदरा ने हो भाषा की वारंगक्षिति लिपि का अनुसंधान कर समाज को नयी दिशा देने और शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का कार्य किया। विधायक ने लोगों से ओत गुरु के संघर्षमय जीवन से प्रेरणा लेकर भाषा, लिपि, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए कार्य करने की अपील की। साथ ही, उन्होंने वारंगक्षिति लिपि को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की। हो समाज महासभा ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ, जिसमें पारंपरिक आदिवासी नृत्य और गीतों ने सबका मन मोहा। इस अवसर पर समाज में बेहतर कार्य करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने ओत गुरु कोल लाको बोदरा की प्रेरणादायक जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। मौके पर मुख्य रूप से समाजसेवी बासंती गागराई, प्रमुख मनेंद्र जामुदा, खरसावां बीडीओ प्रधान माझी, कुचाई बीडीओ साधु चरण देवगम, जिप सदस्य काली चरण बानरा, पिपुल्स वेलफेयर सोसाइटी के सचिव डॉ विजय सिंह गागराई, मनोज सोय, अजय समड, अर्जुन गोप, रानी हेंब्रम, रामलाल हेंब्रम, मंगल सिंह जामुदा उपस्थित रहे।

रांची में डीजे की तेज आवाज से बच्ची की मौत, पिता ने पुलिस को दी शिकायत

चान्हो (रांची), एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद भी डीजे पर पूरी तरह प्रतिबंध नहीं लग पा रही है। बीच- बीच में पुलिस डीजे को जब्त करने की कार्रवाई करती रहती है, लेकिन फिर भी डीजे संचालकों में कानून का कोई खौफ नहीं है। इस बीच डीजे ध्वनि प्रदूषण के साथ ही लोगों की मौत की वजह भी बनने लगा है। कुछ लोगों की तेज आवाज के कारण हार्ट अटैक से मौत हो जा रही है। हाल के दिनों में अलग-अलग स्थानों में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। रांची के चान्हो स्थित पाटुक बाजोटोली में शुक्रवार को डीजे की तेज आवाज के कारण दो माह की बच्ची सोनाक्षी कुमारी की मौत का मामला सामने आया है। बच्ची के पिता बंधन लोहरा ने इसे लेकर चान्हो थाना में शिकायत दर्ज कराई है। बंधन लोहरा के अनुसार, विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर बुधवार 17 सितंबर से ही उनके घर के निकट तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था, जिससे घर के बड़े और बच्चे परेशान थे। दो माह की बच्ची सोनाक्षी भी काफी रो रही थी। उन्होंने गुरुवार रात पूजा आयोजकों से डीजे की आवाज कम करने का अनुरोध किया, लेकिन उनकी बात को अनसुना कर दिया गया। शुक्रवार सुबह करीब सवा पांच बजे उनकी बच्ची सोनाक्षी कुमारी की मौत हो गई। माना जा रहा है कि हृदयाघात से उसकी मौत हो गई। इस घटना को लेकर लोगों में आक्रोश है। वहीं, भुक्तभोगी परिवार शोक में डूबा है। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त प्रकट करते हुए डीजे की आवाज को प्रभावी तरीके से नियंत्रित करने के लिए कड़ाई करने की मांग की है।

कस्तूरबा आवासीय विद्यालय परिसर में वज्रपात, स्वास्थ्य मंत्री ने घायल छात्राओं का लिया हालचाल

जामताड़ा , एजेंसी। जिला में नारायणपुर प्रखंड स्थित कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में शुक्रवार को बहुत बड़ा हादसा होने से टल गया। स्कूल परिसर में वज्रपात की घटना में दो दर्जनों छात्राएं मूर्छित हो गईं। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल जाकर उनका हालचाल लिया। जामताड़ा में नारायणपुर प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय परिसर में शुक्रवार को उस समय अफरातफरी मच गयी। जब विद्यालय परिसर में लगे ट्रांसफर में अचानक जोरदार वज्रपात हुआ। जिससे विद्यालय परिसर में रह रही दो दर्जन छात्राएं मूर्छित हो गईं। जिस समय घटना घटी सभी विद्यालय की छात्रा अपने-अपने कमरे में थीं और हल्की बारिश हो रही थी। इस दौरान विद्यालय परिसर में लगे ट्रांसफार्मर में अचानक वज्रपात हुआ और भयानक आवाज हुई। आवाज इतनी जोरदार थी कि उसकी चमक और आवाज के कारण विद्यालय परिसर के अपने कमरे में रह रही बच्चियों मूर्छित हो गई। करीब 23 बच्चे मूर्छित की संख्या बताई गई है। स्थानीय लोगों के सहयोग से नारायणपुर अस्पताल सभी बच्चियों को लाया गया जहां उनका इलाज हुआ। छात्राओं की स्थिर हालत को देखते हुए देर रात इलाज के बाद उन सभी सुरक्षित हॉस्टल भेज दिया गया है। इस घटना की सूचना पाकर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी दोपहर को अस्पताल पहुंचे और बच्चियों का हाल-चाल लिया। उन्होंने समुचित इलाज करने का निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिया। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बताया कि बहुत बड़ी घटना हो सकती थी लेकिन ऐन समय पर ये टल गया और आपदा बोलकर नहीं आता है। उन्होंने स्थानीय लोगों को और डॉक्टर को धन्यवाद दिया कि तुरंत बच्चियों को अस्पताल लाकर उनका सुरक्षित इलाज कराया।

सरायकेला में कुड़मी समाज का रेल रोको आंदोलन कई ट्रेनें बाधित, यात्रियों की मुश्किलें बढ़ीं

सरायकेला, एजेंसी। झारखंड में कुड़मी जाति को आदिवासी (अनुसूचित जनजाति-एसटी) का दर्जा देने की मांग को लेकर शनिवार को कई जिलों में आंदोलन उग्र रूप में सामने आया। सरायकेला जिले में रेल रोको आंदोलन का व्यापक असर देखा गया। सीनी रेलवे स्टेशन पर हजारों पुरुष और महिलाएं रेल पटरियों पर बैठ गए, जिससे ट्रेन परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। रेलवे की दोनों रूटों पर ट्रेनें प्रभावित रहीं। दर्जनों ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर खड़ी कर दी गईं, कई ट्रेनें घंटों की देरी से चलीं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्टेशन परिसर में बच्चे, बुजुर्ग और अन्य यात्री बुरी तरह फंसे रहे।

कुड़मी समाज के नेताओं ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, लेकिन आज तक उन्हें उनके अधिकार नहीं मिले। नेताओं प्रकाश महतो, सुनील महतो और आशुतोष महतो ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम का हिस्सा है और केंद्र सरकार कुड़मी जाति को एसटी का दर्जा देने तक यह आंदोलन अनिश्चितकालीन जारी रहेगा।

महिला प्रदर्शनकारियों ने भी आंदोलन की अगुवाई की। पार्वती देवी, अनीता देवी और मल्टी देवी ने कहा कि झारखंड पर पहला हक

कुड़मी महतो समाज का है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जल, जंगल और जमीन पर उनका अधिकार है और असली आदिवासी कुड़मी महतो ही हैं। रेल रोको आंदोलन के मद्देनजर जिला प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की है। सीनी स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस और आरएएफ के जवान तैनात किए गए हैं। अधिकारी लगातार मौके पर कैंप कर रहे हैं ताकि आंदोलनकारियों और यात्रियों के बीच किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न बने। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, आंदोलन के कारण कई प्रमुख ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। कुछ ट्रेनों का मार्ग बदल दिया गया, जबकि कई को बीच रास्ते में ही रोकना पड़ा। लंबी दूरी की गाड़ियों में फंसे यात्रियों को भोजन और पानी की भी परेशानी झेलनी पड़ी।

राज्य के कई शहरों में आंदोलन : आदिवासी कुड़मी समाज मंच के आह्वान पर आंदोलनकारी लगातार रेलवे ट्रैकों की तरफ बढ़ रहे हैं। कहीं-कहीं पर तो सुबह 4:00 बजे से ही स्टेशनों पर कब्जा कर लिया गया है। बोकारो, रांची, गिरिडीह के छोटे स्टेशनों पर भारी संख्या में आंदोलनकारियों के द्वारा रेल ट्रैक पर कब्जा कर लिया गया है। कई स्टेशन पर तो भीड़ बीच ट्रैक पर जाकर बैठ गई है। हालांकि तमाम कुर्मी बहुल इलाकों में देर रात तक पुलिस आंदोलनकारियों को नजदीकी रेलवे स्टेशनों पर जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग करती रही। लेकिन इसका कोई खास असर देखने को नहीं मिला है।

आंदोलन की वजह से कई ट्रेनें रद्द : धनबाद मंडल अंतर्गत आदिवासी कुड़मी समाज के रेल रोको आंदोलन की वजह से ट्रेन संख्या 13504 हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस रद्द कर दी गई। इसके अलावा ट्रेन संख्या 18036 हटिया-खड़गपुर मेमू, बरवाडीह-गोमो पैसेंजर ट्रेन और बीडीएम 53357 पैसेंजर ट्रेन कैंसिल कर दिया गया है। 63557 बरकाकाना टू वाराणसी पैसेंजर ट्रेन कोले रेलवे स्टेशन पर सुबह 7 बजे से खड़ी है।

बोकारो में भी दिखा रेल रोको आंदोलन का असर : बोकारो में भी रेल रोको आंदोलन का असर देखने को मिल रहा है। चंद्रपुरा रेलवे स्टेशन पर सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी रेलवे ट्रैक पर बैठ गए हैं। चंद्रपुरा रेलवे स्टेशन पर सैकड़ों प्रदर्शनकारी रेल पटरियों पर बैठ गए हैं। आरपीएफ ने प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश की, लेकिन उन पर कोई असर नहीं हुआ। आंदोलनकारी का कहना है कि इस बार मामला आर या पार है। सरकार को झुकना ही होगा और हमारी मांगों को पूरी करनी होगी। उनका कहना है कि हमने पहले भी आंदोलन कर सरकार के सामने अपनी मांग रखी थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसलिए हमने फिर से फैसला किया है कि जब तक सरकार हमारी मांगें नहीं मान लेती, हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

आइआइटी आइएसएम क्रिटिकल मिनरल्स में देश का अग्रणी उत्कृष्टता केंद्र

धनबाद, एजेंसी। हैदराबाद में आयोजित 'क्रिटिकल मिनरल मिशन' सेमिनार में देशभर के सात उत्कृष्टता केंद्रों (सीओइ) के निदेशक और सीइओ शामिल हुए। इनमें आइआइटी आइएसएम की ओर से निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा और उपनिदेशक प्रो धीरज कुमार ने संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। मुख्य अतिथि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी थे। उन्होंने सेमिनार में खनिज क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, निवेश आकर्षण और तकनीकी उन्नति की आवश्यकता पर जोर दिया। आइआइटी आइएसएम को अगस्त 2025 में राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) के अंतर्गत उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता मिली थी। इसके साथ ही, देश के चार आइआइटी आइएसएम धनबाद, बॉम्बे, हैदराबाद, रुड़की तथा तीन प्रमुख अनुसंधान संस्थान (सीएसआइआर-आइएमएमटी भुवनेश्वर, सीएसआइआर-एनएमएल जमशेदपुर और एनएफटीडीसी हैदराबाद) को यह दर्जा प्रदान किया गया। इस मान्यता के बाद आइआइटी आइएसएम न केवल खनिजों में अनुसंधान और तकनीकी नवाचार का केंद्र बना है, बल्कि यह रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे रणनीतिक क्षेत्रों की आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूत करेगा। सेमिनार में चार तकनीकी सत्र हुए। इसमें खनिजों के प्रसंस्करण और शोधन के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने पर जोर दिया गया।

दुमका में रात के सन्नाटे में डबल मर्डर, नानी-नातिन की धारदार हथियार से हत्या

दुमका, एजेंसी। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के बिनागढ़िया स्थित आमचुआं गांव में शुक्रवार की रात अज्ञात अपराधियों ने 72 साल की सोना बास्की और 19 साल की सोना मुर्मू की चेहरे पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी।

रात में ही सूचना मिलते ही शिकारीपाड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची है और शव कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की। हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है बताया जाता है कि सोना बास्की अपने दामाद राजू सोरेन के साथ रहती थी।

शुक्रवार की शाम राजू सोरेन के माता-पिता किसी काम से अपने रिश्तेदार के घर काठीकुंड गए हुए थे, जबकि राजू गांव में चल रहा फुटबॉल मैच देखने के लिए चला गया। देर रात को जब राजू वापस आए तो घर के अंदर नानी और पत्नी मृत्यु पड़ी हुई थी, जबकि पास में सो रही 6 माह की बेटी पूरी तरह से सुरक्षित थी,उसे खरोच तक नहीं आई थी।

राजू ने रात में ही शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी को इसकी सूचना दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। राजू सोरेन से पूछताछ के बाद भी हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।

पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खैरवार ने बताया कि नानी और नातिन की हत्या हुई है। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस की एक टीम हत्या का कारण जानने और आगे की कार्रवाई करने के लिए घटनास्थल पर मौजूद है।

धनबाद में कोयला कारोबारी के बंद घर में चोरी

90 हजार रुपए नकद और लगभग 40 लाख रुपए के जेवर गायब, रांची गया था परिवार

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के बरोरा थाना क्षेत्र के हरिणा कॉलोनी में अपराधियों ने कोयला कारोबारी राजेंद्र सिंह उर्फ जिंदा के बंद आवास को निशाना बनाया। चोरों ने घर का ताला तोड़कर करीब 90 हजार रुपए नकद और लगभग 40 लाख रुपए के आभूषण चुरा लिए।

घटना उस समय हुई जब राजेंद्र सिंह पत्नी का इलाज कराने परिजनों के साथ रांची गए थे। देर शाम को घर लौटने पर उन्हें चोरी की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने तुरंत बरोरा थाना पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही थानेदार साधन कुमार मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की।

कारोबारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि जब वह परिवार के साथ लौटे तो मेन गेट का ताला टूटा मिला। घर में प्रवेश करते ही चारों ओर सामान बिखरा पड़ा था। अपराधियों ने घर के चार कमरों में रखे सभी आलमारी और लॉकर तोड़ डाले थे। जांच करने पर पता चला कि नगदी और सोने-चांदी के गहने गायब हैं। वहीं, छानबीन के दौरान चोरों द्वारा छोड़ी गई चांदी की कटोरी, चम्मच और छोटी प्लेट घर की चारदीवारी के अंदर मिली। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि अपराधी जल्दबाजी में कुछ सामान छोड़कर भागे।

कारोबारी के पुत्र रमित सिंह ने बताया कि घर का ताला टूटने की सूचना उन्हें पड़ोसियों से मिली। जब वे घर पहुंचे तो देखा कि नकदी और आभूषण गायब हैं। उन्होंने कहा कि चोरी गए गहनों का सही आकलन घर की महिलाओं के लौटने पर ही हो पाएगा। फिलहाल अनुमान है कि करीब 40 लाख रुपए के गहने चोरी हुए हैं। चोरी की यह वारदात इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सूचना पाकर बरोरा थाना प्रभारी साधन कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूरे घर का निरीक्षण किया और फिंगरप्रिंट सहित अन्य साक्ष्य जुटाए। पुलिस का कहना है कि चोरी के तरीके से लगता है कि इसमें संगठित गिरोह शामिल है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही सुराग मिलने का दावा किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

मधुपुर में नकली लॉटरी गिरोह का किया भंडाफोड़, चिकन व्यवसायी के गोदाम से मिला प्रिंटर-कटर मशीन

देवघर, एजेंसी। मधुपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शुनकली लॉटरी के बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया। पथरोल और मधुपुर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बहादुरपुर और फतेहपुर गांव में छापेमारी की। इस दौरान एबी चिकन व्यवसाय के मालिक आफताब के गोदाम से भारी मात्रा में नकली लॉटरी टिकट बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से प्रिंटर, कटर मशीन और पंचिंग मशीन समेत लॉटरी छापने में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण भी जब्त किए। यह कार्रवाई मधुपुर थाना प्रभारी नईम अंसारी और पथरोल थाना प्रभारी दिलीप बिलूंग के नेतृत्व में की गई।

पुलिस के अनुसार पकड़ा गया गिरोह लंबे समय से नकली लॉटरी का कारोबार कर रहा था। इसकी खपत बिहार, बंगाल और झारखंड के कई जिलों में होती थी। गिरोह के सदस्य यहां नकली टिकट सप्लाई कर करोड़ों रुपए

का मुनाफा कमा रहे थे। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से अवैध कारोबार चला रहे थे। पुलिस अब मकान मालिक और गोदाम उपलब्ध कराने वालों की भूमिका की भी जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में कई और लोगों की संलिप्तता सामने आ सकती है।

यह कोई पहली कार्रवाई नहीं है। इससे पहले 10 जुलाई को मधुपुर पुलिस ने पनाहकोला स्थित एक निजी आवास में छापेमारी कर नकली लॉटरी छापने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया था। उस समय तिलैयाताड़ निवासी मोहम्मद नसीम को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। लगातार हो रही इन कार्रवाईयों से यह साफ है कि मधुपुर और आसपास के क्षेत्रों में नकली लॉटरी का कारोबार गहराई तक फैला हुआ है। पुलिस मान रही है कि यह गिरोह संगठित तरीके से काम कर रहा था और अलग-अलग जगहों से नेटवर्क संचालित कर रहा था।

मधुपुर में अवैध लॉटरी का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। इससे खासकर युवा वर्ग प्रभावित हो रहा है। आसान पैसे के लालच में कई युवा इसमें फंस जाते हैं और पारिवारिक व आर्थिक संकट झेलते हैं। वहीं नकली लॉटरी छापने वाले गिरोह करोड़ों की संपत्ति अर्जित कर रहे हैं। पुलिस ने कहा है कि ऐसे गिरोहों के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध लॉटरी ने सामाजिक ताने-बाने को भी प्रभावित किया है। अब पुलिस की इस कार्रवाई से लोगों को राहत मिली है।

सांसद दीपक प्रकाश को मिली हाईकोर्ट से राहत, केस निरस्त

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को भाजपा नेता सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस ए. के. चौधरी की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए दीपक प्रकाश के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त कर दिया है। सांसद ने दुमका सदर थाना में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग को लेकर याचिका दाखिल की थी। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा ने अदालत को बताया कि इस मामले में दीपक प्रकाश के खिलाफ जो मामला दर्ज कराया गया है, वह उचित नहीं है। क्योंकि, लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने और बयान देने का अधिकार है।

प्रार्थी ने मर्यादित और लोकतांत्रिक ढांचे में रहते हुए बयान दिया था। लेकिन, सरकार ने

राजनीतिक द्वेष की भावना से उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसलिए इसे निरस्त किया जाना चाहिए। बता दें कि वर्ष 2020 में दुमका व बेरमो उपचुनाव में दीपक प्रकाश के बयान को लेकर दुमका के कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्याम किशोर सिंह ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

नेवी की महिला एडीसी व साइक्लिंग चैंपियन कमांडर गौरी: रांची में साइक्लोथॉन का करेंगी नेतृत्व

रांची, एजेंसी। जब किसी महिला का हौसला समंदर जितना गहरा व पर्वत जितना ऊंचा हो, तो इतिहास बनता है। कमांडर (सेवानिवृत्त) गौरी मिश्रा वही नाम है, जिन्होंने एक साथ दो पहचान गढ़ीं- भारतीय नौसेना की गौरवशाली अधिकारी व भारत की पहली महिला ट्रैक (मास्टर्स) साइक्लिस्ट। (2 स्वर्ण व 1 रजत)। कानपुर से चयनित होने वाली पहली महिला अधिकारी के रूप में भारतीय नौसेना में शामिल हुईं।

नेतृत्व क्षमता से वे भारत के नौसेना प्रमुख की पहली महिला एडीसी बनीं। वर्ष 2008 में गणतंत्र दिवस परेड में उन्होंने भारतीय नौसेना के कॉन्टिंजेंट का नेतृत्व किया व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को सलामी दी। यह पल इतिहास में दर्ज हो गया- जब पहली महिला राष्ट्रपति को पहली बार किसी लेडी ऑफिसर ने परेड का नेतृत्व करते हुए सलामी दी थी। सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत 21 सितंबर को मोरहाबादी से ओटीसी ग्राउंड तक साइक्लोथॉन का आयोजन होगा, जिसका नेतृत्व कमांडर डॉ. गौरी मिश्रा करेंगी।

उनकी उपलब्धियों को और भी खास बनाता है- श्री

जेनरेशन ऑफ साइक्लिस्ट्स। उनकी मां भी नेशनल लेवल की साइक्लिस्ट रहीं है और आज उनका बेटा रायन दुनिया का सबसे छोटा रिकॉर्डधारी साइक्लिस्ट है। मां-बेटे की यह जोड़ी अब तक करीब 15,000 किलोमीटर साइक्लिंग कर चुकी है और देशभर में 'साइकिल चलाओ, पर्यावरण बचाओ' का संदेश पहुंचा रही है। गौरी कहती हैं कि फिटनेस का मतलब साइज जीरो नहीं है, असली फिटनेस है स्वस्थ और ऊर्जावान बने रहना। साइक्लिंग इसका सबसे सरल और एनवायर्नमेंट फ्रेंडली तरीका है। रविवार को रक्षा राज्य मंत्री के नेतृत्व में होने वाले साइक्लोथॉन में साइक्लिंग करूंगी। रांची के सभी लोगों से कहना चाहूंगी कि इसमें सम्मिलित हो और फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता का संदेश दें।

कमांडर गौरी की शादी रांची के सेवारत नौसेना अधिकारी कमांडर अनिमेष कुमार से हुई है।ससूर अनिल सिन्हा सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी व मां नीलिमा बिजनेस वुमन हैं। नौसेना से सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने भारत की पहली महिला ट्रैक साइक्लिस्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई। 2023 में मैनचेस्टर (यूके) में आयोजित यूसीआई वर्ल्ड मास्टर्स ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप में पहली बार किसी महिला ने भारत का प्रतिनिधित्व किया व 2025 में वर्ल्ड मास्टर्स गेम्स ताइवान में 2 गोल्ड व 1 रजत पदक जीत तिरंगा लहराया।

ओवरलोड से टूट रही सड़कें, माइंस संचालक करवाएंगे रोड की मरम्मत! दिशा की बैठक में उठा मामला

पलामू, एजेंसी। खनिज लदे वाहन ओवरलोड चल रहे हैं जिस कारण कई सड़क टूट रही हैं। आगामी पर्व त्यौहार से पहले टूटी हुई सड़कों का माइंस संचालक मरम्मत करवाएंगे। ये मुद्दा पलामू में दिशा में बैठक में उठा है। दरअसल, गुरुवार को पलामू में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक पलामू सांसद विष्णुदयाल राम की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर के अलावा हुसैनाबाद विधायक संजय कुमार सिंह यादव, पांकी विधायक डॉक्टर शशिभूषण मेहता, डालटनगंज विधायक आलोक चौरसिया, बिश्रामपुर विधायक नरेश प्रसाद सिंह मौजूद रहे।

इसी बैठक में पांकी की विधायक डॉक्टर शशिभूषण मेहता ने खनिज लदे वाहनों के ओवरलोड

के कारण रोड के टूटने के बिंदु को उठाया था जिस पर अन्य विधायकों ने अपनी सहमति दी। बैठक में निर्देश जारी किया गया कि संबंधित क्षेत्र के माइंस प्रबंधन टूटे हुए रोड की मरम्मत करवाएंगे।

सड़क के अलावा मुद्दों पर हुई चर्चा : इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जबकि जनप्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी बातों को भी उठाया। बारिश से हुए नुकसान पर रिपोर्ट जारी करने को कहा गया और पीड़ितों को मुआवजा देने की भी बात कही गई। बैठक में मनरेगा के तहत कहा गया कि मेदिनीनगर, पाटन और सतबरवा प्रखंड को विशेष सुधार की आवश्यकता है जबकि पांकी के इलाके में कई योजनाओं को पेपर पर ही पूर्ण दिखाया गया है। वर्षों से एक ही जगह जमे रोजगार सेवकों को ट्रांसफर करने की भी बात कही गई। कई जनप्रतिनिधियों ने बैठक में अधिकारियों के द्वारा फोन नहीं उठाए जाने की बात कही।

खेती में खरपतवार नियंत्रण का महत्व

खरपतवारों से हानियां

■ खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।

■ खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट-व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।

■ एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षमता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तेलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही है।

प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें - फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

■ स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले वाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार ऊग आते हैं। जब ये 2-3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियों खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

जीरोटिलेज एवं फर्ब्स

धान-गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टेल मशीन से गेहूं की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहूं की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

उचित फसल चक्र अपनाकर

एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अतः आवश्यक है कि एक फसल को बार-बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाये। धान-गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अतः इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर

कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60-90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग

बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहूं में गेहूं के मामा का बीज।

यान्त्रिक विधि

खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30-35 दिन बाद एक बार निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है। समय पर मजदूर न मिलने खेतों में पानी भरने का अधिक नमी के कारण भी निकाई-गुड़ाई करने में परेशानी होती है।

खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग

समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग

मिर्च में कीट रोग प्रबंधन

थ्रिप्स

फूल लगने के समय प्रकोप बहुत भयंकर हो जाता हैं पत्तियां सिकुड़ जाती हैं तथा मुरझा कर मुड़ जाती हैं।

नियंत्रण

■ थायामिथोक्जाम 5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें। द्य नीम बीज अर्क 4 प्रतिशत का छिड़काव करें। द्य फिपरोनिल 5 प्रतिशत एस.सी.1.5 मि.ली./ लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

माहो

कोमल भागों से रस चूसकर पत्तियों एवं कोमल भागों पर मधुरस स्त्राव करते हैं, जिससे सूटी मोल्ड विकसित हो जाती है। परिणामस्वरूप फल काले पड़ जाते हैं। यह कीट मोजेक रोग का प्रसार करता है।

नियंत्रण

■ रस चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिये कीट के प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में नीम तेल 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।

■ प्रकोप अधिक होने पर डायमिथियेट 30 ई.सी. की 2 मिली. मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

■ कीट के अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में एसीफेट 1 ग्राम प्रति लीटर पानी या इमीडा क्लोप्रिड 18.5 एस.एल. की 5 मिली. मात्रा 15 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

सफेद मक्खी इस कीट का वैज्ञानिक नाम बेमेसिया टेबेकाई है। इस कीट के शिशु एवं वयस्क पत्तियों की निचली सतह से रस चूसते हैं। यह कीट पर्ण कुंचन, रोग को एक पौधे से दूसरे पौधे में फैलाते हैं।

नियंत्रण

■ कीट की प्रारंभिक अवस्था में डायमिथियेट की 2 मिली मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

■ अधिक प्रकोप की अवस्था में थायोमिथोक्साम 25 डब्ल्यू.जी.की 5 ग्राम मात्रा प्रति 15 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

रोग प्रबंधन

एन्थ्रेक्नोज- मिर्च का यह अति व्यापक रोग है। यह रोग कोलेटोट्राइकम कैप्सीकी नामक फफूंदी से होता है। विकसित पौधों पर रोग के कारण शाखाओं का कोमल शीर्ष अग्र उतकक्षयी होकर सूख जाता है। बाद में सूखने की क्रिया नीचे की ओर बढ़ती है। इस अवस्था को शीर्षारम्भिक्षय कहते हैं। फलों पर यह रोग पकने की अवस्था में होता है। जब फल लाल होने लगते हैं उन पर छोटे काले ओर गोल धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे फल की लंबाई में बढ़ते हैं। बाद में इनका रंग धूसर हो जाता है। अंतिम अवस्था में फल काले होकर गिर जाते हैं।

प्रबंधन

■ स्वस्थ एवं प्रमाणित बीज बोना चाहिए। द्य फसल से समय-समय पर रोगी पौधे उखाड़ें रहे और फल अवशेष जला देना चाहिए। द्य बोने से पहले बीज को फफूंदनाशक दवा कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित करें।

■ ब्लाइटॉक्स-50, डाइथेन एम-45, 0.25 प्रतिशत घोल का साप्ताहिक छिड़काव करें।

■ फसल चक्र अपनाना चाहिए।

फल गलन

यह रोग फाइटोप्थोरा केपसिकी नामक फफूंद से होता है। इस रोग में फलों पर भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं एवं फल सड़ जाते हैं।

प्रबंधन

■ जल निकास का उचित प्रबंध करें।

उपयुक्त फसल

चक्र, खरपतवार का प्रबंध और पानी का अच्छा निकास इस रोग की रोकथाम के लिये आवश्यक है। ■ 0-10 दिन के अंतर पर बोर्डोमिश्रण (1 प्रतिशत) अथवा डाइथेन एम-45 या मेटालेक्सि (0.25 प्रतिशत) का छिड़काव करना चाहिए।

चूर्णिल आसिता

यह रोग एरीसाइफी साइको रेसिएरम नाम फफूंद से होता है। रोग के लक्षण सर्वप्र सामान्यतः पत्तियों की ऊपरी सतह एवं नए तनों सफेद चूर्णी धब्बे के रूप में दिखाई देते हैं। धब्बों उपस्थित चूर्ण टॅल्कम पाउडर से मिलता - जुल है।

प्रबंधन

■ गंधक (0.2 प्रतिशत), कैराथन (0 प्रतिशत) या कैलिक्सिन (0.05 प्रतिशत का दिन के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।

अरहर में कीटनाशी प्रबंधन

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो

रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

■ फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।

■ अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।

■ जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन

भेदक कीट

हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

■ चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।

■ प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।

■ खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।

■ अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, काक्सीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अतः कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।

■ हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने

■ अरहर में फूल आने की अवस्था में जब की आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकार कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1:05 हो पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लि पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़क करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लि काफी कारगर होता है।

■ कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़क मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्र हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूस छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से क हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग क उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान

करोड़पतियों की सुनामी... , क्या खरीदते हैं भारतीय अमीर

2021 से भारत में 4 लाख से ज्यादा नए मिलियनेयर

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत में अमीर परिवारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है। मर्सिडीज-बेंज हुरुन इंडिया वेल्थ रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत में अब 8.71 लाख ऐसे परिवार हैं जिनकी संपत्ति 8.5 करोड़ रुपये (10 लाख डॉलर) से ज्यादा है। यह संख्या 2021 से 90 प्रतिशत ज्यादा है। ये परिवार भारत के कुल परिवारों का 0.31 प्रतिशत हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में अमीरी बढ़ रही है। लेकिन, बहुत ज्यादा अमीर बनना अभी भी मुश्किल है। अमीर लोग ज्यादातर शेयर, प्रॉपर्टी और सोना खरीद रहे हैं। वे यूपीआई से पेमेंट करना पसंद करते हैं। ज्यादातर लोग भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर आशावादी हैं। लेकिन, निवेश करते समय सावधानी बरतते हैं। भारत में मलियिनेयर अमीरों की संख्या चीन से कम है। 2001 से 4.1 लाख नए मिलियनेयर जुड़े हैं।

मर्सिडीज-बेंज हुरुन इंडिया वेल्थ रिपोर्ट 2025 में भारत के अमीर परिवारों के बारे में कई दिलचस्प बातें बताई गई हैं। यह रिपोर्ट बताती है कि भारत में अमीर लोग कहां रहते हैं, वे क्या खरीदते हैं और वे अपने पैसे का निवेश कैसे करते हैं।

सबसे ज्यादा अमीर परिवार महाराष्ट्र में हैं। यहां 1.78 लाख ऐसे परिवार हैं जिनकी संपत्ति 8.5 करोड़ रुपये से ज्यादा है। मुंबई में सबसे ज्यादा 1.42 लाख मिलियनेयर परिवार रहते हैं। इसलिए मुंबई को भारत की मिलियनेयर कैपिटल कहा जाता है। दिल्ली में

79,800, तमिलनाडु में 72,600, कर्नाटक में 68,800 और गुजरात में 68,300 मिलियनेयर परिवार हैं।

देश के टॉप 10 राज्यों में 79 प्रतिशत अमीर परिवार रहते हैं। इससे पता चलता है कि अमीरी कुछ खास राज्यों में ही ज्यादा है। शहरों की बात करें तो मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु में सबसे ज्यादा अमीर परिवार हैं। अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे जैसे शहर भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। 2025 तक भारत के लगभग 0.31 प्रतिशत परिवारों को अमीर माना जाता है। 2021 में यह आंकड़ा 0.17 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि अमीर परिवारों की संख्या बढ़ रही है।

2017 से 2025 तक मिलियनेयर परिवारों की संख्या 445 प्रतिशत बढ़ गई। लेकिन, केवल 5 प्रतिशत परिवार ही बहुत ज्यादा अमीर यानी अल्ट्रा हाई नेटवर्थ (100 करोड़ रुपये से ज्यादा) बन पाए। सिर्फ 0.01 प्रतिशत परिवार ही अरबपति बने। इससे पता चलता है कि अमीरी तो बढ़ रही है। लेकिन, बिलियनेयर बनना बहुत मुश्किल है।

मर्सिडीज-बेंज हुरुन लग्जरी कंज्यूमर सर्वे 2025 में 150 अमीर भारतीयों से उनकी खरीदारी और पसंद के बारे में पूछा गया। इससे पता चला कि अमीर लोग सबसे ज्यादा शेयर, प्रॉपर्टी और सोना खरीदते हैं। 51 प्रतिशत लोगों को लगता है कि अगले दो सालों में प्रॉपर्टी की कीमत बढ़ेगी। 2021 से सोने की कीमत दोगुनी हो गई है।

एचडीएफसी बैंक अमीर लोगों का पसंदीदा भारतीय प्राइवेट बैंक है। सिटीबैंक अंतरराष्ट्रीय बैंकों में सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। रोलेक्स घड़ियों में, तनिष्क भारतीय गहनों में, ताज होटल्स हॉस्पिटैलिटी में और गुची/लुईस विटन एक्सेसरीज में अमीर लोगों की पहली पसंद हैं। अमीर लोग ज्यादातर यूपीआई से पेमेंट करते हैं। 35 प्रतिशत लोग लग्जरी चीजें खरीदने के लिए कार्ड या कैश की जगह यूपीआई ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं। 55 प्रतिशत अमीर लोगों के पास एक से ज्यादा कारें हैं। एमीरात्स और ताज होटल्स उनके पसंदीदा ट्रैवल ब्रांड हैं। 83 प्रतिशत लोगों को लगता है कि अगले तीन सालों में भारत की अर्थव्यवस्था अच्छी रहेगी। लेकिन, निवेश करते समय वे सावधानी बरतते हैं। केवल 17 प्रतिशत लोग ही जोखिम लेने वाले निवेशक हैं। जबकि 31 प्रतिशत लोग सावधानी से निवेश करते हैं।

महाराष्ट्र में रहते हैं देश के सबसे ज्यादा करोड़पति परिवार, मुंबई बनी 'मिलियनियर कैपिटल'

मुंबई। महाराष्ट्र ने देश में सबसे अधिक संपन्न परिवारों वाला राज्य बनने का दर्जा हासिल कर लिया है। मर्सिडीज-बेंज हुरुन इंडिया वेल्थ रिपोर्ट 2025 के अनुसार, राज्य में करोड़पति परिवारों की संख्या बढ़कर 1,78,600 हो गई है। यह 2021 की तुलना में 194 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020-21 से अब तक महाराष्ट्र के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, अकेले मुंबई में 1,42,000 करोड़पति परिवार हैं, जिससे यह शहर देश की करोड़पति राजधानी बन गई है। पूरे भारत में अब 8,71,700 करोड़पति परिवार हैं। इनकी कुल संपत्ति 8.5 करोड़ रुपये या उससे अधिक है। यह 2021 की तुलना में 90 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह देश भर में परिवारों की संपत्ति में मजबूत ग्रोथ का संकेत है। इस राष्ट्रव्यापी उछाल के बावजूद, संपत्ति कुछ ही क्षेत्रों में केंद्रित है, और शीर्ष 10 राज्यों में कुल करोड़पति परिवारों का 79 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। शहरों के मामले में, रिपोर्ट में मुंबई को 1,42,000 करोड़पति परिवारों के साथ बेजोड़ करोड़पति राजधानी बताया गया है। इसके बाद नई दिल्ली में 68,200 और बेंगलुरु में 31,600 करोड़पति परिवार हैं। ये तीनों शहरी केंद्र देश में संपन्न परिवारों का सबसे बड़ा केंद्र हैं, जो भारत की धन सृजन की कहानी में महानगरीय क्षेत्रों के महत्व को रेखांकित करता है।

भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स को मिला 586.43 करोड़ रुपये जीएसटी नोटिस

बी एच ई एल BHEL

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को तेलंगाना की जीएसटी अथॉरिटी की तरफ से 586.43 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा गया है। तेलंगाना के कॉमर्शियल टैक्स डिपार्टमेंट के अस्टिटेंट कमिश्नर नेसीजीएसटी/टीजीएसटी अधिनियम, 2017 के सेक्शन 73 के तहत यह नोटिस इश्यू किया है। यह डिमांड वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के जीएसटी मैनुअल और फाइनेंशियल स्टेटमेंट पर आधारित है। भेजे गए नोटिस में वित्त वर्ष 2022 के लिए 184.55 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2023 के लिए 207.26 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024 के लिए 194.62 करोड़ रुपये का डिमांड है। जोकि मिलाकर 586.43 करोड़ रुपये होता है। शुक्रवार बाजार के उलट इस सरकारी कंपनी के शेयरों में तेजी दिखी थी। भेल के शेयर बीएसई में 1.37 प्रतिशत की उछाल के बाद 237.55 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। यह लगातार 5वां कारोबारी दिन था, जब कंपनी के शेयरों में उछाल दिखी थी। पिछले एक महीने में भेल के शेयरों का भाव 8.85 प्रतिशत बढ़ा है। जबकि इसी दौरान निफ्टी एनर्जी इंडेक्स में 2.85 प्रतिशत की तेजी आई है। हालांकि, एक साल से भेल के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 7 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। जबकि बीते एक साल में सेंसेक्स इंडेक्स में 0.67 प्रतिशत की गिरावट आई है। भेल के शेयरों की कीमतों में पिछले 2 साल में 87 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 5 साल में भेल के शेयरों का भाव 585 प्रतिशत बढ़ा है। भेल उन कुछ सरकारी कंपनियों में से एक है जो निवेशकों को लगातार डिविडेंड देती आ रही है। पिछले महीने की एक तारीख को कंपनी के शेयर एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.50 रुपये का डिविडेंड दिया था।

अडानी ने बनाई 2 नई कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह ने दो नई कंपनियों का गठन किया है। यह दोनों कंपनियां अडानी ग्रीन एनर्जी की सब्सिडयरी हैं। ये दो कंपनियां- अडानी इकोजेन वन लिमिटेड और अडानी इकोजेन टू लिमिटेड हैं। बता दें ये दोनों कंपनियां-अडानी ग्रीन एनर्जी की सब्सिडयरी हैं। हालांकि, दोनों नई कंपनियों में अडानी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग इलेवन लिमिटेड 100 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेंगी। अडानी की दोनों कंपनियों का गठन विंड एनर्जी, सोलर एनर्जी या अन्य रिन्यूएबल एनर्जी सोर्सेज का उपयोग करके किसी भी प्रकार की बिजली या विद्युत ऊर्जा के उत्पादन, विकास, रूपांतरण, वितरण, संचरण, आपूर्ति और बिक्री के लिए किया गया है। दोनों कंपनियों की अधिकृत और चुकता पूंजी 1 लाख है। शुक्रवार, 19 सितंबर को एनएसई पर अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर 8 प्रतिशत बढ़कर 1070.50 रुपये के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। अडानी ग्रीन के शेयर की बात करें तो यह 5.33 प्रतिशत बढ़कर 1031.10 रुपये पर बंद हुआ। बता दें कि यह तेजी अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों में गौतम अडानी, उनके भाई राजेश अडानी और अडानी समूह की कुछ कंपनियों को क्लीन चिट मिलने के बाद आई है। नियामक ने कहा कि जनवरी 2023 में अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित मामले में कोई गड़बड़ी का सबूत नहीं मिला।

22 सितंबर से लागू होने वाले इन दरों को लेकर लोगों ने अपनी मिली जुली प्रतिक्रियाएं भी दी है

नए जीएसटी सुधारों से बढ़ेगी आमदनी-खपत, वित्त मंत्री बोलीं- जनता तक पहुंचेंगे दो लाख करोड़ रुपये

चेन्नई , एजेंसी।
देशभर में नए जीएसटी दरों को लेकर चर्चा तेज है। 22 सितंबर से लागू होने वाले इन दरों को लेकर लोगों ने अपनी मिली जुली प्रतिक्रियाएं भी दी है। ऐसे में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार फिर इन नए दरों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से लागू होने वाले नए जीएसटी सुधारों के कारण देश के लोगों के हाथ में लगभग दो लाख करोड़ रुपये बचेंगे, जिससे घरेलू खर्च और खपत बढ़ेगी।

तमिलनाडु फूडग्रेन मर्चेंट्स एसोसिएसन के 80वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि जीएसटी की दरों को चार स्लैब से घटाकर अब केवल दो स्लैब किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि इससे खासकर गरीब, मध्यम वर्गीय परिवार और छोटे-मध्यम उद्योग को फायदा मिले।

सामान की कीमतें होंगी कम-सीतारमण

सीतारमण ने कहा कि इस सुधार के बाद सामान की कीमतें कम होंगी, जिससे लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई साबुन ज्यादा मात्रा में खरीदता है, तो निर्माता उत्पादन बढ़ाएगा, जिससे रोजगार बढ़ेंगे और सरकार को अधिक टैक्स मिलेगा। यह एक सकारात्मक चक्र है जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा होगा। इस दौरान वित्त मंत्री ने ये भी बताया कि जीएसटी लागू होने से पहले टैक्स देने वाले उद्यमियों की संख्या 65 लाख थी, जो अब बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है।

कांग्रेस की आलोचना पर भी दिया जवाब

इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहकर आलोचना करने की बात पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है, बल्कि इसने टैक्स आधार बढ़ाया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले आठ वर्षों में सरकार ने किसी उत्पाद पर ज्यादा टैक्स नहीं लगाया है और अब जो कटौती हो रही है वह सही और लोगों के हित में है। जीएसटी सुधारों से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

अब कोऑपरेटिव बैंक भी दे सकेंगे आधार से जुड़ी सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी।
यूआईडीएआई के संशोधित ढांचे के तहत अब कोऑपरेटिव बैंक भी आधार-सक्षम भुगतान सेवाएं प्रदान कर सकेंगे। इस पहल से ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में डिजिटल वित्तीय सेवाओं का दायरा और बढ़ेगा। नया ढांचा उन दिर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करता है, जिनके कारण सहकारी बैंक अनुपालन लागत संबंधी समस्याओं के कारण आधार प्रमाणीकरण प्रणाली से बाहर रह गए थे।

यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने संशोधित ढांचा जारी किया। इसके तहत अब कोऑपरेटिव बैंक भी आधार-सक्षम भुगतान सेवाएं प्रदान कर सकेंगे। सहकारिता मंत्रालय के सचिव आशीष कुमार भूटानी ने कहा कि इस पहल से ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में डिजिटल वित्तीय सेवाओं का दायरा और बढ़ेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कदम सहकारी बैंकों को अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर वित्तीय संस्थान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। नया ढांचा उन दिर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करता है, जिनके कारण सहकारी बैंक अनुपालन लागत संबंधी समस्याओं के कारण आधार प्रमाणीकरण प्रणाली से बाहर रह गए थे। यूआईडीएआई ने सहकारिता मंत्रालय, नाबार्ड, एनपीसीआई और सहकारी बैंकों के परामर्श से यह सरलीकृत प्रणाली विकसित की है।

खुदरा उत्पादों पर प्रोसेसिंग शुल्क घटा सकते हैं बैंक

● त्योहारों में बढ़ेगा खर्च ● आरबीआई ने दिया निर्देश ● शुल्क वसूली की कोई सीमा तय नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।
त्योहारी सीजन में खर्च बढ़ाकर अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने के लिए आरबीआई ने बैंकों को डेबिट कार्ड जैसे चुनिंदा खुदरा उत्पादों पर शुल्क घटाने को कहा है। सोमवार से जीएसटी सुधारों के लागू होने के साथ ही अगर बैंक शुल्कों में कटौती करते हैं, तो इससे मांग और खपत में अच्छी तेजी आ सकती है। इससे लोग ज्यादा पैसे खर्च करेंगे।

बैंकों का मानना है कि अगर ऐसा होता है, तो उन्हें शुल्क के रूप में मिलने वाले अरबों रुपये की रकम से हाथ धोना पड़ सकता है। सूत्रों का कहना है आरबीआई ने जिन खुदरा उत्पादों के शुल्क में कमी करने की बात कही है, उनमें प्रमुख रूप से डेबिट कार्ड, न्यूनतम बैलेंस और देर से भुगतान पर लगने वाले शुल्क शामिल हैं। भारतीय बैंक संघ भी बैंकों के साथ 100 से अधिक खुदरा उत्पादों के शुल्क को घटाने की बातचीत कर रहा है। इन पर आरबीआई की नजर हो सकती है। एक ही उत्पाद के लिए अलग-अलग चुकाई जाने वाली फीस में भारी अंतर ने भी केंद्रीय बैंक का ध्यान आकर्षित किया है। केंद्रीय बैंक उन शुल्कों के प्रति विशेष रूप से सचेत है, जो देश में कम आय वाले ग्राहकों पर असमान रूप से प्रभाव डालते हैं। आरबीआई ने खुदरा उत्पादों पर शुल्क की कोई विशेष सीमा निर्धारित नहीं की है।इसे बैंकों पर छोड़ दिया है। शुल्क वसूलने के मामले में बैंकों के लिए कोई अनिवार्य सीमा तय नहीं है।

आंकड़ों के अनुसार, खुदरा और छोटे व्यवसाय ऋणों के लिए प्रसंस्करण शुल्क आमतौर पर 0.5 से 2.5 फीसदी तक होता है। कुछ बैंकों ने होम लोन शुल्क की सीमा 25,000 रुपये तक सीमित कर दी है। ऋणों के धीमी वृद्धि के दौर के बाद भारतीय बैंकों की शुल्क आय में इस वित्त वर्ष में सुधार के शुरुआती संकेत दिखाई दे रहे हैं।

आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में विभिन्न उत्पादों पर बैंकों ने 510 अरब रुपये की कमाई है।यह रकम सालाना आधार पर 12 फीसदी अधिक है।हालांकि, मार्च तिमाही में यह सिर्फ छह फीसदी बढ़ी थी।

सेवाओं में सुधार करें बैंक व एनबीएफसी : गवर्नर

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने ग्राहकों की बढ़ती शिकायतों के लिए बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की आलोचना की थी।

मल्होत्रा ने यह भी सुझाव दिया था, एमडी और सीईओ सहित वरिष्ठ अधिकारी समय दें

उन्होंने इन संस्थानों से अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने और शिकायतों का एक निश्चित समयसीमा के भीतर समाधान करने को कहा था। मल्होत्रा ने यह भी सुझाव दिया था कि एमडी और सीईओ सहित वरिष्ठ अधिकारी इस मुद्दे पर कम से कम सप्ताह में एक बार समय दें।आरबीआई की एकीकृत लोकपाल योजना के तहत शिकायतों की संख्या पिछले दो वर्षों में 50 फीसदी सालाना की औसत दर से बढ़ी है। 2023-24 में यह 9.34 लाख तक पहुंच गई।

22 सितंबर का इंतजार नहीं... आइसक्रीम से लेकर शैंपू तक अभी से मिलने लगे सस्ते

कंपनियां भर रहीं दुकानें

ई दिल्ली, एजेंसी।
र्फ दो दिनों की बात है। इसके बाद काफी चीजें स्ती कीमत पर मिलनी शुरू हो जाएंगी। दरअसल, रकार ने जीएसटी दरों में बदलाव किया है। ये दलाव सोमवार यानी 22 सितंबर से लागू हो ाएंगे। हालांकि काफी चीजों में बदलाव अभी से खाई देने लगे हैं। आइसक्रीम से लेकर शैंपू समेत ई चीजें अभी से सस्ती कीमत पर मिलने लगी हैं। पनियां और दुकानदार चाहते हैं कि लोग आखिरी मय में खरीदारी के लिए न भागें। वे चाहते हैं कि ोग खुश होकर सामान खरीदें। वित्त मंत्री निर्मला ोतारमण ने कहा था कि जीएसटी में बदलाव से 12 तिशत टैक्स वाले 99 प्रतिशत सामान अब 5 तिशत टैक्स में आ जाएंगे। इसमें मक्खन, पनीर, ठाई और नमकीन जैसे सामान शामिल हैं। बिस्कुट, ाइसक्रीम, साबुन और टूथपेस्ट जैसी कई चीजों पर ो टैक्स 18 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो ाएगा। नई दरें सोमवार से लागू होंगी, लेकिन पनियां अभी से ही कम टैक्स वाले सामान दुकानों र भेज रही हैं। वे टैक्स में होने वाले नुकसान को ुद ही झेल रही हैं। प्रोक्टर एंड गैम्बल, हिंदुस्तान निलीवर, लॉरियल, और ब्रिटानिया जैसी कंपनियों

ने अखबारों और सोशल मीडिया पर नए दामों की घोषणा कर दी है। क्कत्न ने हेड एंड शोल्डर्स और पैंटीन शैंपू, पैम्पर्स डायपर, जिलेट शेविंग क्रीम, ओल्ड स्पाइस डिओडोरेंट और विक्स वेपोरब के दाम घटा दिए हैं। ॥रुने डोव और क्लिनिक शैंपू, ब्रू कॉफी, किसान जैम और लक्स और लाइफबॉय साबुन के दाम कम कर दिए हैं। दिल्ली- के एक डिस्ट्रीब्यूटर ने बताया कि कम दामों वाले पैक दुकानों पर पहुंचने लगे हैं। बास्किन रॉबिन्स के मालिक, ग्रेविस फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के चीफ एग्जीक्यूटिव मोहित खट्टर ने कहा कि बास्किन रॉबिन्स के सभी बिल अब 5 प्रतिशत जीएसटी पर बन रहे हैं।

इन कारणों से बढ़ा सोने का भाव, फेड की स्वतंत्रता पर बहस शुरू

सोने की कीमत में 800 रुपये की बढ़त

आगामी अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर नजर

नई दिल्ली, एजेंसी।
भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने व अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव बढ़ने के बीच सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। मजबूत वैश्विक संकेतों के चलते शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत 800 रुपये की तेजी के साथ 1,14,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 700 रुपये बढ़कर 1,13,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन बढ़त दर्ज की गई और यह 500 रुपये बढ़कर 1,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा कि सप्ताह के आखिरी

कारोबारी सत्र में सोने का भाव सकारात्मक रहा, और कीमती धातुओं के प्रति रुझान तेजी का बना रहा। यह आशावाद कई कारणों से देखने को मिली। इसमें इस साल एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स में मजबूत निवेश और केंद्रीय बैंकों द्वारा सक्रिय रूप से सोने की खरीदारी शामिल है। इस बीच, 2025 के अंत से पहले अमेरिकी फेड द्वारा अतिरिक्त ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें, और चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार संबंधी मुद्दों के कारण सुरक्षित निवेश की लगातार मांग बनी हुई है। कारोबारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने पीली धातु की सुरक्षित निवेश मांग को बढ़ा दिया है। वहीं फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर बहस फिर से शुरू हो गई है। हालांकि, डॉलर में मजबूती ने पीली धातु के लिए प्रतिकूल रुख अपनाया और इसकी बढ़त को सीमित कर दिया। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना 0.18 प्रतिशत बढ़कर 3,651.18 डॉलर प्रति औंस हो गया। वहीं हाजिर चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 42.16 डॉलर प्रति औंस हो गई। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक (कमोडिटी एवं करेंसी) जतीन त्रिवेदी ने कहा कि सोने की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं और अब ध्यान अगले सप्ताह के प्रमुख अमेरिकी वृहद आर्थिक आंकड़ों पर केंद्रित है। इनमें जीडीपी, विनिर्माण एवं सेवा पीएमआई, व पीसीई मूल्य सूचकांक शामिल हैं - जो आगे की प्रवृत्ति को दिशा देंगे। ऑग्मोंट की अनुसंधान प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि फेडरल रिजर्व द्वारा इस सप्ताह ब्याज दरों में कटौती करने के बाद सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव आया, लेकिन मुद्रास्फीति की निरंतर चिंता के बीच भविष्य में दरों में कटौती की गति को लेकर सतर्कता का संकेत दिया गया।

अर्शदीप बने सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्शदीप सिंह ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने ओमान के विनायक शुक्ला को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। मात्र तीन वर्षों में 100 विकेट हासिल करना भारत के लिए एक तेज गेंदबाज के रूप में उनके कौशल और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। अर्शदीप टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के हारिस रऊफ का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। अर्शदीप ने यह कारनामा 64 मैचों में किया, जबकि रऊफ को 71 मैचों में यह कारनामा करना पड़ा था। यह अर्शदीप की निरंतरता और भारत के लिए नियमित रूप से विकेट लेने की क्षमता को दर्शाता है।

शीर्ष तेज गेंदबाजों को अर्शदीप ने पीछे छोड़ा

अर्शदीप ने सबसे कम समय में 100 विकेट पूरे करने के मामले में शाहीन अफरीदी, लसिथ मलिंगा, मुस्तफिजुर रहमान, टिम साउथी और क्रिस जॉर्डन जैसे कई मशहूर गेंदबाजों को पीछे छोड़ दिया। इससे पता चलता है कि अब वह दुनिया भर के टी20 क्रिकेट के शीर्ष तेज गेंदबाजों में से एक हैं।

अन्य तेज गेंदबाजों से तुलना

पूर्ण सदस्य टीमों के गेंदबाजों में केवल राशिद खान और वानिंदु हसरंगा ने ही अर्शदीप से कम मैच खेलकर 100 विकेट पूरे किए। राशिद ने 53 मैचों में और हसरंगा ने 63 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की। इस तरह अर्शदीप दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाजों से पीछे रह गए।

भारतीय गेंदबाज 100 विकेट के करीब

अर्शदीप के बाद हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह 100 विकेट के करीब हैं। पांड्या के नाम 96 और बुमराह के नाम 92 विकेट हैं। इन दोनों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के पास जल्द ही अर्शदीप के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का मौका है। गौर है कि वर्तमान में अर्शदीप सिंह 100 विकेट लेकर किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का रिकॉर्ड रखते हैं। तेज गेंदबाजी में उनकी सफलता भारत की टी20 टीम के लिए एक उज्ज्वल बिंदु है, जो एशिया कप 2025 के निकट आते ही भारतीय क्रिकेट में नई प्रतिभाओं के उदय को दर्शाता है।

उम्र का असर नहीं ! आमिर कलीम ने एशिया कप में रच दिया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में शुक्रवार को भारत के खिलाफ ओमान के सलामी बल्लेबाज आमिर कलीम ने अर्धशतकीय पारी खेली। आमिर ने यह कारनामा 43 साल 303 दिन की उम्र में किया। इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में अर्धशतक जड़ने वाले सबसे उम्रदराज बल्लेबाज बन गए।

आमिर कलीम ने मोहम्मद नबी को इस मामले में पछाड़ा है, जिन्होंने एक दिन पहले ही श्रीलंका के विरुद्ध 22 गेंदों में 60 रन बनाए थे। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी ने 40 साल 260 दिन की उम्र में आबू धाबी में यह पारी खेली। इस लिस्ट में तीसरे पायदान पर श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान हैं, जिन्होंने साल 2016 में पाकिस्तान के खिलाफ मीरपुर में नाबाद 75 रन की पारी खेली थी। उस समय दिलशान 39 साल और 142 दिन के थे।

आबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी चुनते हुए 8 विकेट खोकर 188 रन बनाए। टीम इंडिया के लिए संजू सैमसन ने 45 गेंदों में 3 छक्कों और 3 चौकों के साथ 56 रन की पारी खेली। उनके अलावा अभिषेक शर्मा ने 15 गेंदों में 38 रन बनाए। वहीं, तिलक वर्मा ने टीम के खाते में 29 रन का योगदान दिया। ओमान की तरफ से शाह फैसल, जितेन रामानंदी और आमिर कलीम ने 2-2 विकेट हासिल किए। इसके जवाब में ओमान की टीम निर्धारित ओवरों में 4 विकेट खोकर सिर्फ 167 रन ही बना सकी।

टीम के लिए आमिर कलीम ने 46 गेंदों में 2 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 64 रन बनाए। उनके अलावा हम्माद मिर्जा ने 33 गेंदों में 51 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और कुलदीप यादव ने 1-1 शिकार किया। ग्रुप-ए से भारत और पाकिस्तान की टीम ने सुपर-4 के लिए क्वालीफाई किया है, जबकि ग्रुप-बी से श्रीलंका और बांग्लादेश ने अगले दौर का टिकट हासिल किया।

अक्षर पटेल के पाकिस्तान मैच में खेलने पर संशय

ओमान के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे, सिर-गर्दन में चोट लगी

नई दिल्ली, एजेंसी। अबू धाबी में ओमान के खिलाफ ग्रुप ए के मैच के दौरान भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल के सिर और गर्दन में चोट लगी। रविवार को दुबई में होने वाले पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-फोर मैच में उनके खेलने पर संशय है। यह हादसा ओमान की पारी के 15वें ओवर में हुआ,जब हामिद मिर्जा

का ऊंचा शॉट रोकने के लिए अक्षर पटेल मिड-ऑफ से दौड़कर आए।

कैच लेने की कोशिश में गेंद उनके हाथ से छूट गई और संतुलन बिगड़ने पर वह जमीन पर गिर गए। जिससे उनके सिर और गर्दन के हिस्से में चोट लगी। चोट लगने के बाद वह दर्द में दिखे और फिजियो के साथ मैदान से बाहर चले गए। इसके बाद वह ओमान की पारी के बाकी हिस्से में मैदान पर नहीं लौटे।

अक्षर ने 26 रन बनाए और एक ओवर गेंदबाजी की अक्षर ने इस मैच में केवल एक ओवर गेंदबाजी की, जिसमें उन्होंने चार रन दिए। भारत ने इस मैच में आठ गेंदबाजों का उपयोग किया और 21 रनों से जीत हासिल की। बल्लेबाजी में अक्षर ने नंबर 5 पर आकर 13 गेंदों में 26 रनों की तेज पारी खेली। उन्होंने संजू सैमसन (56 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 45 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी की, जिससे भारत 8 विकेट पर 188 रन बनाने में सफल रहा।

सीपीएल 2025

सेंट लूसिया किंग्स पर जीत के साथ फाइनल में त्रिनबागो नाइट राइडर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 (सीपीएल) के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है। इस टीम ने शनिवार को सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ क्वालीफायर-2 मुकाबले में 56 रन से जीत दर्ज की। अब 21 सितंबर को खिताबी मुकाबले में गुयाना अमेजन वॉरियर्स का सामना त्रिनबागो नाइट राइडर्स से होगा। प्रोविडेंस स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स की टीम ने 4 विकेट खोकर 194 रन बनाए। इस टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। कॉलिन मुनरो महज 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जिसके बाद कप्तान निकोलस पूरन ने एलेक्स हेल्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। पूरन 32 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद हेल्स ने कीरोन पोलार्ड के साथ तीसरे विकेट के लिए 65 रन जुटाते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

गुलवीर और अन्नू रानी का निराशाजनक प्रदर्शन, फाइनल में नहीं बना सके जगह

टोक्यो, एजेंसी। गुलवीर पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में और अन्नू रानी महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहीं। गुलवीर पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ की दूसरी हीट में 13 मिनट 42.34 सेकेंड के समय से नौवें स्थान पर रहे जो इस सत्र का उनका सबसे खराब समय था।राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी गुलवीर सिंह और अन्नू रानी ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया जिस कारण वह अपनी-अपनी स्पर्धा के फाइनल में जगह नहीं बना सके। गुलवीर पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में और अन्नू रानी महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहीं। गुलवीर पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ की दूसरी हीट में 13 मिनट 42.34 सेकेंड के समय से नौवें स्थान पर रहे जो इस सत्र का उनका सबसे खराब समय था और उनके राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय 12~59.77 से भी कम था। हालांकि वह मामूली अंतर से फाइनल से चूक गए क्योंकि दोनों हीट में शीर्ष आठ आठ खिलाड़ी ही पदक दौर में पहुंच पाए। वह कुल 39 प्रतिस्पर्धी खिलाड़ियों में 27वें स्थान पर रहे। गुलवीर 14 सितंबर को 10000 मीटर दौड़ में 16वें स्थान पर रहे थे। वहीं अपनी पांचवीं विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही 33 वर्षीय रानी क्वालीफिकेशन दौर में ग्रुप ए में 55.18 मीटर के थ्रो से 15वें स्थान पर रहीं। वह 36 खिलाड़ियों में से 29वें स्थान पर रहीं। 2024 में औसत प्रदर्शन के बाद, रानी इस साल 62.59 मीटर के अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कुछ हद तक अपनी लय वापस पा चुकी थीं।

गावस्कर ने ओमान के खिलाफ बल्लेबाजी न करने पर सूर्यकुमार की तारीफ की, बेटे रोहन असहमत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के शुक्रवार (19 सितंबर) को अबूधाबी में ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम लीग चरण के मैच में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरने के बाद विशेषज्ञों और सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। एशिया कप 2025 के सुपर 4 चरण के लिए आसानी से क्वालिफाई करने के बाद भारत ने निचले क्रम के खिलाड़ियों को खेलने का मौका देने के लिए अपने बल्लेबाजी क्रम में रोटेट करने का विकल्प चुना और सूर्यकुमार 8 विकेट गिरने के बाद भी बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 188 रन बनाए। लिटिल मास्टर सुनील

गावस्कर ने सूर्यकुमार के इस अपरंपरागत कदम की तारीफ की। हालांकि, उनके बेटे रोहन गावस्कर को सूर्यकुमार का कदम अच्छा नहीं लगा। गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स पर पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान के साथ बातचीत में कहा, अगर वह एक ओवर भी बल्लेबाजी करते, तो कुछ चौके-छक्के लगा सकते थे और यह उनके लिए अच्छा होता।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 23 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है, जिसकी कमान ज्योति सिंह के हाथों में है। ये मुकाबले 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में खेले जाएंगे। भारतीय जूनियर महिला टीम इस दौरे पर कुल पांच मैच खेलेगी। भारतीय टीम के शुरुआती तीन मुकाबले ऑस्ट्रेलिया जूनियर महिला टीम के खिलाफ होंगे, जिसके बाद दो मैच ऑस्ट्रेलिया की हॉकी वन लीग की क्लब टीम कैनबरा चिल के खिलाफ खेले जाने हैं।

कप्तान ज्योति सिंह ने इस साल की शुरुआत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के दौरान सीनियर टीम में जगह बनाई थी। उनकी इस टीम में डिफेंडर, मिडफील्डर और फॉरवर्ड खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है।

गोलकीपिंग की जिम्मेदारी निधि और एंगल हर्षा रानी मिंज को सौंपी गई है। डिफेंडर में मनीषा,

ज्योति सिंह (कप्तान), लालथंतलुआंगी, ममिता ओरम, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू और नंदिनी पर निर्भर करेगी।

मिडफील्डर में प्रियंका यादव, साक्षी राणा, खैदेम शिलेइमा चानू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धन, इशिका, सुनीता टोप्पो और अनीशा साहू जैसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल होंगी। वहीं, फॉरवर्ड लाइन में लालरिनपुई, निशा मिंज, पूर्णिमा यादव, सोनम, कनिका सिवाच और सुखवीर कौर शामिल हैं। यह सीरीज दिसंबर में चिली के सैंटियागो में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 से पहले भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

टीम के चयन को लेकर भारतीय जूनियर महिला टीम के कोच तुषार खांडेकर ने कहा, यह युवा खिलाड़ियों का एक प्रतिभाशाली समूह है। खिलाड़ी ट्रेनिंग में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमने सभी विभागों में सही संतुलन बनाने की कोशिश की है। टीम में ऐसे खिलाड़ी चुने हैं, जो किसी भी परिस्थिति में ढल सकें। ऑस्ट्रेलिया दौरा इस समूह के लिए अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक शानदार मौका होगा।

ताने सहे, लेकिन हार नहीं मानी... कहानी मीनाक्षी हुड्डा की, जो बनीं बॉक्सिंग में वर्ल्ड चैम्पियन

नई दिल्ली, एजेंसी। कभी उधार के बॉक्सिंग ग्लव्स पहनकर रिंग में दाखिल होने वाली मीनाक्षी हुड्डा आज वर्ल्ड चैम्पियन बन चुकी हैं. ऑटो ड्राइवर की बेटी मीनाक्षी के घर में टीवी तक नहीं था. लेकिन उन्होंने गरीबी, सामाजिक तानों और हर दबाव को झेलते हुए हुए करियर में नया मुकाम हासिल किया है. 24 साल की मीनाक्षी ने भारत के लिए वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में गोल्ड मेडल जीता. इंग्लैंड के लिवरपूल में हुई इस चैम्पियशिप में भारत की बॉक्सिंग टीम ने कुल चार पदक जीते. इसमें दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य शामिल रहे. लेकिन सबसे ज्यादा चमक मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा) और जैस्मिन लेंबोरिया (57 किग्रा) के स्वर्ण पदकों ने बिखेरी. मीनाक्षी ने पेरिस 2024 ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट कजाखस्तान की नाजिम काइजेबे को 4-1 से हराया. वहीं जैस्मिन लेंबोरिया ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता पोलैंड की

जूलिया जेरेमेटा को 4-1 से धूल चटाई.

मीनाक्षी हुड्डा की इस जीत के पीछे संघर्ष की एक ऐसी दास्तां है, जो इसे और खास बना देती है. मीनाक्षी के पिता श्रीकृष्ण पिछले तीन दशकों से किराए का ऑटो चलाते आ रहे हैं. घर की आर्थिक हालत सही नहीं थी, लेकिन फिर भी उन्होंने बेटी के सपनों को टूटने नहीं दिया. पड़ोसियों ने यह कहकर हतोत्साहित किया कि चोट लग जाएगी और फिर शादी भी नहीं होगी, लेकिन पिता ने मीनाक्षी का साथ नहीं छोड़ा, भले ही कभी बेटी के लिए पिता को ग्लव्स तक उधार लेने पड़े हों.

बॉक्सिंग का हब बना हरियाणा का रुड़की गांव

मीनाक्षी हुड्डा हरियाणा के रुड़की गांव से ताल्लुक रखती हैं. लगभग सात हजार की आबादी वाला यह गांव रोहतक शहर से 15 किलोमीटर दूर है. इस गांव से मीनाक्षी के अलावा बॉक्सिंग में कुछ स्टार खिलाड़ी निकलकर सामने आई हैं, जिनमें शिक्षा नरवाल, ज्योति और मोनिका भी शामिल हैं.मीनाक्षी ने वर्ल्ड चैम्पियन बनने के बाद स्पोर्ट्स टुडे से खास बातचीत की. इस दौरान उन्होंने अपनी बॉक्सिंग जर्नी को याद किया. मीनाक्षी ने कहा कि उन्हें पहले लोग ताने देते थे. कुछ लोग अब भी बोलेंगे, लेकिन समय के साथ-साथ लोगों का रुझान बॉक्सिंग के प्रति बढ़ा है.मीनाक्षी हुड्डा कहती हैं, मुझे बहुत ज्यादा खुशी हो रही थी, समझ ही नहीं आया कि क्या हो गया. सभी इतने खुश थे. सभी कोच भी काफी खुश थे और मुझे भी काफी खुशी हो रही थी. मैंने मम्मी को कॉल किया था. पापा के पास बड़ा फोन नहीं है, इसलिए मैं उन्हें कॉल नहीं कर सकती. उन्हें फोन चलाना नहीं आता.मीनाक्षी हुड्डा ने आगे कहा, लोगों का काम बोलना होता है. अभी भी बोलेंगे, पहले भी बोलते थे. गांव के लोग खुली सोच वाले इंसान नहीं होते. शुरुआत में नहीं... लेकिन हमारे गांव के सीनियर्स शिक्षा नरवाल, ज्योति, मोनिका के मेडल आने शुरू हुए तो लोगों में थोड़ा रुझान हुआ. अब तो सभी बॉक्सिंग करने के लिए कहते हैं. 60 से 70 लड़कियां हमारे सेंटर में प्रैक्टिस करती हैं.

पति संग्राम सिंह के अफेयर्स की अफवाहों के बीच पत्नी पायल का क्रिप्टिक पोस्ट

रेसलर-एक्टर संग्राम सिंह और अभिनेत्री निकिता रावल के बीच रिश्ते को लेकर कई बाते कही जा रही हैं। साथ ही ये भी कहा गया कि अभिनेता का एक्ट्रेस निकिता के साथ अफेयर चल रहा है और वो उन्हें डेट कर रहे हैं। हालांकि, संग्राम सिंह ने इन अफवाहों का खंडन किया है और निराशा व्यक्त की। इसके अलावा निकिता रावल ने भी इन अफवाहों को बेबुनियाद बताया। इसी बीच रेसलर-एक्टर की पत्नी पायल रोहतगी ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जो वायरल हो रहा है।

पति संग्राम सिंह के साथ पायल ने शेयर की तस्वीर

संग्राम सिंह के अफेयर्स से जुड़ी खबरों के बीच उनकी पत्नी और अभिनेत्री पायल रोहतगी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने खुद की शादी के रिसेप्शन की तस्वीर साझा की है, जिसमें पति संग्राम सिंह के साथ वो खड़ी दिख रही हैं। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, विश्वासघात हमेशा वफादारी के रूप में तब तक आता है, जब तक उसका मुखौटा नहीं उतर जाता।

मैंने हर किसी की मदद...

इसके साथ ही पायल रोहतगी ने एक और पोस्ट किया है। इसमें भी उन्होंने अपनी ही शादी के रिसेप्शन की तस्वीर साझा की। उन्होंने कैप्शन दिया, एक अमीर आदमी से पूछा कि उसने यह कैसे किया और उसने कहा मैंने हर किसी की मदद करने की कोशिश करना बंद कर दिया पायल रोहतगी और संग्राम सिंह ने 12 साल से अधिक समय तक एक-दूसरे को डेट किया था। इसके बाद साल 2022 में दोनों ने शादी कर ली थी।

तेलुगू

सामंथा को नागा चैतन्य से तलाक के बाद नहीं मिल रहा काम

इंडस्ट्री ने किया ब्लैकलिस्ट?

फिल्मों की एक्ट्रेस लक्ष्मी मांचू ने एक इंटरव्यू में सुपरस्टार और तलाकशुदा एक्ट्रेस के बारे में बात की है। लक्ष्मी मांचू ने कहा है कि इस एक्ट्रेस को तलाक के बाद से काम नहीं मिल रहा है। उन्होंने इस एक्ट्रेस का नाम तो नहीं लिया, पर हिंट दिया कि तलाक के बाद से उस एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है और जो फिल्में थीं, वो भी वापस ले ली गईं। बताया जा रहा है कि लक्ष्मी मांचू ने यह बात सामंथा रुथ प्रभु के बारे में कही है। सामंथा रुथ प्रभु ने साल 2017 में तेलुगू सुपरस्टार नागार्जुन के बेटे नागा चैतन्य से शादी की थी। यह एक लव मैरिज थी, पर 2021 में उनका तलाक हो गया।

तलाक के बाद से सामंथा का करियर लुढ़कने लगा। उन्हें नाम मात्र की फिल्में मिल रही हैं, और जो भी रिलीद हुई, वो औसत ही रहीं। ऐसे में माना जा रहा है कि लक्ष्मी मांचू का इशारा सामंथा की तरफ था।

नागा चैतन्य की शोभिता से शादी, राज निदिमोरू संग सामंथा का नाम

सामंथा नागा चैतन्य से तलाक के बाद से वह सिंगल हैं। हालांकि, उनका नाम डायरेक्टर राज निदिमोरू के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों की साथ में रोमांटिक तस्वीरें भी वायरल हुई हैं। वहीं, नागा चैतन्य बाद में एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला को डेट करने लगे थे और साल 2024 में शादी कर ली।

लक्ष्मी मांचू ने दिया हिंट

लक्ष्मी मांचू ने ग्रेट आंध्रा को दिए इंटरव्यू में इस बात का हिंट दिया कि एक सुपरस्टार की पूर्व पत्नी के पास फिलहाल कोई काम नहीं है। दरअसल, एक सवाल के जवाब में लक्ष्मी मांचू ने रिपोर्टर को फटकार लगाई और कहा कि समाज में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं को बहुत कुछ झेलना पड़ता है। लक्ष्मी मांचू बोलीं, एक सुपरस्टार की पूर्व पत्नी है, जो यहां काम करती है। उसका तलाक हो गया है, और तब से, उसे जो फिल्में ऑफर हुई थीं, वो भी छीन ली गई हैं। उसे यही कहा जाता है कि उसे लिया तो उन्हें (नागा चैतन्य) बुरा लग सकता है और वो कुछ बोल सकते हैं। उसे अच्छे ऑफर्स का इंतजार है और मुझे उसका नाम लेने की जरूरत नहीं है।

सामंथा का नाम सुनकर लक्ष्मी मांचू ने दिया यह जवाब

रिपोर्टर ने जब लक्ष्मी मांचू से सवाल किया कि वह सामंथा की बात कर रही हैं? तो एक्ट्रेस बोलीं, आप सोच रहे हैं कि सामंथा ही हैं। कोई एक सुपरस्टार नहीं है। लगभग पांच-छह सुपरस्टार्स का तलाक हो चुका है। और मैं उन सभी के करीब हूं। लेकिन मेरा पॉइंट ये है कि अगर किसी पुरुष के साथ ऐसा कुछ होता है, तो उसकी जिंदगी कभी नहीं बदलेगी। लेकिन एक महिला जब शादी कर ले और उसके बच्चे हो जाएं, ससुरालवाले हों तो उस पर बहुत सारी जिम्मेदारियां आ जाती हैं। कोई हमें आज़ादी नहीं देता। हमें खुद ही सब कुछ सहना पड़ता है।

बॉलीवुड के बाद प्राजक्ता कोली ने रखा मराठी सिनेमा में कदम

सोशल मीडिया पर मोस्टलीसेन के नाम से पहचान बनाने वाली प्राजक्ता कोली आज एक ऐसा नाम बन चुकी हैं, जिनकी लोकप्रियता सिर्फ डिजिटल प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं रही। ओटीटी और बॉलीवुड में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब वो अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू करने जा रही हैं। प्राजक्ता पहली बार मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं और उनकी इस फिल्म का नाम है क्रांतिज्योति विद्यालय - मराठी माध्यम।

प्राजक्ता ने शेयर किया पोस्ट

प्राजक्ता ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- उस भाषा के प्यार में, जिसे मैं अपनी मातृभाषा कहती हूं। मिलते हैं, बहुत जल्द। प्राजक्ता ने फैंस को जानकारी देते हुए फिल्म का पोस्टर भी शेयर किया है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म की स्टारकास्ट के बारे में भी फैंस को बताया है।

फिल्म की कहानी और निर्देशन

इस फिल्म का निर्देशन हेमंत ढोमे ने किया है। कहानी महाराष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था और मराठी माध्यम स्कूलों के पतन के इर्द-गिर्द बुनी गई है। यह फिल्म समाज में एक गंभीर संदेश देने का प्रयास करेगी।

फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म में प्राजक्ता कोली के साथ मराठी सिनेमा के कई जाने-माने चेहरे नजर आएंगे। इसमें सचिन खेड़ेकर, अमेय वाघ, सिद्धार्थ चांदेकर, क्षिती जोग, कदंबरी कदम, हरीश दुहाडे और पुष्कराज चिरपुटकर जैसे कलाकार शामिल हैं। इन सभी कलाकारों की मौजूदगी फिल्म को और भी मज़बूत बनाती है।

अब तक का सफर....

प्राजक्ता की पहचान सबसे पहले यूट्यूब से हुई, जहां वह रिलेटेबल और हल्के-फुल्के हास्य वाले वीडियो बनाती थीं। इसके बाद उन्हें ओटीटी पर नेटफ्लिक्स की रोमांटिक सीरीज मिसमैच्ड से पहचान मिली। शो को दर्शकों ने इतना पसंद किया कि इसका चौथा और अंतिम सीजन भी अगले साल आने वाला है। इसी बीच प्राजक्ता ने धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म जुग जुग जियो से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें वह वरुण धवन और कियारा आडवाणी के साथ नजर आईं। हाल ही में वह अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज अंधेरा में भी दिखाई दीं।

इंदिरा कृष्णा ने 'जटाधारा' की शूटिंग को बताया रोमांचक अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की अपकमिंग फिल्म जटाधारा सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। अभिनेता सुधीर बाबू इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते दिखाई देंगे। इस फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा की अभिनेत्री इंदिरा कृष्णा भी अहम किरदार निभाती दिखाई देंगी। उन्होंने फिल्म की शूटिंग से जुड़ी सोनाक्षी सिन्हा के साथ एक फोटो शेयर की। इसमें वो सोनाक्षी से खुशी से बातें करती दिख रही हैं। एक तस्वीर में वो फिल्म के शूट को देखती दिख रही हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए इंदिरा कृष्णा ने बताया कि 'जटाधारा' की शूटिंग का अनुभव बहुत ही रोमांचक रहा। इंदिरा कृष्णा ने फिल्म की शूटिंग की कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर साझा कीं। इन्हें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 卐महादेव की कृपा से 7 नवंबर 2025 को रिलीज होने वाली तेलुगु फिल्म जटाधारा की शूटिंग का सफर बेहद रोमांचक रहा। माउंट आबू में इस शानदार टीम के साथ शूटिंग का पूरा आनंद लिया। मैंने वहां की भाषा और लोगों को करीब से समझा। प्रेरणा अरोड़ा के बिना यह संभव नहीं होता, जिन्होंने इस किरदार देवी के लिए मुझ पर बिना सोचे भरोसा किया। प्रिय प्रेरणा, मुझसे सर्वश्रेष्ठ अभिनय निकलवाने के लिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहती हूं।

उन्होंने आगे लिखा, कुछ समय बिताने और विचार-मंथन के लिए शिविन को विशेष धन्यवाद। वेंकट कल्याण और हिमांशु की टीम का धन्यवाद। खूबसूरत सोनाक्षी सिन्हा के साथ बातचीत करके बहुत अच्छा लगा। आप अंदर से बहुत खूबसूरत हैं। इस अवसर को और बेहतर बनाने के लिए स्टूडियो साउथ का धन्यवाद। फिल्म के मेकर्स ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट बताई थी। उन्होंने बताया कि यह फिल्म 7 नवंबर को हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में अनंत पद्मनाभ स्वामी मंदिर के आसपास के रहस्यों को उजागर किया जाएगा। इस फिल्म में दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकाला और सुभलेखा सुधाकर जैसे सितारे भी हैं। इसके निर्देशक अभिषेक जायसवाल और वेंकट कल्याण हैं। इसे जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने प्रोड्यूस किया है।

नतालिया ही नहीं कई विदेशी सेलिब्रिटीज ने 'बिग बॉस' में चलाया अपना जादू

'बिग बॉस 19' में एक विदेशी एक्ट्रेस नतालिया जानोसजेक भी बतौर प्रतियोगी शामिल हुईं। बीते रविवार को वह शो से बाहर हो गईं। सिर्फ नतालिया ही अकेली विदेशी सेलिब्रिटी नहीं हैं, जो इस रियलिटी शो में दिखीं, पहले भी कई विदेशी सेलेब्स 'बिग बॉस' का हिस्सा बन चुके हैं।

पोलिश मूल की अदाकारा नतालिया वीकएंड का वार एपिसोड में 'बिग बॉस 19' से बाहर हो गईं। वह काफी दिनों तक इस रियलिटी शो में चर्चा में रहीं। सिर्फ नतालिया ही नहीं इससे पहले भी 'बिग बॉस' के अलग-अलग सीजन में कई विदेशी मूल के सेलिब्रिटीज नजर आए।

क्लोडिया सिएस्ला

क्लोडिया सिएस्ला जर्मन एक्ट्रेस, मॉडल रही हैं। वह 'बिग बॉस 3' में बतौर प्रतियोगी शामिल हुईं। इसके बाद क्लोडिया ने हिंदी फिल्मों में अभिनय किया। साल 2018 में क्लोडिया ने एक बॉलीवुड फिल्म 'तेरी भाभी है पागल' में आइटम डांस किया। वह अब भारत में रहकर एक न्यूट्रिशनिस्ट के तौर पर काम कर रही हैं।

सनी लियोनी

सनी लियोनी ने 'बिग बॉस 5' में बतौर प्रतियोगी हिस्सा लिया था। वह एक कनैडियन मूल की एक्ट्रेस, मॉडल रही हैं। 'बिग बॉस' के बाद वह बॉलीवुड फिल्म 'जिस्म 2' में नजर आईं। इसके बाद भी कई हिंदी और साउथ की फिल्मों का हिस्सा बनीं। इस साल वह हिमेश रेशमिया की फिल्म 'बैडएस रविकुमार' में कैमियो रोल करती दिखीं। कई इंडियन रियलिटी शो को वह होस्ट भी कर चुकी हैं।

नताशा स्टेनकोविक

नताशा स्टेनकोविक एक सर्बियाई मूल की मॉडल, एक्ट्रेस हैं। फिल्म 'सत्याग्रह(2013)' से नताशा ने बॉलीवुड में कदम रखा था। साल 2014 में वह बिग बॉस 8 में बतौर प्रतियोगी शामिल हुईं। साल 2019 में भी उन्होंने 'द बॉडी' नाम की एक हिंदी फिल्म की। क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ साल 2020 में शादी की और साल 2024 में डिवोर्स हो गया।

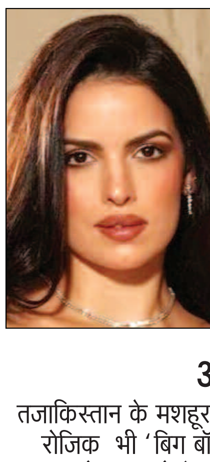

अब्दु रोजिक

तजाकिस्तान के मशहूर इंफ्लुएंसर अब्दु रोजिक भी 'बिग बॉस 16' में नजर आए थे। इस शो के बाद वह 'लाफ्टर शेफ 2' जैसे रियलिटी शो का हिस्सा बने। भारत में अब भी उनके फनी और सिंगिंग वाले वीडियो सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं।

ओरा

साउथ कोरियन सिंगर ओरा ने भी 'बिग बॉस 17' में हिस्सा लिया था। ओरा के वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं, उनकी भारत में भी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। वह बॉलीवुड गानों के मैशअप वीडियो बनाते हैं, जिन्हें भारतीय दर्शक पसंद करते हैं।